रांची

हिन्दी दैनिक
वनांचल आई
www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:112 सोमवार,29 दिसंबर Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

कोहरे का कहर : वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

एजेंसी

नई दिल्ली : सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

उन्नाव रेप पीड़िता ने सीबीआई के देरी से सुप्रीम कोर्ट जाने पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली : उन्नाव रेप पीड़िता ने शनिवार को सीबीआई के सुप्रीम कोर्ट जाने से जुड़ी देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पावर और राजनीतिक प्रभाव अपराध की गंभीरता को कम नहीं कर सकते। पीड़िता ने कहा कि बाहुबल मायने नहीं रखता, रेपिस्ट रेपिस्ट होता है, चाहे वह कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो। उन्होंने यह भी कहा कि वह कोर्ट के सामने पेश होने का इरादा रखती हैं और जजों के सामने तथ्य रखने और जांच और ट्रायल में लंबी देरी के लिए जवाबदेही तय करने के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने आरोप लगाया कि बार-बार आश्वासन के बावजूद मामले में प्रगति धीमी रही, जिससे उन्हें समय पर इंसाफ नहीं मिला।

सेना की फायरिंग रेंज में ब्लास्ट, चार जवान घायल

एजेंसी

सहारनपुर : मिर्जापुर क्षेत्र स्थित सेना की फायरिंग रेंज में नियमित अभ्यास के दौरान अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। धमाके की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अभ्यास रोक दिया गया। घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। बेहट सीएचसी के चिकित्सकों के मुताबिक चारों जवानों को चोटें आई हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल जवानों को जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि अन्य दो जवानों का इलाज वहीं किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी फायरिंग रेंज पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

राजधानी में हीरो हॉकी इंडिया वीमेंस लीग का हुआ शानदार आगाज

विधायक कल्पना सोरेन ने किया उद्घाटन, कहा- हॉकी झारखंड की पहचान

संवाददाता

रविवार को हीरो हॉकी इंडिया वीमेंस लीग 2026 का शानदारआगाज हो गया। पहला मैच रांची रॉयल्स और एसजी पाइपर्स के बीच खेला गया। इससे पहले हॉकी इंडिया लीग को लेकरदर्शकों में उत्साह देखा गया। दोपहर से ही स्टेडियम में प्रवेश के लिए लोगों की लाइन लग गई थी। कड़ी सुरक्षा के बीच दर्शकों को स्टेडियम में अलग-अलग गेट से एंट्री कराई गई। पूरा स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा हुआथा। कड़ाके की ठंड के बीच दर्शक खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते नजर आए। उद्घाटनसमारोह में मुख्य अतिथि के रूपमें विधायक कल्पना सोरेन शामिल हुईं। समारोह में बॉलीवुड स्टार मानुषी छिल्लर की विशेषमौजूदगी रही। कल्पना सोरेन ने कहा कि हॉकी झारखंड की पहचान है। हॉकी यहां की नस- नस में बसती है। उन्होंने कहा कि झारखंड की बच्चियां संसाधनों के अभाव में भी पेड़ों की टहनियों सेहॉकी खेला करती थीं। आजराज्य की खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।

पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं, पेनाल्टी कॉर्नर में सफलता

पहले क्वार्टर में दोनों ही टीम के खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगाया। लेकिन, दोनों ही टीमें एक भी गोल नहीं कर सकी। इस दौरान कभी रांची रॉयल्स तो कभी एसजी पाइपर्स भारी पड़ती दिखी। लेकिन खिलाड़ी शॉट को गोल में कन्वर्ट नहीं कर पाई। ऐसे में पहला क्वार्टर बिनाकिसी गोल के निकल गया।

तीन दिवसीय दौरा : कड़ी सुरक्षा के बीच लोकभवन में एंटर किया काफिला

रांची पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

आज सरायकेला-खरसावां और जमशेदपुर में होने वाले दो कार्यक्रमों में करेंगी शिरकत

एजेंसी

रांची:रविवार की शाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर राजधानी रांची पहुंचीं। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमारगंगवार ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद एयरपोर्ट से लोकभवन तक कड़ी सुरक्षा और सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए राष्ट्रपति का काफिला लोकभवन पहुंचा। रांची एयरपोर्टसे लेकर लोकभवन तक पहुंचानेके दौरान पूरे रूट लाइन में रांचीपुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी। एयरपोर्ट से लोकभवन निकलने से पहले ही रूट लाइन में तैनात सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड मेंथे। करीब 20 से 22 मिनट के भीतर ही राष्ट्रपति का काफिला कड़ी सुरक्षा के बीच लोकभवन पहुंच गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार की रात लोकभवन में विश्राम करने के बाद सोमवार कोवह सरायकेला-खरसावां औरजमशेदपुर में होने वाले दो कार्यक्रमों में शिरकत करने के लिए रवाना हो जाएंगी। दोनों जगह कार्यक्रम में भाग लेने के बादराष्ट्रपति वापस रांची लौटेंगी और रात्रि विश्राम लोकभवन में करेंगी। मंगलवार को गुमला में होने वाले

एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया स्वागत

राष्ट्रपति की सुरक्षा में भारी चूक काफिले में घुस गया स्कूटी सवार

तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा व्यवस्था में रविवार को राजधानी रांची में एक गंभीर चूक सामने आई। रांची एयरपोर्ट से लोक भवन की ओर जा रहे राष्ट्रपति के काफिले में किशोरगंज चौक के पास एक स्कूटी सवार अचानक घुस गया।हालांकि, मौके पर तैनात सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्कूटी सवार को काफिले से बाहरनिकाला और हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के आगमन कोलेकर एयरपोर्ट से लेकर उनके गंतव्य तक के पूरे रूट को पहले से सील किया।

मुख्यमंत्री से कांग्रेस नेताओं ने की मुलाकात

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विधायक राजेश कच्छप ने औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद से स्वीकृति मिलने पर मुख्यमंत्री को बधाई दी। बैठक के अवसर पर नेताओं ने कहा कि पेसा नियमावली की मंजूरी से आदिवासी और ग्राम सभा आधारित स्वशासन को मजबूती मिलेगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सभी को धन्यवाद देते हुए इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। मुलाकात के दौरान नववर्ष 2026 के आगमन पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं एवं बधाई भी दी गई। यह मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

मन की बात में प्रधानमंत्री की सलाह, मनमर्जी से ना लें दवा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों से दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दवा लेने से पहलेउचित गाइडेंस लेना और एंटीबायोटिक के सेवन के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ मेंआईसीएमआर (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की एकहालिया रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफएंटीबायोटिक दवाएं कमजोरसाबित हो रही हैं। इसका मुख्यकारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक का सेवन करना है। इसलिए उन्होंने लोगों से अपील कीकि वे अपनी मनमर्जी से दवाओं का उपयोग करने से बचें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन कीबात कार्यक्रम की 129वीं कड़ी और वर्ष के अंतिम एपिसोड कीशुरूआत वर्ष 2025 में देश की उपलब्धियों से की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत ने कई मील का पत्थर साबित होने वाली उपलब्धियां हासिल की हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा (ऑपरेशन सिंदूर), खेल (महिला विश्वकप) और वैज्ञानिक नवाचारजैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति ने वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव को दशार्या है। उन्होंने कहा कि साल 2025 मेंआस्था, संस्कृति और भारत कीआध्यात्मिक विरासत एक साथदिखाई दी। वर्ष की शुरूआतप्रयागराज के कुंभ से हुई और अंतअयोध्या में राम मंदिर के ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ हुआ, जिसने हर भारतीय को गर्व से भर दिया।

तीन दिवसीय 5वें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का हुआ सफल समापन

एजेंसी

(26 से 28 दिसंबर) तक आयोजित तीन दिवसीय मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन का आयोजन विकसित भारत के लिए मानव पूंजी की थीम पर किया गया, जिसका उद्देश्य भारत की जनसंख्या को कुशल, उत्पादक और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के रूप में विकसित करना रहा। सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि टीम इंडिया की भावना के तहत केंद्र और राज्यों के बीच खुले संवाद और संरचित सहयोग को सशक्तबनाना रहा। ह्यविकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र-राज्य साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। मानव पूंजी विकास पर केंद्रित इस सम्मेलन में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियों पर विचारवि मर्श हुआ। विकसित भारत की थीम के तहत जनसंख्या को जनसांख्यिकीय लाभांश के बजाय सशक्त मानव पूंजी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। चचाओं का फोकस कौशल, उत्पादकता, नवाचार और रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले तंत्रों पर रहा, ताकि समावेशी, सतत और भविष्य-उन्मुख जन- केंद्रित विकास को बढ़ावा मिल सके। सम्मेलन के दौरान शासन सुधार, प्रशासनिक दक्षता और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर भी गहन मंथन किया गया। झारखंड सरकार की ओर से मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव कृपानंद झा, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार तथा विशेष सचिव राजीव रंजन सहित वरिष्ठ अधिकारियों नेसहभागिता की ।

सराहनीय उपलब्धि

पीएम मोदी के पहले कार्यकाल में हुई शुरुआत ने जगाई उम्मीद

एक दशक में डिजिटल इंडिया मिशन का रहा शानदार सफर

एजेंसी

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अथवा संस्थागत स्तर पर किए गए सफर के मूल्यांकन का एक मानक होता है। हर प्रकार के सफर में कई मुकाम आते हैं, लेकिन किसी मुकाम को मंजिल नहीं कहा जा सकता। आज के हाई टेक्नोलॉजी दौर में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तो किसी उपलब्धि को हम मंजिल कतई नहीं कह सकते। रोज नवाचार के नए रास्ते खुलते हैं और उस पर नए सफर का आगाज हो जाता है। इस दृष्टि से अगर हम डिजिटल इंडिया मिशन के सफर को देखें तो इसकी उपलब्धियों के मुकाम शानदार हैं, लेकिन इसे अभी लंबा सफर तय करना है। बेशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में व्यापक लक्ष्य को हासिल करने के लिए जुलाई 2015 में शुरू हुए डिजिटल इंडिया मिशन के तहत देश ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच की डिजिटल खाई को पाटने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। अब तक के प्राप्त मुकाम को नए साल में आगे बढ़ाने की नई कोशिश जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया है। वर्तमान दौर में इस अभियान का असर सुदूर गांवों और पहाड़ी इलाकों में साफ दिखने लगा है।केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में सरकार की डिजिटल उपलब्धियों का विस्तार से ब्योरा दिया था। बताया गया था कैसे डिजिटल इंडिया ने ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल दी है। मंत्री ने बताया कि गांवों में डिजिटल सेवाओं का पावरहाउस बन चुका है। यहां के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ग्रामीण भारत में डिजिटल सेवाओंकी रीढ़ बन गए हैं। आंकड़ों की बात करें तो अक्तूबर 2025 तक देश में 5.67 लाख कॉमन सर्विस सेंटर सक्रिय हैं। इनमें से 4.41 लाख सेंटर सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर काम कर रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को 800 से अधिक सरकारी और बिजनेस सेवाएं मिल रही हैं। मंत्री ने सदन में बताया कि दूरदराज के इलाकों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी पहुंचाने के लिए भारतनेट परियोजना गेम- ेंजर साबित हुई है। अक्तूबर 2025 तक 2,14,843 ग्राम पंचायतें इंटरनेट सेवा के लिए तैयार हो चुकी हैं। इसके जरिए गांवों में वाई-फाई हॉटस्पॉट और फाइबर-टू- द-होम कनेक्शन दिए जा रहे हैं। इनसे डिजिटल इकोनॉमी को बढ़त मिली है। सरकार की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, गांव के लोगों को कंप्यूटर और स्मार्टफोन चलाना सिखाने के लिए सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियानचलाया था।

घाटियों, ऊंचे इलाकों में छिपे आतंकियों को खदेड़ने के लिए सेना ने बदली

आधुनिक निगरानी तकनीक और शीतकालीन उपकरणों से लैस अतिरिक्त बल किए तैनात

एजेंसी

नई दिल्ली : सेना ने पहली बार रणनीति बदलते हुए डोडा और किश्तवार में शीतकालीन अभियानों को तेज कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के सबसे ठंडे हफ्तों में बचे हुए आतंकवादी समूहों को खदेड़ने के उद्देश्य से, घाटियों, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों और ऊंचाई वाले इलाकों में एक साथ तैनाती की जा रही है। यह अभियान चिल्लई कलां के साथ मेल खाता है- जो 21 दिसंबर से 31 जनवरी तक चलने वाली सबसे भीषण सर्दी का समय है और इसका उद्देश्य बर्फ से ढके उन इलाकों में सुरक्षा उपस्थिति बढ़ाना है जिनका इस्तेमाल आतंकवादी घुसपैठ करने या छिपने के लिए करते रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि हाल के दिनों में सेना की इकाइयां अधिक ऊंचाई वाली पर्वत श्रृंखलाओं पर आक्रामक गश्त कर रही हैं ताकि क्षेत्र में सक्रिय सशस्त्र समूहों को आश्रय न मिल सके। आधुनिक निगरानी तकनीक से लैस विशेष शीतकालीन उपकरणों से लैस अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

रांची में सोमवार से शुरू होगा श्रीवैकुण्ठ एकादशी महोत्सव

रांची,राजधानी रांची के रातू रोड स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में सोमवार से श्रीवैकुण्ठ एकादशी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और बैकुंठ द्वार को सजा-धजा कर तैयार कर दिया गया है।

यह महोत्सव 01 जनवरी तक चलेगा। धनुर्मास झ श्रीगोदा रंगनाथ व्रत के बीच आयोजित श्रीवैकुण्ठोत्सव में सहस्त्रनाम अर्चना अनुष्ठान चार दिनों तक चार-चार पालियों में संपन्न होगा। इस अनुष्ठान में सैकड़ों की संख्या में यजमान भाग लेंगे। अनुष्ठान को लेकर रविवार को जगदगुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्यजी महाराज वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रीगोदांबा देवी की आराधना के बाद भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि भक्तों के अभीष्ट फलदाता भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर अर्चना प्रिय हैं। श्रीस्वामी जी ने बताया कि अष्टोत्तर पुष्प अर्चना में भगवान के 108 नाम लेकर पुष्प और तुलसीदल अर्पित किए जाते हैं, जिससे भगवान सहज ही प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि जब सहस्त्रनाम अर्चना के माध्यम से भगवान के 1008 नाम और 1008 बार पुष्प अर्पित किए जाते हैं, तो भगवान की प्रसन्नता प्राप्त होती है। उन्होंने यह भी बताया कि विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ और सहस्त्रनाम अर्चना भगवान की सर्वोत्तम पूजन विधि मानी जाती है। श्रीस्वामी जी ने आगे कहा कि धनुर्मास के महीने में श्रीगोदांबा देवी भक्तों को यह बताती हैं कि भगवान की भक्ति किस तरह की जानी चाहिए, शरणागति का महत्व और भगवान को प्राप्त करने के लिए उत्कट इच्छा का होना आवश्यक है

एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की बैठक में कर्मचारियों और पेंशनधारियों की समस्याओं पर चर्चा

रांची, एचईसी सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक रविवार को सोसाइटी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंगल शर्मा ने की। बैठक में एचईसी क्षेत्र से जुड़े कर्मचारियों और पेंशनधारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। सोसाइटी के संस्थापक सदस्य लालदेव सिंह ने कहा कि एचईसी के स्थायी कर्मचारियों और ठेका मजदूरों को पिछले 29 माह से वेतन नहीं मिला है। नए साल के आगमन में कुछ ही दिन शेष हैं, फिर भी वेतन भुगतान को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, जिससे हजारों परिवार मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इसी पीड़ा को देखते हुए सोसाइटी ने इस वर्ष नववर्ष का उत्सव नहीं मनाने का निर्णय लिया है। बैठक में सरकार से यह मांग की गई कि एचईसी क्षेत्र की विशाल आबादी को ध्यान में रखते हुए यहां एक सरकारी अस्पताल खोला जाए। इसके साथ ही ईपीएफ-95 के तहत पेंशन बढ़ोतरी के लिए चल रहे देशव्यापी आंदोलन का समर्थन करते हुए पेंशन में वृद्धि की मांग की गई। इसके अलावा एचईसी क्वार्टरों की सीवरेज लाइन की नियमित सफाई की जिम्मेदारी प्रबंधन की ओर से निभाने की भी मांग उठाई गई। बैठक में पारसनाथ प्रसाद, अशोक सिंह, चंद्रशेखर कुमार, नागेंद्र कुमार, रमेश्वर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रांची के पुंदाग स्थित श्री मंगल राधाझकृष्ण मंदिर में 245वां अन्नपूर्णा सेवा भंडारा आयोजित

रांची, प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित श्री मंगल राधाझकृष्ण मंदिर में रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ 245वां अन्नपूर्णा सेवा भंडारा आयोजित किया गया। यह महाप्रसाद एक श्रीकृष्ण प्रेमी दानदाता के सौजन्य से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर श्री राधाझकृष्ण जी का भव्य एवं दिव्य श्रृंगार किया गया। दोपहर में मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने विधिवत रूप से भगवान को भोग अर्पित किया। महाप्रसाद में मसालेदार पुलाव, पूड़ी, आलू-चना की सब्जी, केसरयुक्त खीर एवं आलू चिप्स शामिल थे, जिसे मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच श्रद्धापूर्वक वितरित किया गया। भंडारे के उपरांत आयोजित भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने श्री राधाझकृष्ण एवं श्री श्याम प्रभु पर आधारित सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों से श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे और पूरा वातावरण जयकारों से कृष्णमय हो गया। इसके पश्चात सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि भंडारे में भारी भीड़ उमड़ी और हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर महाप्रसाद ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू , झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विधायकराजेश कच्छप ने औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने पेसा नियमावली को राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति दिए जाने के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। साथ ही नववर्ष- 2026 के आगमन की एक- दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

झारखंड में शीतलहर का असर, कांके सबसे ठंडा, न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस

रांची,

झारखंड में जारी शीतलहर के बीच रविवार को राजधानी रांची से सटे कांके को राज्य का सबसे ठंडा क्षेत्र रिकॉर्ड किया गया। कांके में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे कम तापमान है। इसकी जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने दी।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि राज्यभर में शीतलहर के प्रभाव के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है और सुबह व रात के समय ठंड का असर अधिक महसूस किया जा रहा है। हालांकि, राहत की संभावना जताते हुए उन्होंने कहा कि मंगलवार से राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है, जिससे ठंड की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है। पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे अधिक अधिकतम तापमान चाईबासा में 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान कांके में 2.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 22.2 डिग्री और न्यूनतम 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 24.3 डिग्री और न्यूनतम 10.5 डिग्री, डालटेनगंज में 24.8 और 6.1 डिग्री, बोकारो में 20.5 और 6.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से ठंड को देखते हुए सतर्क रहने, गर्म कपड़ों का उपयोग करने और विशेष रूप से बुजुर्गों व बच्चों का ध्यान रखने की अपील की है।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर झारखंड में भव्य आयोजन, वरिष्ठ नेताओं को किया गया सम्मान

रांची,

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, रांची में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रभारी के. राजू की उपस्थिति में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पार्टी का झंडा फहराया और स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर झारखंड में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वरिष्ठ नेताओं अमानत अली, अनादि ब्रह्म, रोशन लाल भाटिया, कामता उपाध्याय, गुलफाम मुजीबी और देवराज खत्री को के. राजू और केशव महतो कमलेश द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान झारखंड प्रदेश कांग्रेस शिक्षा प्रकोष्ठ के श्याम नारायण सिंह द्वारा नए कलेवर में प्रकाशित ह्यकांग्रेस संदेशह्न पत्रिका का विमोचन किया गया। वहीं, झारखंड में पेसा कानून लागू होने की खुशी में ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक नृत्य-गान के साथ पेसा उत्सव भी मनाया गया। समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि कांग्रेस का स्थापना दिवस देश के इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है। झारखंड में इस अवसर को व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य की 4500 ग्राम पंचायतों और 1100 नगर निकायों में प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता के घर पर कांग्रेस का झंडा लगाया गया है तथा ग्राम पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

के. राजू ने कहा कि आज देश में कांग्रेस की नीतियों, सिद्धांतों और कार्यशैली के बारे में जनता को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि भाजपा देश के मूल लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करना चाहती है। उन्होंने घोषणा की कि मनरेगा कानून में बदलाव के विरोध में कांग्रेस 05 जनवरी से आगामी चुनाव तक निरंतर आंदोलन करेगी। इसके तहत झारखंड में एक बड़ी रैली आयोजित की जाएगी और कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक गांव में जाकर मनरेगा श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि स्थापना दिवस कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास, त्याग और बलिदान को याद करने का दिन है। उन्होंने कहा कि 1885 में बोया गया कांग्रेस का बीज आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। कांग्रेस ने देश को स्वतंत्रता दिलाने से लेकर आधुनिक, समावेशी और प्रगतिशील भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करते रहने के कारण ही कांग्रेस जनता के निकट बनी हुई है। आज कांग्रेस की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है और जनता की समस्याओं के लिए संघर्ष कर समाधान निकालना ही

तीन दिवसीय 5वें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का रविवार को हुआ सफल समापन, विकास एजेंडे पर झारखंड की मजबूत प्रस्तुति

झारखंड के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार ने साझा किए राज्य व देश के विकास से जुड़े तथ्य

नई दिल्ली/रांचीः- नई दिल्ली में (26 से 28 दिसंबर) तक आयोजित तीन दिवसीय मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। सम्मेलन का आयोजन ह्यविकसित भारत के लिए मानव पूंजीह्न की थीम पर किया गया, जिसका उद्देश्य भारत की जनसंख्या को कुशल, उत्पादक और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के रूप में विकसित करना रहा।

सम्मेलन की प्रमुख उपलब्धि ह्यटीम इंडियाह्न की भावना के तहत केंद्र और राज्यों के बीच खुले संवाद और संरचित सहयोग को सशक्त बनाना रहा। ह्यविकसित भारतह्न के लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्रझराज्य साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। मानव पूंजी विकास पर केंद्रित इस सम्मेलन में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियों पर विचार-विमर्श हुआ। ह्यविकसित भारतह्न की थीम के तहत जनसंख्या को जनसांख्यिकीय लाभांश के बजाय सशक्त मानव पूंजी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। चचाओं का फोकस कौशल, उत्पादकता, नवाचार और रोजगार क्षमता बढ़ाने वाले तंत्रों पर रहा, ताकि समावेशी, सतत और भविष्य-उन्मुख जन-केंद्रित विकास को बढ़ावा मिल सके। सम्मेलन के दौरान शासन सुधार, प्रशासनिक दक्षता और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर भी गहन मंथन किया गया। झारखंड सरकार की ओर से मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार,अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के सचिव श्री कृपानंद झा, योजना एवं विकास विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार तथा विशेष सचिव श्री राजीव रंजन सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने सहभागिता की । सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों, वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह सम्मेलन देश की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम, समन्वित और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

निकाय चुनाव को लेकर भाजपा का हल्ला बोल, 5 से 7 जनवरी तक प्रदेशभर में धरना प्रदर्शन

प्रदेश बीजेपी की बैठक में राज्य के लंबित नगर निकाय चुनावों पर विस्तृत चर्चा की गई.

रांची, संवाददाता

झारखंड भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह सांसद आदित्य साहू, सांसद दीपक प्रकाश, उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, भानु प्रताप शाही, महामंत्री सह सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा, महामंत्री मनोज कुमार सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, विधायक राज सिन्हा, पूर्व विधायक अनंत ओझा, वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र सिंह और अभय सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राज्य के लंबित नगर निकाय चुनावों पर विस्तृत चर्चा की गई.

निकाय चुनाव कराए बिना सरकार चलाना चाहती है हेमंत सरकार

इस बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार की निकाय चुनाव कराने की कोई मंशा नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार चुनाव टालने के लिए लगातार बहाने बना रही है, जिससे जनता की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य के 49 नगर निकायों जिनमें 22 नगर पंचायत, 18 नगर परिषद और 9 नगर निगम शामिल हैं में जल्द से जल्द चुनाव कराया जाना चाहिए. उन्होंने यह भी मांग की कि चुनाव दलीय आधार पर और ईवीएम से कराए जाएं. उन्होंने कहा कि आज का भारत डिजिटल भारत है. जब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक ईवीएम से चुने जाते हैं तो निकाय चुनावों में इससे परहेज क्यों?. बाबूलाल मरांडी ने घोषणा की कि भाजपा 5, 6 और 7 जनवरी को सभी नगर निकाय क्षेत्रों में धरना-प्रदर्शन करेगी और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेगी.

जी राम जी योजना पर कांग्रेस पर बरसे आदित्य साहू

इस बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद आदित्य साहू ने कांग्रेस पार्टी पर ह्यजी राम जी योजनाह्न का विरोध करने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 वर्षों में हजारों योजनाओं के नाम बदले, एक परिवार को आगे बढ़ाया, लेकिन अब राम के नाम पर उसे आपत्ति होती है. आदित्य साहू ने कहा कि यह योजना गांवों को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. इसमें जियो-टैग होने के कारण योजनाओं की पारदर्शी मॉनिटरिंग और हर छह माह पर ऑडिट का प्रावधान किया गया है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस बताए, अगर मजदूरों के लिए रोजगार दिवस 100 से 125 दिन करना गलत है तो क्यों? क्या योजनाओं में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-नियंत्रण उनसे खटक रहा है?. आदित्य साहू ने घोषणा की कि भाजपा कार्यकर्ता जी राम जी योजना के समर्थन में राज्यव्यापी अभियान चलाएंगे और लोगों को इसकी विशेषताओं की जानकारी देंगे.

अनाधिकृत निर्माण और अवैध व्यवसाय पर नगर निगम सख्त, कई भवनों की जांच-नोटिस जारी

रांची, संवाददाता

शहर में अनाधिकृत निर्माण, अतिक्रमण और बिना वैधानिक अनुमति संचालित व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ रांची नगर निगम ने सख्ती तेज कर दी है. प्रशासक के निर्देश पर नगर निगम क्षेत्र में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में रविवार को वार्ड संख्याझ01 के कांके रोड, जवाहर नगर और मिशन गली क्षेत्र में तीन भवनों का भौतिक निरीक्षण किया गया, जहां नियमों के उल्लंघन के गंभीर मामले सामने आए. निगम ने कहा कि बिना नक्शा पारित कराए किसी भी प्रकार का भवन निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है. इसके साथ ही रेजिडेंशियल होल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन भी नियमों के विरुद्ध है. इसके बावजूद कई स्थानों पर नियमों को दरकिनार कर निर्माण और व्यवसाय संचालित किए जा रहे हैं, जिस पर अब नगर निगम ने कड़ा रुख अपनाया है.

कांग्रेस स्थापना दिवस पर पेसा उत्सव, नियमावली लागू होने पर आदिवासी स्वशासन का जश्न

छऊ नृत्य और मांदर की थाप के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का भव्य जुलूस

- पेसा नियमावली लागू करना ऐतिहासिक फैसला, ग्रामसभा को मिले वास्तविक अधिकार : कांग्रेस
- मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, कांग्रेस प्रभारी के .राजू व मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह को कांग्रेस नेताओं ने दिया धन्यवाद

संवाददाता । रांची

रांची। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड में पेसा नियमावली लागू होने के बाद पेसा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ. राजेश गुप्ता के सौजन्य से गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ।

रांची विश्वविद्यालय परिसर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक छऊ नृत्य, मांदर की थाप और जनजातीय गीत-संगीत के साथ झूमते-गाते जुलूस निकाला, जो कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचा। जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेसा कानून की नियमावली लागू होने पर खुशी जताई और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन,प्रभारी के.राजू एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह के प्रति आभार प्रकट किया।कांग्रेस भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मांदर की थाप पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह भी उत्सव में झूमते नजर आए। इस अवसर पर कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ. राजेश गुप्ता ने के. राजू, दीपिका पाण्डेय सिंह एवं केशव महतो कमलेश को 51 किलो की माला पहनाकर कांग्रेस पार्टी की ओर से धन्यवाद एवं सम्मान व्यक्त किया।मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने कहा कि पेसा कानून की नियमावली लागू होना आदिवासी एवं ग्रामसभा आधारित लोकतंत्र की बड़ी जीत है। इससे ग्रामसभाओं को वास्तविक अधिकार मिलेगा और जल, जंगल, जमीन की रक्षा मजबूत होगी। यह निर्णय कांग्रेस पार्टी की वर्षों पुरानी प्रतिबद्धता का परिणाम है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड की जनता, विशेषकर आदिवासी समाज, लंबे समय से पेसा नियमावली की प्रतीक्षा कर रहा था। गठबंधन सरकार ने इसे लागू कर यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस गरीब, आदिवासी और वंचित समाज के अधिकारों के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती है और उसे जमीन पर उतारती भी है।ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने कहा कि पेसा नियमावली लागू होने से ग्रामसभाओं को निर्णय लेने की ताकत मिलेगी और विकास अब गांव की सहमति से होगा। यह कानून केवल अधिसूचना नहीं, बल्कि आदिवासी स्वशासन और सामाजिक न्याय की मजबूत नींव है।

वही दीपिका पाण्डेय सिंह ने अपने बयान में कांग्रेस नेताओं को सम्मान देने के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेसा उत्सव के अवसर पर मिले स्नेह और सम्मान के लिए वह प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश महासचिव आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ. राजेश गुप्ता सहित सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद करती हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें जनजातीय समाज और ग्रामसभाओं के अधिकारों के लिए और अधिक जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

इस मौके पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि पेसा उत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, स्वशासन और संवैधानिक अधिकारों का उत्सव है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा आदिवासी समाज के हितों को प्राथमिकता दी है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ी रहेगी।

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत का 6वां राष्ट्रीय सम्मेलन 8 फरवरी को-जहीरूद्दीन खान

संवाददाता ।

धनबाद। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत, झारखंड प्रदेश का छठा राष्ट्रीय सम्मेलन सर्वसम्मति से आगामी 8 फरवरी 2026 (रविवार) को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह सम्मेलन बैंकमोड़ स्थित न्यू मार्केट, चेंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में संपन्न होगा। सम्मेलन के दौरान पत्रकार संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।जिसका विषय ह्यवर्तमान पत्रकारिता और चुनौतियांह्व निर्धारित किया गया है।सम्मेलन के अवसर पर तीन पत्रकारों को सम्मानित किए जाने की परंपरा की शुरूआत राष्ट्रीय अध्यक्ष के कर-कमलों द्वारा की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता गिरिडीह जिले के डुमरी विधानसभा क्षेत्र से आए दैनिक अखबार ह्यपारसनाथ एक्सप्रेसह्व के संपादक एवं डायरेक्टर मौलाना मोबीन रिजवी ने की, जबकि बैठक का संचालन प्रदेश अध्यक्ष जहीरूद्दीन खान ने किया। बैठक में धनबाद जिला अध्यक्ष शिव शंकर यादव ने सम्मेलन की रूपरेखा को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए सभी सदस्यों से मिल-जुलकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जगदीश सिंह जी के नाम के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके साथ ही सम्मेलन की तैयारियों को लेकर धनबाद जिला अध्यक्ष शिव शंकर यादव केनेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया। यह समिति धनबाद सांसद एवं विधायकों के साथ-साथ उपायुक्त तथा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर उनकी सहमति एवं सहयोग प्राप्त करेगी।बैठक में संघ के बड़ी संख्यामें सदस्यों ने उपस्थित होकर अपनेअ पने विचार रखे और सम्मेलन कोऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्य रूप से सर्वश्री मौलाना मोबीन रिजवी , झारखंडप्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद जहीरूद्दीन खान, वरीय उपाध्यक्ष झारखंड प्रदेश इम्तियाज अहमद , उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह, धनबाद जिला अध्यक्ष शिव शंकर यादव, धनबाद जिला प्रभारी महेंद्र सिंह राजपाल , मोहम्मद खुर्शीद आलम , नौशाद आलम , मोहम्मद शाहिद , शेख असलम अधिवक्ता , अभिषेक श्रीवास्तव , ललन कुमार मालाकार , उज्जवल कुमार बोस , जमालुद्दीन अंसारी , शिशिर कुमार मिश्रा सुनील कुमार सिंह , निरंजन कृष्णा , त्रिदीप बनर्जी , योगेंद्र कुमार , मनोज कुमार श्रीवास्तव , सुभाष कुमार , हरिश्चंद्र भारती , के एम साजिद उर्फ कपिल , मोहम्मद तबरेज अंसारी , आशीष कुमार , विनोद कुमार पांडे , सुमित कुमार वर्मा , मनोज कुमार , सुनील कुमार रवानी , रवि कुमार , अभिषेक श्रीवास्तव, चंदू ठाकुर के अलावा काफी संख्या में संघ के पदाधिकारी व प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों ने भाग लिया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से टेम्पो पलटा, चालक की मौके पर ही मौत

संवाददाता ।

गिरिडीह । बेंगाबाद-चतरो मुख्य मार्ग पर बामीटांड़ के सोनहगढ़हवा के पास शनिवार देर शाम हुए सड़क हादसेमें 35 वर्षीय टेम्पो चालक मंटु कुमारवर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान नवडीहा ओपी क्षेत्र अंतर्गतसियाटांड़ निवासी मंटु कुमार वर्मा (पिता–किशुन महतो) के रूप में कीगई है। घटना के बाद से परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है।मिली जानकारी केअनुसार, मंटु कुमार गिरिडीह से अपने टेम्पो से लौट रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उनके टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टेम्पो अनियंत्रितहोकर पलट गया। इस दौरान मंटु कुमार वाहन के नीचे दब गए और सिर में गंभीरचोट लगने से घटनास्थल पर ही उनकीमृत्यु हो गई। घटना की सूचना परआसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। वहीं सियाटांड़ पंचायतके मुखिया महेंद्र कुमार वर्मा, सचिन वर्मा, दीनदयाल वर्मा, राजेंद्र वर्मा, नवडीहा मंडल अध्यक्ष सुधीर वर्मा सहित अन्य ग्रामीणों ने पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। बताया जाता है कि मंटु कुमार पेशे से टेम्पो चालक थे और इसी से अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी ने कंबल वितरण अभियान शुरू किया

संवाददाता । रांची

रांची।मरकजी जमीअतुल मोमिनीन हिंदपीढ़ी रँची ने कंबल वितरण अभियान मरकजी कार्यालय बक्सा कारखाना गली साउथ स्ट्रीट हिंदपीढ़ी से शुरू किया ' कंबल पाकर जरूरतमंदों ने खुशी का इजहार किया।ठंड केमद्देनजर कंबल वितरण अभियान कार्यक्रम जारी रहेगा।इस मौकेपर जमीअतुल मोमिनीन 84 झारखंड के अध्यक्ष हाजी मजहर ,उपाध्यक्ष जनाब जबीउल्लाह, सचिव फिरोज अंसारी, सरपरस्त सदस्य शकील अंसारी, मुजम्मिल अंसारी, अली साहब, कडरूमोमिन पंचायतकेजनाबहसन अंसारी और आबिद अंसारी साहब , मरकजी उपाध्यक्ष जनाब फिरोज अंसारी,नकीब अंसारी , सचिव आजाद अंसारी , सदस्य हसीबुर्रहमान, राशिद आलम, शब्बीर आलम, अनवरहुसैन(अन्नू), हसनैन, आदि शामिल थे।कार्यक्रम को कामयाब बनाने में अतिकूर्रहमान, महासचिव इंजीनियर अकील अख्तर और उनकी टीम नकीब अंसारी, फिरोज अंसारी, राशिद अहमद, शब्बीर आलम,फिरोज आलम, हसन अंसारी, राशिद आदि अहम भूमिका निभाई।

एसपी ने साइबर क्राइम वेब सीरीज का किया विमोचन

संवाददाता । रांची

मेदिनीनगर। पलामू की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने डाल्टनगंज स्थित अपने सरकारी आवास पर यंग स्टार ग्रुप द्वारा निर्मित वेब सीरीज साइबर क्राइम का विधिवत विमोचन किया। यह वेब सीरीज तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बनाई गई है।विमोचन कार्यक्रम के दौरान वेब सीरीज के निर्देशक एवं यंग स्टार ग्रुप के अध्यक्ष सुमित बर्मन ने बताया कि वर्तमान समय में जिस तरह से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, उसमें आम लोग लगातार ठगी और ब्लैकमेलिंग जैसी घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। इन्हीं वास्तविक घटनाओं को आधार बनाकर साइबर क्राइम वेब सीरीज का निर्माण किया गया है।उन्होंने कहा कि यह चार एपिसोड की वेब सीरीज है, जिसका पहला एपिसोड यंग स्टार ग्रुपके यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है, जबकि शेष एपिसोड जनवरी माह में क्रमबद्ध तरीके से रिलीज किए जाएंगे। इस वेब सीरीज में यह दिखाया गया है कि साइबर अपराध कैसे होते हैं, उनसे कैसे बचा जा सकता है और ऐसे मामलों में समाजसेवी एवंप्रशासनिक स्तर पर किस प्रकार लोगों की सहायता की जाती है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने कहा कि साइबर क्राइम वेब सीरीज मनोरंजन के साथ-साथ समाज के लिए एक महत्वपूर्ण जागरूकता संदेश देती है।उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस तरह की वेब सीरीज से हर वर्ग के लोग जुड़ सकते हैं और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क होकर स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं।कार्यक्रम में साइबर क्राइम वेब सीरीज के कलाकार अविनाश तिवारी, नागपुरी फिल्म निर्देशक बिलाल गुरु सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।इस वेब सीरीज में स्थानीय कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पहले एपिसोड में काजल राज, अविनाश तिवारी, मनीष कुमार, आलोक वर्मा, मृत्युंजय कुमार, ताज अली एवं बादल विश्वकर्मा ने अभिनय किया है।वेब सीरीज का संगीत कोलकाता और दिल्ली के संगीतकारों द्वारा तैयार किया गया है, जिसमें श्रेयसी चक्रवर्ती एवं अंकित पांडे की आवाज ।

नियम उल्लंघन पर सख़्तीः अनाधिकृत निर्माण व अवैध व्यवसाय पर रांची नगर निगम की कार्रवाई

संवाददाता

रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत बिना नक्शा पारित कराए किसी भी प्रकार का भवन अथवा अन्य निर्माण कार्य किया जाना प्रतिबंधित है। साथ ही रेजिडेंशियल होल्डिंग में कमर्शियल गतिविधियों का संचालन नियमों के विरुद्ध है। प्रशासक महोदय के निदेर्शानुसार रांची नगर निगम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सतत निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।??इसी क्रम में रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड संख्याझ01, कांके रोड, जवाहर नगर, मिशन गली क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण, अतिक्रमण एवं बिना वैधानिक दस्तावेजों के संचालित व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर तीन भवनों का भौतिक निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान प्रथम दृष्टया निम्न तथ्य सामने आए– *प्रथम भवन में द्वारा व्यवसाय का संचालन किया जा रहा था, परंतु स्वीकृत भवन प्लान उपलब्ध नहीं पाया गया।*द्वितीय भवन में श्रीमती हीरा मानी देवी द्वारा मार्ग पर अतिक्रमण कर निर्माण किया जाना पाया गया। साथ ही वैध नक्शा एवं अन्य आवश्यक वैधानिक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए गए।* तृतीय भवन, ह्लेक कैसल बिल्डिंगह्व में होटल का संचालन बिना किसी वैधानिक दस्तावेज के किया जा रहा था तथा स्वीकृत भवन प्लान की उपलब्धता नहीं पाई गई।?? जांच के दौरान यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि संबंधित भवनों में संचालित व्यावसायिक गतिविधियाँ कमर्शियल होल्डिंग, स्वीकृत भवन प्लान एवं वैध ट्रेड लाइसेंस के आधार पर संचालित हैं अथवा नहीं।?? इस संबंध में नगर निगम की टीम द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों/संस्थानों को नोटिस निर्गत करते हुए 24 घंटे के भीतर अपने-अपने सभी वैधानिक दस्तावेजों के साथ रांची नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। ?? दस्तावेजों की विस्तृत जांच के उपरांत यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है अथवा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जाते हैं, तो झारखण्ड नगरपालिका अधिनियमझ2011 एवं झारखण्ड भवन उपविधिझ2016 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत संबंधित भवनों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए सील की कार्रवाई की जाएगी।??रांची नगर निगम अवैध निर्माण, अतिक्रमण एवं अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति के तहत निरंतर कठोर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। शहर को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं कानूनसम्मत बनाए रखने हेतु यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

ब्रीफ न्यूज

सरिया एसडीएम के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाला मशाल जुलूस

संवाददाता ।

सरिया। सरिया में शनिवार शाम भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए हटिया मैदान सेथाना तक मशाल जुलूस निकाला। इस दौरान नारों और रोष प्रदर्शन से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।भाजपा नेताओंका आरोप है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर केशवारी चौक में प्रतिमा स्थापित करने पहुंचे कार्यकताओं के साथ एसडीएम ने अभद्र व्यवहार किया। साथ ही बिना किसी जनप्रतिनिधि या स्थानीय लोगों से सलाह किए वहां मौजूद चबूतरे को तोड़ दिया गया, जिसे असंवेदनशील कदम बताया गया।नेताओं ने कहा कि एसडीएम की कार्यशैली से जनता में आक्रोश है और यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो भाजपा 30 दिसंबर को लाठी मार्च निकालकर आंदोलन को और तेज करेगी। भाजपा पदाधिकारियों का यह भी कहना था कि एसडीएम क्षेत्र में भू-माफियाओं के साथ मिलकर जमीन लूट की साजिश में शामिल हैं, जो जनहित के विरुद्ध है।मशाल जुलूस में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारीऔर समर्थक शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में एसडीएम को हटाने की मांग कीऔर प्रशासन को आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर प्रखंडों में हुआ ध्वजारोहण

संवाददाता ।

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को रांची जिले के मांडर, चान्हो, बेड़ो और इटकी प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में ध्वजारोहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में राज्य की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मांडर प्रखंड के सरवा पंचायत, चान्हो के बेयासी पंचायत, बेड़ो के मुरतो पंचायत तथा इटकी के कुल्ली पंचायत में कांग्रेस का झंडा फहराया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद आयोजित सभाओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश की आत्मा है और उसकी विचारधारा लोगों की रग-रग में बहती है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में कांग्रेस के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करना तथा उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि आजादी के समय देश में बुनियादी ढांचे का अभाव था, लेकिन कांग्रेस की नीतियों और दूरदर्शी सोच के कारण आज देश में हवाई सेवाएं, स्कूल, आंगनबाड़ी, आईआईटी, आईआईएम और इसरो जैसी संस्थाएं स्थापित हो सकीं, जो आज भारत की पहचान बन चुकी हैं। उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा शुरू की गई योजनाओं के नाम बदलने की राजनीति की जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच रहा है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड में गठबंधन सरकार ने पेसा नियमावली लागू कर ग्रामीण स्वशासन को सशक्त किया है, जिससे गांवों को उनके अधिकार मिले हैं। कार्यक्रमों के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 ग्रामीणों ने करायी जांच

सवाददाता ।

रांची : झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के तत्वावधान में रविवार को लापुंग प्रखंड अंतर्गत सिरडी साईं ग्राम विकास केंद्र, सिरसा में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 150 ग्रामीणों की रक्तचाप, मधुमेह एवं नेत्र रोग की निःशुल्क जांच की गई और उन्हें प्राथमिक स्तर पर स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान स्वास्थ्य सेवा के साथ सामाजिक सहयोग का भी सराहनीय उदाहरण देखने को मिला। कान्हा टेंट एंड कैटरर्स के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, टोपी, मोजा, कॉपी, पेंसिल सहित अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया गया। इसके अलावा शिविर स्थल पर भंडारे की भी व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविरों के नियमित आयोजन की मांग की, ताकि दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन, रांची के अध्यक्ष संतोष सोनी का विशेष योगदान रहा। शिविर में बरियातू रिम्स रोड स्थित अंकित आई केयर के निदेशक ऑप्टोम अंकित कुमार, अनुपम कुमारी, मोइन अंसारी, ऑल इन वन डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक अमजद सहित कई गणमान्य

पुंदाग आईआईएम पुल के पास 33 केवी केबल में लगी आग, कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित

रांची : राजधानी रांची के पुंदाग स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) पुल के पास 33 केवी बिजली केबल में आग लगने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई है। घटना के बाद पुंदाग, पिस्का मोड़ सहित आसपास के कई क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति ठप हो गई। बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम मौके पर पहुंचकर आपूर्ति बहाल करने में जुटी हुई है। विभाग के अनुसार, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। दरअसल, पुंदाग आईआईएम पुल के पास 33 केवी केबल में आग लगने की आशंका पुल पर आग जलाने के बाद उसे नीचे फेंकने से जताई जा रही है।

हुसैनाबाद सब-जेल बाउंड्रीवाल पर करोड़ों खर्च, फिर भी जेल निर्माण का अधूरा

संवाददाता

हुसैनाबाद /पलामू : हुसैनाबाद में प्रस्तावित अनुमंडलीय कारागार (सब जेल) निर्माण का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्ष 2019 20 में सब जेल के लिए भूमि अधिग्रहण और बाउंड्रीवाल निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद आज तक यह परियोजना धरातल पर नहीं उतर सकी है। हाल ही में 08 दिसंबर 2025 को विधानसभा में तारांकित प्रश्न के माध्यम से यह मुद्दा फिर उठा, जहां सरकार ने भूमि संबंधी तकनीकी अड़चनों का हवाला देते हुए निर्माण को फिलहाल असंभव बताया। विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि वर्ष 2019 20

में कारागार निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहित की गई थी, परंतु बाद में तकनीकी कारणों से उसी भूमि पर निर्माण संभव नहीं हो सका। सरकारी जवाब में बताया गया कि झारखण्ड पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन लिमिटेड, रांची द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार चिह्नित स्थल की चहारदीवारी कई स्थानों पर कोण (एंगल) बनाती है, जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा प्रस्तावित भूमि के बीच से एक सड़क गुजर रही है, जिसे बंद या डायवर्ट किए बिना जेल निर्माण संभव नहीं बताया गया। इसी क्रम में केंद्रीय कारा, मेदिनीनगर के अधीक्षक ने मॉडर्न प्रिजन मैनुअल, 2016 का हवाला देते हुए कहा कि सुरक्षित एवं मानक अनुरूप कारागार निर्माण के लिए कम से कम एक एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी। इस बाबत उपायुक्त, पलामू से अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने और सड़क के डायवर्जन का अनुरोध किया गया है, जो अब तक लंबित है। सरकार का कहना है कि भूमि से जुड़ी समस्याओं के समाधान के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। सबसे अहम सवाल यह है कि जब कुड़वा कला मौजा की उक्त भूमि जेल मैनुअल और सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं थी, तो वर्ष 2020 में सब जेल की बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए एक करोड़ रुपये से अधिक का टेंडर कैसे जारी किया गया? उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, बाउंड्रीवाल निर्माण का प्राक्कलन लगभग 1.17 करोड़ रुपये (1,17,71,416 रुपये) का था। इस कार्य के लिए ई टेंडर निकाला गया और निर्माण कार्य शुरू भी हुआ, जिसमें करीब 50 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा होने की बात सामने आ रही है।

जनता का कहना है कि यदि वर्ष 2020 में भी यही सरकार सत्ता में थी और आज भी यही सरकार है, तो फिर इस गंभीर चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? क्या करोड़ों रुपये की सरकारी राशि बिना जवाबदेही के यूं ही खर्च कर दी जाएगी? हुसैनाबाद में कोषागार स्थापना का मुद्दा हो या सब जेल निर्माण का, दोनों ही परियोजनाएं वर्षों से लंबित हैं। बाउंड्रीवाल निर्माण पर करोड़ों खर्च होने के बावजूद जेल निर्माण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अब जनता की निगाहें सरकार पर टिकी हैं कि वह इस मामले में न केवल स्थिति स्पष्ट करे, बल्कि दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सरकारी धन के दुरुपयोग पर ठोस कार्रवाई भी करे।

पांकी में कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता

पांकी पलामू : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस पांकी प्रखंड मुख्यालय में पूरे हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजीव गांधी पंचायती राज मिशन के जिलाध्यक्ष मुकेश सिंह चंदेल के आवास पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने तथा राष्ट्रगान जन गण मन के सामूहिक गायन से हुई।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम प्रभारी मुकेश सिंह चंदेल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास देश की आजादी, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने

कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश को जोड़ने का कार्य किया है और आगे भी संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। प्रखंड अध्यक्ष अमिताभ शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा समाज को बांटने की राजनीति कर रही है, जबकि कांग्रेस प्रेम, भाईचारे और एकता की राजनीति में विश्वास रखती है। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद आलम ने भाजपा पर संविधान को कमजोर करने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ही संविधान की सच्ची रक्षक पार्टी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुकेश सिंह चंदेल, अमिताभ शर्मा, अनिल कुमार सिंह, अजय कुमार सिंह (मंडल अध्यक्ष), मोहम्मद आलम, दिलीप कुमार ठाकुर, मोहम्मद इतेफ अंसारी, विजय कुमार सिंह, कौलेश्वर राम (पूर्व जिला परिषद सदस्य), अभय कुमार वर्मा, सुभाष यादव, जंधु मियां, अकबर अंसारी, सिकंदर सिंह, अभय पांडे, गुलाबी भुइयां, प्रभु यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर दुर्गा दास ने फहराया पार्टी ध्वज

एचारकुंड : राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार,28 दिसंबर 2025 को कांग्रेस नेता एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव, पीसीसी डेलिगेट सह पूर्व जिला परिषद सदस्य दुर्गा दास ने अपने आवासीय कार्यालय में कांग्रेस का झंडा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए खुशी और गर्व व्यक्त किया। कांग्रेस के बाद दुर्गा दास ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने आजादी की लड़ाई से लेकर देश के विकास और लोकतंत्र को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 140 वर्षों की यह यात्रा त्याग, संघर्ष और जनसेवा की मिसाल है। कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और वंचित वर्गों की आवाज बनकर खड़ी रही है। ... पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। ... अवसर पर ... बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्री श्याम मंडल का 31 दिसंबर को भजन संध्या एवं 1 जनवरी को चतुर्थ निशान शोभा यात्रा

धनबाद : रविवार को 12:00 बजे श्री श्याम अपार्टमेंट, शास्त्री नगर (वेस्ट) झीलपाड़ा, धनबाद में एक प्रेस वार्ता आयोजित कर श्री श्याम मंडल के सदस्यों ने बताया कि आगामी दिनांक 31 दिसंबर 2025 दिन बुधवार को संध्या 6:00 बजे से बहुर्थ श्याम भजन संध्या एवं 1 जनवरी 2026 दिन गुरुवार को चतुर्थ निशान शोभा यात्रा का भव्य आयोजन श्री श्याम अपार्टमेंट, शास्त्री नगर (वेस्ट) झीलपाड़ा, धनबाद में किया जाएगा। साथ ही सदस्यों ने भक्तों से अनुरोध किया कि 31 दिसंबर को होने वाले कार्यक्रम में पधार कर भजन संध्या का आनंद लें एवं 1 जनवरी को चतुर्थ निशान शोभा यात्रा में शामिल हों।

शेख बिरादरी इसलाहिया केंद्रीय कमेटी की ओर से समाज के विकास के लिए शिक्षा पर जोर

बलियापुर : बलियापुर प्रखंड में शेख बिरादरी इसलाहिया केंद्रीय कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज के विकास के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। ... बैठक में झारखंड एवं बंगाल के कई गांव के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ... सदस्य ... आदि थे।

क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

बलियापुर : बलियापुर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन बलियापुर हाई स्कूल मैदान में किया गया। ... टूर्नामेंट का आज फाइनल खेला गया। ... ट्रॉफी और मैडल दिया। ... शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में हिंदू एकता मंच की आक्रोश रैली

एचारकुंड : बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार और हत्याओं के विरोध में हिंदू एकता मंच के तत्वावधान में रविवार को मैथन चौराहा कॉलेज से चौरंग अलिया तक एक विशाल आक्रोश रैली निकाली गई। ... बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी ... हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। ... भारत सरकार से ... रैली शांतिपूर्ण रही और अंत में प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को तत्काल बंद करने की सामूहिक मांग दोहराई।

जनआक्रोश और खबर चलने के बाद हुसैनाबाद के गांधी चौक से हटाई गई महात्मा गांधी की प्रतिमा

मूल स्वरूप से अलग गांधी प्रतिमा लगने से लोगों में आक्रोश था, मूल स्वरूप से मेल खाती प्रतिमा लगाने की मांग उठी थी लोगों ने

संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामू : जिला के हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक पर स्थापित महात्मा गांधी की नव निर्मित प्रतिमा को लेकर उठे जनआक्रोश के बाद नगर प्रशासन ने प्रतिमा को हटा दिया है। प्रतिमा को अनावरण को लेकर स्थानीय नागरिकों ने आपत्ति जताई जा रही थी, जिसके बाद यह मामला प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आया। मामले के तूल पकड़ने के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए गांधी चौक से प्रतिमा हटाने की कार्रवाई की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि महापुरुषों की प्रतिमा स्थापना से पूर्व उसकी गुणवत्ता और स्वरूप पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। लोगों ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में इस तरह के मामलों में प्रशासन पहले से अधिक सावधानी बरतेगा।

संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की निरंतर प्रहरी रही है कांग्रेस : बिमला कुमारी

संवाददाता

मेदिनीनगर : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज जिला कांग्रेस कार्यालय, मेदिनीनगर में गरिमामय वातावरण में झंडोत्तोलन एवं स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिमला कुमारी ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस प्रभारी विनय सिन्हा 'दीपू' की विशेष एवं गरिमामयी उपस्थिति रही।

झंडोत्तोलन के उपरांत आयोजित सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर संविधान निर्माण और सामाजिक न्याय तक भारत की

लोकतांत्रिक चेतना की वाहक रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की 140 वर्षों की यात्रा त्याग, संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण की ऐतिहासिक गाथा है। पार्टी ने सदैव गरीबों, किसानों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाई है और आगे भी संविधान, लोकतंत्र तथा सामाजिक समरसता की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी।

जिला प्रभारी विनय सिन्हा 'दीपू' ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस का इतिहास सत्ता की राजनीति का नहीं, बल्कि सेवा, बलिदान और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त करने का इतिहास है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और असहमति की आवाज को दबाने के प्रयास हो रहे हैं, तब कांग्रेस पार्टी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास, उसकी विचारधारा तथा स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान समय के संघर्षों में कांग्रेस के योगदान को स्मरण किया। साथ ही संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त करने तथा कांग्रेस की नीतियों और विचारों को आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का संकल्प लिया।

स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिमला कुमारी ने संगठन के प्रति दीर्घकालीन योगदान, संघर्ष और समर्पण के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सोमेश्वर प्रसाद, दीनानाथ तिवारी, सत्यानंद दुबे, कामेश्वर तिवारी, विनय चौबे, विनोद तिवारी, ओमप्रकाश अमन, चूड़ा तिवारी, सत्येंद्र सिंह, मिथिलेश सिंह, रामानंद पाठक, रुद्र शुक्ला, मनोज गुप्ता, गोपाल त्रिपाठी, राजेश चौरसिया, देवन दुबे, मुन्ना खान, गुलाम नबी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डोमगढ़ में धरना का आठवां दिन, कांग्रेस नेता अशोक सिंह एवं युवा लोजपा शैलेंद्र द्विवेदी ने दिया समर्थन

संवाददाता

सिंदरी : एफसीआई प्रबंधक के द्वारा डोमगढ़ क्षेत्र को पूरी तरह खाली करके सेल को देने की तैयारी कर ली है जिससे डोमगढ़ वासियों काफी आक्रोश में है धरना जारी है। डोमगढ़ बचाओ मोर्चा द्वारा जारी धरना प्रदर्शन का आठवां दिन जारी रहा। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता एवं वरिष्ठ नेता अशोक सिंह एवं युवा लोजपा प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र द्विवेदी धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया। अशोक सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि यह आंदोलन जनहित से जुड़ा हुआ है और कांग्रेस पार्टी जनता की जायज मांगों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि जब तक जनता को न्याय नहीं मिलता, तब तक शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक

आंदोलनों की आवश्यकता बनी रहेगी। धरना स्थल पर, शशि शेखर पाण्डे, दिलीप मिश्रा, धीरज सिंह, अनिल सिंह, टिंकू सिंह, रघुनंदन, अजय मजूमदार, बीरबल दुबे, अजय अग्रवाल, अरविंद, गणेश सिंह, गंगा देवी, संजू सिंह सहित कई लोग उपस्थित रहे। धरना में शामिल लोगों ने स्पष्ट कहा कि मांगों पर ठोस कार्रवाई होने तक आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से जारी रहेगा। अंत में आंदोलनकारियों ने लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीत का जश्न, विजेता ट्रॉफी बोकारो पहुंची

संवाददाता

बोकारो : बीसीसीआई द्वारा आयोजित सैयद मुश्ताक अली (टी 20) ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में झारखंड की टीम ने हरियाणा को 69 रनों से पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। इस शानदार उपलब्धि के बाद पूरे झारखंड में जश्न का माहौल है। युवा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने और क्रिकेट के माहौल को मजबूत करने के उद्देश्य से झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने विजेता ट्रॉफी को राज्य के सभी जिलों में भेजने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में रविवार को विजेता ट्रॉफी बोकारो पहुंची। कैंप 2 स्थित टाउन हॉल में आयोजित समारोह में जेएससीए जिला उपसमिति के अध्यक्ष सह बोकारो जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पीरन सिंह ने ट्रॉफी

बोकारो उपायुक्त के प्रतिनिधि एवं जिला खेल पदाधिकारी हेमलता भूत को सौंपी। कार्यक्रम का संचालन बीडीसीए के पूर्व संयुक्त सचिव राजेश्वर सिंह ने किया। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता भूत ने कहा कि यह ट्रॉफी बोकारो जिला और पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सह जेएससीए आजीवन सदस्य बिरंची नारायण ने कहा कि झारखंड में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है बेहतर प्रशिक्षण और हर जिले में क्रिकेट एकेडमी की। कार्यक्रम में कई खेलप्रेमी, पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अटल स्मृति दिवस सह सुशासन दिवस सम्मेलन की तैयारी को लेकर भाजपा धनबाद सदर मंडल की बैठक संपन्न

संवाददाता

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर अंतर्गत धनबाद विधानसभा के तत्वावधान में आगामी 30 दिसंबर को जगजीवन नगर मैदान में आयोजित होने वाले अटल स्मृति दिवस सह सुशासन दिवस सम्मेलन की तैयारी को लेकर आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह तैयारी बैठक सदर मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता की अध्यक्षता में झारखंड मैदान के समीप स्थित होटल प्रियांशी के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सम्मेलन की संपूर्ण रूपरेखा तय की गई तथा कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सदर मंडल अंतर्गत विनोद नगर, माडा कॉलोनी, हीरापुर

हटिया, जे.सी. मल्लिक रोड, प्रोफेसर कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। अधिक से अधिक लोगों तक सम्मेलन की जानकारी पहुंचाने और व्यापक प्रचार प्रसार करने पर विशेष जोर दिया गया।

सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन की सफलता सुनिश्चित करने हेतु विशेष रणनीति बनाई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजाराम दत्ता ने कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक सर्वमान्य नेता थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल में सुशासन की परिकल्पना को साकार किया। उन्होंने कहा कि सदर मंडल से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति सम्मेलन में सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से मंडल प्रतिनिधि निर्मल प्रधान, जितेंद्र मालाकार, अनुपम शरण, राजेश कुमार, पंकज श्रीवास्तव, कन्हैया लाल, सरवन झा, सोनू कुमार, गौरव कुमार, शिल्पी घोष एवं सुधीर कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वयंसेवक संघ की शाखा से होता है व्यक्तित्व का विकास : अरूण

संवाददाता

बेरमो। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा से व्यक्तित्व का निर्माण होता है। शाखा में किए जाने वाले सूर्य नमस्कार, समता, दंड योग आदि से स्वयंसेवकों का शारीरिक व बौद्धिक विकास होता है। इसमें सूर्यनमस्कार से आयु, बल प्रज्ञा व वीरता की वृद्धि होती है। दंड संचालन से भय नष्ट होता है। समता से सबको साथ लेकर चलने की भावना विकसित होती है। यह बात आरएसएस के क्षेत्र प्रचारक प्रमुख अरूण जी ने कही। वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बोकारो की ओर से चल रही आठ द्वितीय प्राथमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की रविवार को प्रमुख कार्यक्रम के अतिथि भोजन के दौरान बौद्धिक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएस समाज में समरसता लाने की प्रेरणा देता है। संघ प्राकृतिक आपदाओं में भी समाज की सेवा कंधे से कंधा मिलाकर करता है, फिर चाहे गुजरात का भूकंप हो या जम्मू कश्मीर की बाढ़ हो सभी आपदाओं में स्वयंसेवकों ने सहायता की है। साथ ही कहा कि हिन्दू परिवार की युवकों में मन भटकता कारणों से बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। इन्होंने पर्यावरण बचाव, धर्म रक्षा और हिन्दुत्व की रक्षा कैसे हो उस पर भी विस्तार पूर्वक अपनी बातें रखा। इस मौके पर स्वयंसेवक बंधुओं सहित विभिन्न राजनीतिक दल के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।।

पूर्णिया में कोल्ड-डे जैसे हालात, पारा 8 डिग्री गिरा :8वीं तक के स्कूल 30 दिसबर तक बंद

अगले 72 घंटे में ठिठुरन बढ़ेगी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में कड़ाके की ठंड जारी है। पारा 8 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। कोल्ड डे जैसे हालात है। बर्फीली पछिया हवा के कारण कनकनी का एहसास हो रहा है। लोग गर्म कपड़े से ढके होने के बावजूद ठिठुरते रहे। ठंड को देखते हुए जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 30 दिसंबर तक बंद कर दिया है। क्लास 8 तक की एजुकेशनल एक्टिविटी पर रोक रहेगी। शनिवार सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा। पूरे ही दिन धूप गायब रही। लोग घरों में दुबके रहे। हालांकि चाय की दुकानों पर लोगों की काफी भीड़ रही। बर्फीली पछुआ हवा के चलते लोग ठिठुरते रहे। रविवार को भी सुबह से ही कोहरा छाया रहा। 72 घंटे तक ठंड से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। कनकनी में जबरदस्त इजाफा मौसम वैज्ञानिक राकेश कुमार ने बताया कि जिले में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इसी वजह से तापमान का पारा तेजी से लुढ़का। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहा। जो शनिवार को 8 डिग्री सेल्सियस लुढ़ककर 15 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। 12 किमीप्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली पछिया हवा के कारण कनकनी में जबरदस्त इजाफा हुआ। आने वाले 3 जनवरी तक ऐसे ही हालात बने रहेंगे। सुबह में मध्यम रेंज का कुहासा रहेगा, सर्द और बढ़ेगी। कोल्ड डे का असर जनजीवन पर साफ दिखाई दिया। लोग घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं, जिससे सड़कों पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही कम हो गई है। ठंड से बचाव के लिए लोग अलाव का सहारा ले रहे हैं। 30 दिसंबर तक स्कूल बंद वहीं कड़ाके की ठंड को देखते हुए डीएम अंशुल कुमार ने लेटर जारी करते हुए छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को राहत दी है। जिले के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 30 दिसंबर तक के लिए क्लास 8 तक की एजुकेशनल एक्टिविटी पर रोक लगा दी है। इसमें प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र और कोचिंग क्लासेज भी शामिल हैं। क्लास 8 से ऊपर की एजुकेशनल एक्टिविटी के लिए सुबह 10 से 3.30 बजे का समय निर्धारित किया गया है। साथ ही प्री-बोर्ड, बोर्ड की परीक्षा के लिए चलाई जाने वाली स्पेशल क्लासेस को इससे दूर रखा गया है।

किशनगंज में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास :70 साल का आरोपी गिरफ्तार

वारंट के बाद पुलिस की कार्रवाई; न्यायिक हिरासत में भेजा गया

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज के धरमगंज इलाके में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने 70 वर्षीय आरोपी रामवृक्ष दास को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले ही कोर्ट से वारंट जारी किया जा चुका था और तब से वह फरार चल रहा था। शनिवार को आरोपी को सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। लालच देकर सुनसान जगह ले गया आरोपी पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी रामवृक्ष दास धरमगंज केला बागान, वार्ड नंबर 11 का निवासी है। आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके घर के पास से किसी बहाने बाहर बुलाया और लालच देकर एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। शोर मचाने पर आरोपी हुआ फरार घटना के दौरान जब नाबालिग ने शोर मचाना शुरू किया तो आरोपी घबरा गया और मौके से फरार हो गया। बच्ची किसी तरह वहां से जान बचाकर घर पहुंची और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। मासूम की आपबीती सुनते ही परिवार में हड़कंप मच गया। महिला थाना में दर्ज हुआ मामला घटना की गंभीरता को देखते हुए परिजन तुरंत महिला थाना पहुंचे। पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी थी। चूंकि आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था, इसलिए कोर्ट से उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कराया गया। इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया था। गुप्त सूचना पर दबिश, आरोपी गिरफ्तार पुलिस को हाल ही में सूचना मिली कि आरोपी धरमगंज इलाके में ही छिपकर रह रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जिले में महिलाओं की सुरक्षा पर फिर सवाल यह घटना किशनगंज जिले में महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। बीते कुछ महीनों में जिले में इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे आम लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे उदाहरण होने के बावजूद आरोपी का इस तरह का कृत्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। पुलिस का सख्त संदेश पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि नाबालिगों और महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है और आरोपियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील भी की है कि इस तरह की किसी भी घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी से लोगों को कुछ हद तक राहत जरूर मिली है।

मोतिहारी में 45 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

यूपी तक सप्लाई का खुलासा, विशेष वाहन जांच अभियान में नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नगर थाना क्षेत्र के अवधेश चौक के पास विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान की गई। दोनों आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले बताए जा रहे हैं और गांजा की खेप को यूपी तक पहुंचाने की तैयारी में थे। इस सफलता को पुलिस की सतर्कता और सटीक सूचना तंत्र का नतीजा माना जा रहा है। गुप्त सूचना पर शुरू हुई कार्रवाई मामले की जानकारी देते हुए सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि नगर थानाध्यक्ष राजीव रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि भारी मात्रा में गांजा की खेप नगर थाना क्षेत्र होकर गुजरने वाली है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस टीम का गठन किया गया और अवधेश चौक के पास सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया गया। जांच के दौरान हर आने-जाने वाले संदिग्ध वाहन पर विशेष नजर रखी जा रही थी। यूपी नंबर की कार से बरामद हुआ गांजा जांच अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश नंबर की एक अल्टो कार पुलिस को संदिग्ध नजर आई। पुलिस ने जब कार को रोककर तलाशी ली तो उसके अंदर छिपाकर रखा गया 45 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके बाद कार में सवार दोनों व्यक्तियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गांजा को इतनी चतुराई से छिपाया गया था कि पहली नजर में इसकी आशंका नहीं हो रही थी, लेकिन पुलिस की सतर्कता से तस्करों की चाल नाकाम हो गई। गिरफ्तार तस्करों से अहम खुलासे पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने स्वीकार किया कि वे गांजा की खेप को उत्तर प्रदेश तक पहुंचाने जा रहे थे। इसके एवज में उन्हें प्रति खेप 20 हजार रुपये मिलते थे। तस्करों ने यह भी बताया कि उन्हें यह गांजा किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सौंपा गया था, जो पूरे नेटवर्क को संचालित करता है। पुलिस अब इस अज्ञात मास्टरमाइंड की पहचान में जुट गई है। आरोपियों की पहचान और नेटवर्क की जांच गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी दिनेश सिंह और अयाज खान के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में मादक पदार्थ तस्करी के एक संगठित नेटवर्क के संकेत मिले हैं। यह नेटवर्क बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ हो सकता है। सुरक्षा और जांच के दृष्टिकोण से फिलहाल कुछ जानकारियों को गोपनीय रखा गया है, ताकि अन्य तस्करों को सतर्क होने का मौका न मिले।

बिहार में लापता महिला कृषि अधिकारी बख्तियारपुर में ही मिलीं, पुलिस करेगी पूछताछ

पटना, एजेंसी। बिहार में लापता कृषि अधिकारी अर्यमा दीप्ति बख्तियारपुर से मिली हैं। लापता होने के दौरान अर्यमा दीप्ति कहां थीं? अभी इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अब अर्यमा दीप्ति से जल्द ही पूछताछ कर सकती है। आपको बता दें कि अथमलगोला के कृषि विभाग में ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर (बीटीएम) के पद पर कार्यरत महिला अर्यमा दीप्ति शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गई थीं। वह कंकड़बाग के विजय नगर की रहने वाली है। 23 दिनों पहले उसकी शादी पटना के चार्टर्ड अकाउंटेंट शुभम कुमार से हुई है। इस मामले में शनिवार को पति शुभम कुमार ने बख्तियारपुर थाने में गुमशुदगी शिकायत दर्ज कराई थी। बताया जाता है कि अथमलगोला कार्यालय से शुक्रवार दोपहर बाद वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली, लेकिन वह अपने आवास पर नहीं पहुंची थी।

उन्होंने बख्तियारपुर जंक्शन के समीप कमरा ले रखा है। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब चार बजे जब वह ऑटो से बख्तियारपुर के लिए निकली थीं। उसी समय फोन पर भाई से महिला अधिकारी से बात हुई थी। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि उनके मोबाइल की बैट्री खत्म हो रही है, इसलिए

घर पहुंचकर बात करते हैं। इसके बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया था। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने काफी तलाश की। लेकिन कोई अता-पता नहीं चला था। अब बख्तियारपुर में ही अर्यमा दीप्ति मिली है।

पति ने ऑफिस छोड़ा पर अर्यमा दफ्तर गई ही नहीं- 26 दिसंबर की सुबह अर्यमा दीप्ति रोज की तरह तैयार होकर ड्यूटी पर जाने की तैयारी में थीं। पति शुभम ने उन्हें घर से ऑफिस के लिए छोड़ा। यह बात अब जांच का अहम हिस्सा बना। पति के मुताबिक, वो अर्यमा को लेकर सुबह घर से निकले और रास्ते में छोड़ दिया। उस वक्त किसी तरह की कोई बहस या बातचीत नहीं हुई। अर्यमा शांत थीं और रोज की तरह ड्यूटी की बात कर रही थीं। रास्ते में छोड़ने के बाद शुभम अपने काम पर चले गए, लेकिन ऑफिस के रिकॉर्ड और सहकर्मियों के बयान के मुताबिक, अर्यमा उस दिन ऑफिस पहुंची ही नहीं। न उन्होंने अटेंडेंस दर्ज कराई, न किसी मीटिंग या काम में शामिल हुईं।

दोपहर 2 बजे बात हुई, बोली- घर पर हूं- अर्यमा किराए का कमरा लेकर बख्तियारपुर में रहती थी। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे पति से बातचीत हुई थी। अर्यमा ने कहा था कि ऑफिस के काम से घर आई हूं। इसके बाद लगभग दो घंटे बाद उसके गायब होने की कहानी शुरू हुई। अर्यमा की करीब 4 बजे भाई से आखिरी बातचीत हुई। बातचीत छोटी थी, किसी खतरे का संकेत नहीं था। उसने भाई को भी कहा कि घर पर हूं, लेकिन उसके बाद उनका संपर्क टूट जाता है। कॉल नहीं लगती, मैसेज का जवाब नहीं मिलता। परिवार पहले इसे नेटवर्क या व्यस्तता मानता है, लेकिन समय बीतने के साथ चिंता बढ़ती है। किराए के कमरे के आसपास पूछताछ होती है। ऑफिस से जानकारी ली जाती है। कोई ठोस सुराग नहीं मिलता है। यहीं से मामला संदिग्ध हो जाता है।

शाम के बाद मोबाइल ट्रेस और लोकेशन बदला- शाम होते-होते पति गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। पुलिस सीडीआर खंगालती है। इसी दौरान एक अहम तथ्य सामने आता है लापता होने के बाद शनिवार सुबह के वक्त मोबाइल एक बार ऑन हुआ। सीडीआर और लोकेशन डेटा से पता चलता है कि शुक्रवार को अर्यमा की आखिरी लोकेशन उस्मानपुर (अथमलगोला) में थी। इसके बाद सुबह फतुहा की लोकेशन मिली है।

लोकेशन का बदलना संकेत देता है कि या तो अर्यमा मूवमेंट में थी या फोन किसी और के पास था। पुलिस अब इन रास्तों, संभावित पिक-अप पॉइंट्स और संपर्कों पर फोकस कर रही है, जो उस्मानपुर से फतुहा तक की कड़ी जोड़ते हैं। इसी कड़ी में एक कॉल नंबर सामने आया है, जिस पर आखिरी बातचीत हुई। पुलिस उसी नंबर से लोकेशन ट्रेस करने लगी। पुलिस के अनुसार ये आखिरी बातचीत किसी लड़के से हुई थी। संभवतः ये लड़का या तो अर्यमा से मिलने आया था या उसे रिसीव करने।

शादी से हनीमून और लौटने तक: 20 दिन का सफर- अर्यमा दीप्ति की शादी 4 दिसंबर को हुई थी। यह पूरी तरह अरेंज मैरिज थी। दोनों परिवारों की सहमति से शादी हुई थी। शादी पटना के बजाय बेगूसराय में हुई। शादी के बाद अर्यमा और उनके पति नेपाल हनीमून पर गए। परिवार के अनुसार, यह ट्रिप पूर्व-निर्धारित थी। दोनों कुछ दिन वहां रुके। फोटो और बातचीत से कोई तनाव सामने नहीं आया। 20 दिसंबर के आसपास वे नेपाल से लौटे। लौटते ही अर्यमा ने ड्यूटी जॉइन की। बख्तियारपुर में तैनाती संभाली। सहकर्मी बताते हैं कि वह काम पर फोकस्ड थीं। समय पर आती-जाती थीं। परिवार का कहना है कि शादी और हनीमून के बाद उनके व्यवहार में कोई असामान्य बदलाव नहीं दिखा। वह करियर को लेकर स्पष्ट थीं। यही वजह है कि 26 दिसंबर को अचानक लापता होना सबके लिए चौंकाने वाला है।

पढ़ाई और कथित अफेयर एंगल, भागलपुर से जुड़ रही कड़ी- अर्यमा दीप्ति ने भागलपुर स्थित बिहार एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (बीएयू) से पढ़ाई की है। पढ़ाई के दौरान उनकी पहचान कई सहपाठियों से हुई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उसी दौर में एक युवक से बातचीत की बात सामने आई है।

लास्ट लोकेशन फतुहा मिला, सीवान में मिली- जांच का सबसे अहम बिंदु फतुहा की लोकेशन थी। पुलिस के अनुसार, यहां से एक कॉल की पुष्टि हुई है। जांच के बाद पुलिस ने आर्यमा को छपरा से बरामद कर बख्तियारपुर थाने लाया गया है। पुलिस पूछताछ कर पूरे मामले का पता लगा रही है।

रूम हीटर तापते वक्त बड़ा हादसा, आग की चपेट में आने से बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलसे

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिले में जारी भीषण ठंड के बीच रूम हीटर तापते समय बड़ा हादसा हो गया। सकरा थाना क्षेत्र में हीटर में लगी आग से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। घटना सकरा थाना क्षेत्र के रजिस्ट्री गेट के पास फरीदपुर गांव की बताई जा रही है। घायल बुजुर्ग की पहचान 62 वर्षीय रामनाथ सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रामनाथ सिंह घर में अकेले रूम हीटर ताप रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके चीखने की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर लोगों ने देखा कि हीटर में आग लग गई है और आग की चपेट में आकर उनका बेड भी जल रहा है। घर में उस समय कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और हीटर को वहां से हटाया, लेकिन तब तक बुजुर्ग बुरी तरह झुलस चुके थे। इसके बाद घटना की सूचना सकरा थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग को पूरी तरह बुझाया। झुलसे हुए बुजुर्ग को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। फिलहाल मेडिकल कॉलेज में उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे और अस्पताल में डॉक्टरों से बुजुर्ग की स्थिति की जानकारी ली। पूरे मामले को लेकर अनुमंडल अग्निशमन अधिकारी रामनिवास पाण्डे ने बताया कि सूचना मिली थी कि रूम हीटर तापने के दौरान बुजुर्ग के शरीर में आग लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गए।

परिवार की जमीन हो तो हिस्सेदारों में बंटवारा अब एक आवेदन पर; जमाबंदी की नई व्यवस्था लागू

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने पारिवारिक भूमि बंटवारे की प्रक्रिया को सरल, आसान और विवाद-मुक्त बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। 27 दिसंबर से बंटवारा दाखिल-खारिज की नई व्यवस्था राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के बिहारभूमि पोर्टल पर लागू कर दी गई है। अब एक ही आवेदन के माध्यम से परिवार के सभी हिस्सेदारों के नाम उनके हिस्से की जमीन पर जमाबंदी आसानी से हो सकेगी। इस व्यवस्था की घोषणा उपमुख्यमंत्री और राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शनिवार को अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पूर्व की व्यवस्था में पारिवारिक बंटवारे के बाद प्रत्येक हिस्सेदार को अपने हिस्से की जमीन के लिए अलग-अलग दाखिल-खारिज कराना पड़ता था, जिससे आम लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि प्रधान सचिव सीके अनिल के नेतृत्व में विभागीय टीम ने अल्प समय में नई व्यवस्था विकसित की, जिसे अब बिहारभूमि पोर्टल की दाखिल-खारिज सेवा के

अंतर्गत लागू कर दिया गया है। इस नई प्रणाली से आम रैयतों को काफी सहूलियत मिलेगी।

उपमुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने पूर्वजों की भूमि का विधिवत बंटवारा कर डिजिटल माध्यम से अपने हिस्से की जमीन की जमाबंदी अपने नाम से अवश्य कराएं। उन्होंने विशेष रूप से उन लोगों से आग्रह किया, जिनके यहां मौखिक बंटवारे के आधार पर जमीन पर कब्जा और उपयोग हो रहा है, वे इस नई सुविधा का लाभ उठाकर अपने मौखिक बंटवारे को सरकारी दस्तावेजों में दर्ज कराएं। उन्होंने चेतावनी दी कि मौखिक बंटवारा भविष्य में पारिवारिक विवाद और सरकारी योजनाओं तथा सुविधाओं से वंचित होने का कारण बन सकता है।

विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत उत्तराधिकार-सह-बंटवारा की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके अंतर्गत पूर्वज की मृत्यु के बाद उनकी भूमि का बंटवारा करते हुए सभी उत्तराधिकारियों के नाम उनके हिस्से की जमीन पर एक साथ जमाबंदी की जा सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इसी वर्ष अगस्त-सितंबर में चलाए गए राजस्व महा- अभियान के दौरान 46 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 40 लाख से अधिक आवेदन बंटवारा और उत्तराधिकार नामांतरण से संबंधित थे। इन आवेदनों को 31 दिसंबर तक अपलोड कर दिया जाएगा और जनवरी से मार्च के बीच पुनः पंचायतों में शिविर लगाकर सभी आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि भूमि से संबंधित परेशानियों से जनता को राहत देने के उद्देश्य से भूमि सुधार जनकल्याण संवाद की शुरुआत की गई है। इस संवाद के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं को जिलों में जाकर समझा जाएगा और समय सीमा में उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल भूमि प्रशासन को पारदर्शी, सरल और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सौरभ द्विवेदी को रिमांड पर लेगी पुलिस:म्यूल खाते खोलने में पटना के बैंकर भी शामिल

साइबर फ्रॉडस्टर के साथ मिले है; कुछ खाते भी फ्रीज

पटना, एजेंसी। गर्दनीबाग इलाके में ग्लू लगाकर एटीएम फ्रॉड करने वाले गैंग के मास्टरमाइंड बेतिया नौतन के रहने वाले सौरभ द्विवेदी को रिमांड पर लेकर पटना पुलिस पूछताछ करेगी। अब तक पटना पुलिस इस गैंग के 13 शातिरों को अरेस्ट कर चुकी है। पुलिस की तफ्तीश के दौरान सौरभ और इसके सॉफ्टवेयर इंजीनियर दोस्त मुजफ्फरपुर के रहने वाले सत्यम का आपराधिक इतिहास पाया गया है। इन दोनों के खिलाफ पहले से साइबर थाने में केस दर्ज है। पुलिस इनके कुछ खाते को फ्रीज कर चुकी है।

गैंग में शामिल हैं बैंकर- इस गैंग में बैंक एजेंट के अलावा कुछ बैंकर भी हैं। जिनकी भूमिका म्यूल एकाउंट खोलने और खाते प्रोवाइड कराने में संदिग्ध पाई गई है। पकड़े गए राहुल नाम के शख्स के माध्यम से सौरभ द्विवेदी के संपर्क में कुछ बैंकर भी थे। जो अलग अलग बैंक से हैं। ये सभी सौरभ और इसके साथियों को कैसे खाते प्रोवाइड कराते थे या उसके बारे में बताते थे, जिसमें रुपए कम होते थे। बैंकर इन्हें डेटा उपलब्ध कराते थे। जिसके जरिए यह गैंग उस व्यक्ति से संपर्क कर के कुछ रुपए का प्रलोभन देता था और उनके पासबुक, एटीएम अपने कब्जे में ले लेता था। पुलिस फिलहाल इनकी निशानदेही पर इन बैंकर्स को ढूंढने में लगी है। पुलिस के मुताबिक दो तरीके से फ्रॉड किए जा रहे थे। इसमें गेमिंग ऐप और एटीएम फ्रॉड का मामला शामिल है। एटीएम मशीन में ग्लू लगाते थे। जिसके चलते एटीएम कार्ड फंस जाता था। ठीक उस व्यक्ति के पीछे गिरोह का एक सदस्य खड़ा रहता था। जो पिन देख लेता था। कार्ड फंसने के बाद वह शख्स परेशान हो जाता था। एक हेल्प के लिए नम्बर भी चिपका देते थे। जिससे वह शख्स संपर्क करने लगता था। इसी बीच उसके कार्ड से ट्रांजैक्शन कर लिए जाते थे। इसके अलावा गेमिंग ऐप के जरिए भी फ्रॉड किए जा रहे थे। क्रिप्टो करेंसी के जरिए भी इनके खाते में बड़े पैमाने पर ट्रांजैक्शन के साक्ष्य मिले हैं। तकरीबन 55 करोड़ का आंकड़ा सामने आया है। अमाउंट और भी अधिक हो सकता है। इसकी छानबीन हो रही है। अभी तक इस मामले में 13 लोग अरेस्ट किए गए हैं। जिसमें अधिकतर बैंक एजेंट हैं। इस पूरे नेटवर्क में बेतिया के नौतन के रहने वाले सौरभ द्विवेदी की भूमिका मास्टर माइंड के तौर पर सामने आई है। इस गिरोह में और भी लोग शामिल हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

पकड़े गए आरोपियों का नाम- मोहम्मद अमीर (26वर्ष), मोहम्मद आमिर 22 वर्ष, मोहम्मद नकार 27 वर्ष, मोहम्मद जाहिद अहसान 28 वर्ष, नवनीत कुमार उर्फ सौरभ (23वर्ष), सोनू कुमार 28 वर्ष, सुजीत कुमार 23 वर्ष, प्रभात रंजन कौतुक 28 वर्ष, मोहम्मद खुशान 25 वर्ष, विशाल कुमार 23 वर्ष, राहुल कुमार 27 वर्ष, सत्यम कुमार 23 वर्ष, सौरभ द्विवेदी शामिल है। बरामद किए गए सामान: अब तक इनके पास से 54 एटीएम कार्ड, 11 पासबुक, 23 मोबाइल सिम के साथ, 5 सिम, 5900 नगद रुपए, 2 चार चक्का गाड़ी, 28 चेकबुक, 2 ब्लैंक चेक, 1 पीस पासपोर्ट मिले हैं।

मगध महिला कॉलेज में छात्राओं के पर्सनल डिटेल्स खतरे में :वेबसाइट में खराबी

छात्राएं नहीं भर पा रही फॉर्म, साइबर कंप्लेन फाइल की जाएगी

पटना, एजेंसी। मगध महिला कॉलेज में छात्राओं की पर्सनल डिटेल्स अब खतरे में है। वेबसाइट खोलने पर कॉलेज की साइट की जगह फर्जी लिंक खुल रहा है। कॉलेज की वेबसाइट कई दिनों से हैक है। छात्राओं की ओर से रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरने के दौरान हैकर्स ने उनके डिटेल को हैक कर उनके नाम के आगे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है और न ही फॉर्म समय पर भरा पा रहा है। इससे छात्राएं काफी परेशान है।

ठीक नहीं होने पर साइबर कम्प्लेन फाइल की जाएगी- पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ की अध्यक्ष मैथिली मृणालिनी ने कहा कि वेबसाइट हैक होना छात्राओं की सुरक्षा से लेकर पूरे शैक्षणिक सिस्टम को प्रभावित कर रहा है। एजेंसी पर जो भी कार्यभार सौंपी जा रहा है, वह सफल नहीं हो पा रहा है। कोई ना कोई खामी रह जा रही है। कॉलेज में जब हमने इसकी शिकायत की, तो कहा गया कि इस पर काम हो रहा है। प्रिंसिपल का कहना है कि अगर यह समस्या ठीक नहीं होती है, तो फिर साइबर कम्प्लेन फाइल की जाएगी।

महिला कॉलेज में महिला का डेटा सेफ नहीं- उन्होंने आगे कहा कि यह एक बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह पटना विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रशासन के ऊपर खड़ा करता है कि महिला सेफ्टी और उनका डेटा एक महिला कॉलेज में होते हुए भी सेफ नहीं है। जब लड़कियां अपना फॉर्म भर रही है, तो उनके नाम के कॉलम में आपत्तिजनक शब्द आ रहे है। यह सब काफी निंदनीय है। हमारे राज्यपाल से मांग है कि जो एजेंसी की लापरवाही का सिलसिला पिछले कई महीनों से चलते आ रहा है, उसको रोका जाए और एक निर्णायक कदम उठाया जाए। जब तक यूनिवर्सिटी का खुद का सर्वर नहीं होगा, तब तक ऐसी समस्याएं होती रहेंगी और हम लोग दूसरों पर निर्भर रहेंगे। इस मामले को लेकर राज्यपाल के साथ बैठक प्रस्तावित है, जिसके लिए पत्र भी भेजा गया है।

बांका में लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा:देसी कट्टा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पूछताछ में अन्य साथियों का नाम भी बताया

बांका, एजेंसी। बांका टाउन थाना क्षेत्र में 25 दिसंबर की शाम हुई लूटपाट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से लूट में प्रयुक्त एक देशी कट्टा भी बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि इस वारदात में शामिल अन्य अपराधियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

मैनबरण के पास हुई थी लूट की वारदात- बताया जाता है कि 25 दिसंबर की शाम मैनबरण के समीप बाइक सवार अपराधियों ने एक युवक को निशाना बनाया था। अपराधियों ने युवक से 20 हजार रुपये नकद और एक मोबाइल फोन लूट लिया था। अचानक हुई इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। पीड़ित युवक ने किसी तरह अपने परिजनों को सूचना दी और बाद में टाउन थाना पहुंचकर घटना की लिखित

शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही हरकत में आई पुलिस- मामले की गंभीरता को देखते हुए बांका पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान शुरू किया। टाउन थानाध्यक्ष अरविंद राय के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूत्रों और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान शुरू की। लगातार दबिश के बाद पुलिस को एक आरोपी के बारे में ठोस जानकारी मिली।

दुधारी इलाके से आरोपी की गिरफ्तारी- छापेमारी के दौरान पुलिस ने पोखरिया निवासी बाल्मिकी कुमार को दुधारी इलाके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया, जिसका इस्तेमाल लूट की घटना में किया गया था। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही हिरासत में लेकर थाने लाया और पूछताछ शुरू की।

पूछताछ में हुए अहम खुलासे- पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने लूट की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसने यह भी बताया कि वह अकेला नहीं था, बल्कि उसके साथ अन्य साथी भी शामिल थे। आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस अब उसके सहयोगियों की पहचान कर रही है। संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

देसी कट्टा बरामद, आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज- थानाध्यक्ष अरविंद राय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लूट और अवैध हथियार रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बरामद देसी कट्टा को जब्त कर लिया गया है और उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है।

इलाके में बढ़ाई गई पुलिस गश्त- लूट की घटना के बाद से इलाके में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। खासकर शाम और रात के समय संवेदनशील इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और आम लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने जनता से की सहयोग की अपील- बांका पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। पुलिस का दावा है कि अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और लूट व आपराधिक घटनाओं में शामिल लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, पुलिस इस लूटकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। जल्द ही पूरे मामले का पूर्ण खुलासा किए जाने की बात कही जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी बिलों से 12.50 करोड़ की कर चोरी

लखनऊ, एजेंसी। फर्जी बिलों व बोगस कंपनियों से 12.50 करोड़ रुपये की कर चोरी के मामले में गुडंबा थाने में चार फर्मों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। राज्य कर कार्यालय उपायुक्त ब्रिजेंद्र सिंह यादव ने श्रीकांत इंटरप्राइजेज के मालिक श्रीकांत तानाजी के खिलाफ 8.70 करोड़ की कर चोरी का केस कराया है। केंद्रीय क्षेत्राधिकार में पंजीकृत फर्म ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में किसी भी फर्म से इनवर्ड सप्लाई नहीं प्राप्त की। इसके अलावा बोगस आईटीसी जनरेट की। ब्रिजेंद्र सिंह यादव ने टेक्किरुपा इंटरप्राइजेज के मालिक सिद्धांत सुनील पाटिल के खिलाफ 1.43 करोड़ की कर चोरी में प्राथमिकी कराई है। गणेश इंटर प्राइजेज के अजय कुमार भाटिया के खिलाफ 1.71 करोड़ रुपये की कर चोरी का केस दर्ज कराया गया।उधर, उपायुक्त राज्य कर खंड-15 भूपेंद्र कुमार सिंह ने प्रजापति इंटरप्राइजेज के चंद्रप्रकाश प्रजापति के खिलाफ 66 लाख रुपये की कर चोरी में मुकदमा दर्ज कराया। सीजीएसटी में पंजीकृत फर्म घोषित पते सत्यनारायण कॉलोनी, कल्याणपुर में नहीं पाई गई।

रंगदारी के विरोध पर दसवीं के छात्र को पीटा

लखनऊ, एजेंसी। रंगदारी देने से मना करने पर दसवीं के छात्र शुभ पांडेय को गाजीपुर थानाक्षेत्र के मुंशीपुलिया के पास रॉड से पीट दिया गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने नौ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।सर्वोदय नगर निवासी शुभ के अनुसार वह भूतनाथ स्थित सेंट डोमनिक स्कूल में पढ़ते है। आरोप है कि उसी स्कूल का पूर्व छात्र दो माह से उससे रंगदारी मांग रहा है। आए दिन वह, मुकेश व सात अज्ञात स्कूल उसे धमकी देते हैं। शुभ ने बताया कि नौ दिसंबर को दोस्त ध्रुव के साथ कोचिंग से लौटते वक्त मुंशी पुलिया के पास आरोपी पूर्व छात्र व उसके साथियों ने उन्हें घेर लिया और रॉड से पीटना शुरू कर दिया। भीड़ जुटने पर वह किसी तरह भागे तो आरोपियों ने दोबारा पकड़कर पीटा। इससे उसका सिर फट गया।शुभ के अनुसार घर पहुंचने पर माता-पिता ने इलाज कराया। घटना से दहशत में आए छात्र ने स्कूल और कोचिंग जाना छोड़ दिया। पीड़ित का कहना है कि आरोपी गैंग चलाते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर मीम पेज भी बनाया है, जिस पर उनका मीम शेयर किया था। मीम हटाने की बात कहने पर आरोपी छात्र ने पिटाई की धमकी दी थी। आरोपियों ने उनकी पिटाई का वीडियो भी उसी पेज पर पोस्ट किया था। आरोपियों ने बदला पूरा हुआ और शूटआउट इन पोस्ट लिखी। इंस्पेक्टर राजेश मौर्य के मुताबिक आरोपी छात्र नाबालिग है। इन्हें पकड़ने के लिए टीम गठित की गई है।

सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी के घर से लोडर में सामान ले गए चोर

लखनऊ, एजेंसी। पीजीआई थानाक्षेत्र में वृंदावन हाउसिंग सोसाइटी निवासी सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी दिलीप गुप्ता के घर से चोरों ने बृहस्पतिवार रात लाखों का माल साफ कर दिया। बदमाश सामान लोडर में लादकर ले गए। पीड़ित ने थाने में शिकायत की है। दिलीप के मुताबिक दो दिन पहले वह कानपुर गए थे। शुक्रवार शाम उन्होंने मोबाइल से घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी तो दंग रह गए। बृहस्पतिवार रात करीब 1:30 चोर घुसे और पूरे घर को खंगाल डाला। इसके बाद सुबह करीब 5:30 बजे घर से निकले और दोबारा लोडर लेकर पहुंचे। चोरों ने घर का सामान लोडर में लादा और भाग निकले। आननफानन घर पहुंचे पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छानबीन की और कार्रवाई करने के बजाय घटना की जानकारी किसी को देने से मना कर दिया। एडिशनल इंस्पेक्टर विनोद पांडेय के मुताबिक तहरीर मिली है। एफआईआर दर्ज की जाएगी।

लूट, मारपीट व तोड़फोड़ की झूठी शिकायत करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। लूट, मारपीट व तोड़फोड़ की झूठी सूचना देने वाले छह लोगों को गोसाईंगंज पुलिस ने बुधवार शाम गिरफ्तार किया। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक गोसाईंगंज के बीरमपुर निवासी विपिन कुमार ने बुधवार सुबह कंट्रोल रूम को सूचना दी कि गांव के शंभू और गोविंद ने उससे 20 हजार रुपये लूट लिए। जांच में पता चला कि जुए में तीनों का विवाद हुआ था। पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया। उधर, देहलामऊ में दाल खरीदने को लेकर विपत्ति का दुकानदार राधेलाल से झगड़ा हुआ था। राधे ने दुकान में घुसकर तोड़फोड़ करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत की थी। मामला झूठा पाए जाने दोनों को पकड़ा गया। सुरियामऊ निवासी राजकुमार ने सीएम पोर्टल पर जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत की थी। यह मामला भी फर्जी पाया गया था।

पांच जनवरी को होने वाली बैठक होगी रद्द

ऐसी गतिविधियां भाजपा की संविधानिक परंपराओं के अनुकूल नहीं

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की सख्ती के बाद भाजपा विधायकों ने जाति विशेष के जनप्रतिनिधियों की बैठकों से पैर पीछे खींच लिए हैं। इससे उनकी 5 जनवरी 2026 को होने वाली विशेष बैठक भी खटाई में पड़ गई है। पंकज चौधरी ने साफ कर दिया है कि ऐसी गतिविधियां भाजपा की संविधानिक परंपराओं के अनुकूल नहीं हैं।

चौधरी ने जाति विशेष के भाजपा विधायकों की हाल में हुई बैठकों पर सख्त हिदायत दी है कि वे नकारात्मक और जातिवादी राजनीति का शिकार न बनें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मीडिया में प्रसारित एक समाचार के अनुसार विधानसभा सत्र के दौरान कुछ जनप्रतिनिधियों ने विशेष भोज का आयोजन किया था, जिसमें उन्होंने अपने समाज को लेकर चर्चा की। उनसे बात कर भविष्य में सतर्कता बरतने को कहा गया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों से कहा है कि ऐसी गतिविधियों से गलत संदेश जाएगा। भविष्य में ऐसी किसी भी गतिविधि को अनुशासनहीनता माना जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की विकासवादी राजनीति और राष्ट्रवाद के सामने प्रदेश में विपक्ष की जाति आधारित राजनीति का अंत हो रहा है। जाति आधारित राजनीति करने वाली सपा, बसपा और कांग्रेस का भविष्य अंधेरे में है। ऐसे दल भाजपा के खिलाफ अंधेरे में तीर छोड़ रहे हैं। भाजपा के जनप्रतिनिधि पार्टी की मर्यादा और अनुशासन में काम करते हैं।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक अचानक दिल्ली पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उनकी इस मुलाकात के सियासी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। कुछ लोग इसे उप मुख्यमंत्री के बढ़ते कद से जोड़कर देख रहे हैं तो कुछ लोग इसे भाजपा की रणनीति बता रहे हैं। प्रदेश में कुल 52 ब्राह्मण विधायक हैं, जिनमें से 46 भाजपा से हैं। कुछ दिन पहले ठाकुर विधायकों की बैठक हुई। फिर 23 दिसंबर को ब्राह्मण समाज के विधायकों ने बैठक की। इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए गए। इसी बीच बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लखनऊ पहुंचे। राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

देर शाम पता चला कि वह दिल्ली पहुंच गए हैं। सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी तस्वीर सामने आई। इसके बाद कयासबाजी का दौर शुरू हो गया। अचानक प्रधानमंत्री से पाठक की मुलाकात को सियासी नजरिए से अहम माना जा रहा है क्योंकि चंद दिन पहले ही भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिला है। कयास मंत्रिमंडल विस्तार के भी हैं। इस लिहाज से भी ब्रजेश पाठक के प्रधानमंत्री से मिलने के सियासी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। कुछ लोग इसे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बढ़ते सियासी कद से जोड़कर देख रहे हैं। तर्क है कि सत्ता पक्ष में ब्राह्मण समाज के सशक्त चेहरे के रूप में भी ब्रजेश पाठक हैं। वह ब्राह्मण समाज के विधायकों की बैठक में खुद मौजूद नहीं थे, लेकिन प्रधानमंत्री से मुलाकात को उस नजरिए से भी जोड़ा जा रहा है।

वह समाज के लोगों को कितना प्रतिनिधित्व दिला पाएंगे, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन इतना जरूर है कि उन्होंने प्रधानमंत्री से मिलकर समाज का संदेश जरूर दिया है। इस संबंध में ब्रजेश पाठक का कहना है कि प्रधानमंत्री से उनकी शिष्टाचार के तहत मुलाकात हुई है।

उनका मार्गदर्शन हासिल किया है। उन्होंने बहुमूल्य समय देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार भी जताया। यह भी बताया कि चार जनवरी को वाराणसी में नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप होनी है। उनके साथ मौजूद वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी ने प्रधानमंत्री को चैंपियनशिप का निमंत्रण दिया है।

वृंदावन योजना के अरावली एन्क्लेव में बनेंगे नए 240 फ्लैट, छह महीने में खुलेगा पंजीकरण

लखनऊ। रायबरेली रोड स्थित वृंदावन योजना में अरावली एन्क्लेव का अधूरा काम अब पूरा कराया जाएगा। इससे 240 नए टू-बीएचके फ्लैट बनेंगे। निर्माण एक साल में पूरा करने और छह महीने में पंजीकरण खोलने का लक्ष्य है। प्रस्ताव को शुक्रवार को आवास विकास परिषद की बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई।

परिषद के सचिव नीरज शुक्ला ने बताया कि अरावली योजना में प्रस्तावित 12 टावरों में से पांच अधूरे हैं। यहां 560 टू-बीएचके फ्लैट बनने थे, लेकिन मांग कम होने पर काम रोक दिया गया था।

अब ज्यादातर फ्लैट बिक चुके हैं, इसलिए अधूरे टावर पूरे कराए जाएंगे। उप आवास आयुक्त चंदन पटेल के अनुसार, नए 240 फ्लैट 158 से 166 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे, जिनकी कीमत 92 से 96 लाख रुपये तय की गई है। 60 दिन में पूरा भुगतान करने पर 15 प्रतिशत की छूट भी मिलेगी।

फुटबॉल ग्राउंड ठेके पर देने को मंजूरी

विकासनगर सेक्टर-11 स्थित करीब दो एकड़ में फैले फुटबॉल ग्राउंड को आवास विकास परिषद ठेके पर देगी। बोर्ड ने इसे टेंडर के जरिये 10 साल की लीज पर देने का प्रस्ताव पास किया है। इसके बाद लीज दो बार में पांच-पांच साल बढ़ाई जा सकेगी, बशर्ते कार्य संतोषजनक हो। प्रशिक्षण और आयोजनों की फीस सरकारी दरों पर ही रहेगी।

अवध विहार में 100 भूखंडों का होगा पंजीकरण

शहीद पथ स्थित अवध विहार योजना में करीब 100 भूखंडों का पंजीकरण एक-दो महीने में खोला जाएगा। आवेदन ऑनलाइन होंगे और आवंटन लॉटरी से किया जाएगा। वहीं, अयोध्या योजना में भूखंडों के साथ मकान (विला) बनाने की भी योजना तैयार की जा रही है।

सिसकियों के बीच एक साथ उठी दो दोस्तों की अर्थी, फट गया लोगों का कलेजा, नहीं मिला अंकित

गाजीपुर एजेंसी। गाजीपुर जिले के गहमर कोतवाली के खेलूराय पट्टी में 10 बीघे में फैले तालाब में शुक्रवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक एसडीआरएफ की टीम अंकित सिंह को तलाशती रही, लेकिन उसका पता नहीं चला। उधर, नरवा घाट पर विक्की और सौरभ के शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। परिजनों की सिसकियों के बीच दोनों दोस्तों की अर्थी एक साथ उठी तो लोगों की आंखों से आंसू नहीं थम रहे थे। गांव में पुलिस और पीएसी चक्रमण करती रही। हालांकि हत्या के दो दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

एक साथ उठी विक्की और सौरभ की अर्थी

खेमनराय पट्टी निवासी मृत विक्की सिंह और बाबूराय पट्टी निवासी सौरभ सिंह की अर्थी गांव से एक साथ निकली लोगों का कलेजा फट गया। मात्र 23-25 वर्ष के दोनों युवकों की निर्ममता से हत्या ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। ग्रामीणों के चेहरे पर दुख के साथ आक्रोश भी झलक रहा था।

तीनों परिवारों की बढ़ाई गई सुरक्षा

डीआईजी वैभव कृष्ण के सख्त निर्देश के बाद मृतक विक्की, सौरभ और लापता अंकित सिंह के परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पूरे दिन पुलिस गांव में चक्रमण करती रही। यहीं नहीं, खेलूराय पट्टी में आने-जाने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

क्या है पूरा मामला

खेमनराय पट्टी निवासी विक्की सिंह और बाबूराय पट्टी निवासी सौरभ सिंह के शव लेकर परिजन शुक्रवार को भोर करीब चार बजे गहमर गांव पहुंचे। इसके बाद दोनों के घरों में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सुबह करीब 10 बजे दोनों शवों का अंतिम संस्कार नरवा गंगा घाट पर किया गया। विक्की को बड़े भाई विकास और सौरभ सिंह को उसके चाचा मधुसूदन सिंह ने मुखाग्नि दी। पीएसी और पुलिस खेलूराय पट्टी स्थित तालाब, खेमनराय पट्टी और बाबूराय पट्टी में चक्रमण करती रही।

एसपी ग्रामीण अतुल सोनकर ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक अंकित सिंह का पता नहीं चल सका है। एसडीआरएफ की टीम ने शाम को अंधेरा होने के बाद तलाश बंद कर दी। जल्द ही नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

इधर-उधर भटकते रहे, नहीं मिला रास्ता

लखनऊ, एजेंसी। वीआईपी मूवमेंट के दौरान फ्लीट गुजरने और क्रिसमस के जश्न के चलते शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई। पुराने लखनऊ सहित कई इलाकों में लंबा जाम लगा, एंबुलेंस भी फंस गई।

बसंतकुंज में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पार्क के उद्घाटन को लेकर सुबह से ही डायवर्जन लागू था। 11:30 बजे से बसों के पहुंचने पर सीतापुर रोड, आईआईएम रोड और दुबग्गा में भीषण जाम लग गया। आईआईएम रोड पर एक किलोमीटर तक वाहन रेंगते रहे। लोग पैदल तक नहीं निकल पाए और करीब तीन घंटे तक परेशान रहे।

एंबुलेंस को निकालने में लगे 20 मिनट: आईआईएम रोड पर एंबुलेंस को निकालने में पुलिस को 20 मिनट लगे। डालीगंज में भी एंबुलेंस आधे घंटे तक जाम में फंसी रही। चौक, हनुमान सेतु व अन्य मार्गों पर दबाव बढ़ता चला गया। वैकल्पिक मार्ग भी जाम से नहीं बचे।

एक घंटे में लोगों ने तय कि एक किमी की दूरी : डायवर्जन का असर पीजीआई, तेलीबाग, कानपुर रोड, शहीद पथ की सर्विस लेन और फीनिक्स प्लासियो के सामने दिखा। शहीद पथ के रैंप व सर्विस लेन चोक हो गई और तीन किलोमीटर तक कतारें लग गईं। कई जगह लोगों ने एक किलोमीटर की दूरी एक घंटे में तय की। शाम कुछ राहत मिली, लेकिन 5:30 बजे वीआईपी के रवाना होते ही ग्रीन कॉरिडोर सहित बुद्धा पार्क रोड, शहीद स्मारक रोड, मेडिकल कॉलेज रोड और विधि मार्ग पर फिर जाम लग गया।

गोमतीनगर में भी लोग एक घंटे तक खड़े : वीआईपी मूवमेंट के चलते मरीन ड्राइव पर दोपहर करीब एक बजे ही पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी थी। ऐसे में लोग न तो ताज होटल की ओर जा सके और न आ सके। हालांकि, यहां लोगों को कम समस्या हुई। क्योंकि पुलिस के बीच-बीच में बैरिकेडिंग हटाने पर यातायात सामान्य होता रहा।

हजरतगंज, लालबाग, कैसरबाग में भी जाम : हजरतगंज में मेफेयर तिराहे के पास स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल परिसर के चर्च में क्रिसमस पर आयोजित कार्यक्रम के कारण परिवर्तन चौक, केडी सिंह बाबू स्टेडियम, लीला सिनेमा मार्ग, लालबाग और कैसरबाग में जाम की स्थिति बन गई। हालांकि, यहां लोगों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

यातायात रोकने पर किन्नर ने किया हंगामा : चौक में दोपहर करीब 2:30 बजे यातायात रोका गया था। इस कारण लगे जाम में स्कूटी सवार किन्नर भी फंस गई। इससे आक्रोशित होने पर किन्नर ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस से नोकझोंक भी शुरू हो गई। पुलिसकर्मियों ने उसे समझाकर शांत कराया।

कैसरबाग-अमीनाबाद में भी जाम से जूझे लोग : शुक्रवार को कैसरबाग और अमीनाबाद भी जाम से नहीं बच सका। दोपहर में कैसरबाग से बर्लिंगटन चौराहे तक करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। वाहन रेंगते नजर आए। अमीनाबाद की गलियों और पुरनिया क्षेत्र में भी जाम की स्थिति बनी रही।

जगह-जगह पुलिसकर्मी तैनात थे। केवल फ्लीट गुजरने के दौरान करीब 20 मिनट यातायात रोका गया, जिससे हल्की जाम जैसी स्थिति बनी। कहीं पूरा जाम नहीं था।

चार साल लिव इन रिलेशन, कोर्ट मैरिज के बाद मुकरा, युवती ने 10 घंटे में अक्ल ठिकाने लगा दी

मेरठ , एजेंसी। खिर्वा रोड के एक गांव में रह रहे युवक के घर के सामने शुक्रवार को एक युवती ने दस घंटे तक हंगामा किया। युवती ने दावा किया है कि फेसबुक पर दोस्ती के बाद युवक ने उससे कोर्ट मैरिज की है। वह अब अपनी ससुराल में रहना चाहती है। युवती के हंगामा करने पर प्रेमी उससे मारपीट कर घर से भाग गया। हालांकि पुलिस को सूचना देने के बाद रात दस बजे युवक के परिजनों ने उसे अपने मकान में बुला लिया। सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि मवाना निवासी युवक काफी समय से खिर्वा रोड स्थित गांव में अपने परिवार के साथ रह रहा है। युवक की दोस्ती चार साल पहले फेसबुक पर जानी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से हुई थी। हंगामा कर रही युवती ने बताया कि चार साल तक दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहे और मार्च 2025 में दोनों ने कोर्ट मैरिज की। कुछ दिन पहले युवक के परिजनों को कोर्ट मैरिज की जानकारी हुई थी। परिजनों ने युवती को स्वीकार नहीं किया था। युवती ने मामले की पुलिस से शिकायत की थी। इसकी सुनवाई परिवार परामर्श केंद्र में हो रही है। युवती ने कई बार युवक से घर ले जाने के लिए कहा, मगर बात नहीं बनी। शुक्रवार दोपहर करीब बारह बजे युवती अपने प्रेमी के घर के बाहर पहुंच गई। यहां युवक भी अपने परिजनों के संग मौजूद था। युवती को देख आरोपी आग बबूला हो गया। आरोप है कि आरोपी ने युवती के साथ मारपीट कर दी।

भेड़िये और तेंदुए के बाद अब टाइगर की दहशत, भय से कांप रहे गांव के गांव

बहराइच , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र के जिलों में भेड़िये और तेंदुए के बाद अब टाइगर ने दस्तक दे दी है। नेपाल सीमा से सटे कई गांव दहशत के साए में हैं। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। कारण... लगभग हर दिन आदमखोर जंगलियों के हमले में या तो किसी की जान जाती है या फिर कोई घायल होता है। सबसे ज्यादा बच्चे व महिलाएं इन आदमखोरों का शिकार बनते हैं।

दो दिन पहले बलरामपुर जिले में भारत-नेपाल सीमा से सटे पचपेड़वा क्षेत्र में जंगली जानवर के हमले में दो महिलाओं 25 वर्षीय कमला और 28 साल की उर्मिला कोरी की जान चली गई। भांभर रेंज के नेपाल सीमावर्ती बिशनपुर कोडर गांव की रहने वाली कमला घर से करीब 300 मीटर ही गई होंगी कि उन पर आदमखोर ने हमला करके अपना शिकार बना लिया। दूसरी घटना में नेपाल सीमा पर परसरामपुर गांव के बेलभरिया बीट के पास उर्मिला कोरी पर जंगली ने हमला किया। वह मूल रूप से नेपाल राष्ट्र के कपिलवस्तु के अमौली गांव की रहने वाली थी। वह पचपेड़वा में अपने रिश्तेदार के घर जा रही थी। रास्ते में जान चली गई।

करीब डेढ़ महीने पहले, 12 नवंबर 2025 को पचपेड़वा क्षेत्र के ही सड़वा गांव में बाघ ने किसान बिकाई प्रसाद को मार डाला था। इस बार की घटनाओं में भी ग्रामीणों ने बताया कि हमला बाघ ने किया है। जबकि, वन विभाग का दावा है कि तेंदुओं के हमले में दोनों की जान गई है। एसडीओ मनोज कुमार का कहना है कि हमले की स्थिति को देखा गया है। बाघ का दावा सही नहीं है, दोनों जंगली जानवर तेंदुए ही हैं। इसकी रिपोर्ट भी उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। ग्रामीणों को सतर्क किया गया है।

वन क्षेत्राधिकारी योगेश कुमार ने ग्रामीणों को अकेले जंगल की ओर न जाने और समूह में चलने की सलाह दी है। कहा कि महिलाएं जंगल में अकेले लकड़ी बीनने न जाएं। जंगली जानवरों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। बहराइच जिले में भी आए दिन आदमखोर जंगली लोगों पर हमला करते रहते हैं। दो दिन पहले बृहस्पतिवार की सुबह नवाबगंज इलाके में बाघ ने दस्तक दी। चनैनी गांव की महिलाएं शौच के लिए गई थीं, वहां पर बाघ को देखा तो उन्होंने शोर मचाया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके की तरफ भागे।

महिलाओं को बचाने के लिए पहुंचे लोगों पर बाघ ने शिकार के लिए झपट्टा मारा। इसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल 50 वर्षीय रामधीरज यादव और 35 वर्षीय नागे कश्यप चनैनी गांव के ही रहने वाले हैं। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से गांव में दहशत का माहौल है।

डीएफओ राम सिंह यादव ने बताया कि हमलावर वन्यजीव की तलाश के लिए टीम कांबिंग कर रही है। क्षेत्र की घेराबंदी कर सघन निगरानी की जा रही है। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र पर नजर बनाए हुए है।

इसके अलावा कतर्नियाघाट जंगल के निकट घाघरा नदी के कछार में बसे गांव धरमपुर रैतिया और संपतपुरवा में एक सप्ताह से भेड़ियों की दहशत बनी हुई है। भेड़ियों ने दो दिन पहले एक महिला को दौड़ा लिया। किसी तरह उसकी जान बच सकी।

ग्रामीणों का कहना है कि भेड़िये लगातार नदी के किनारे दिखाई पड़ रहे हैं। सुबह-शाम शिकार की तलाश में आबादी में घुस जाते हैं। दो दिन पहले संपतपुरवा निवासी कैलाश की पत्नी दूध लेने धरमपुर रैतिया जा रही थी। तभी एक भेड़िये ने उन्हें दौड़ा लिया। किसी तरह उनकी जान बच सकी।लगातार हो रही घटनाओं से क्षेत्र के लोगों में भय व्याप्त है।

सोना और चांदी में निवेश के लिए ईटीएफ बन रहे पसंदीदा विकल्पः विशेषज्ञ

डिजिटल सोना सुविधाजनक है और कम राशि में निवेश संभव

नई दिल्ली ।

इस साल सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि देखने को मिली है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोना 76,772 रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,39,890 रुपये हो गया, जबकि चांदी 87,300 रुपये प्रति किलो से 2,40,300 रुपये पर पहुंच गई। इससे निवेशकों में मूल्यवान धातुओं में निवेश का उत्साह बढ़ गया है।' विशेषज्ञों के अनुसार गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) निवेशकों के लिए सबसे सुविधाजनक विकल्प हैं। एक बाजार विशेषज्ञ ने बताया कि ईटीएफ में निवेश करने से सोना या चांदी रखने की झंझट नहीं होती और यह उच्च तरलता और कम लेन-देन शुल्क प्रदान करता है। ईटीएफ में कम इकाई मूल्य, रखरखाव की कोई लागत और शुद्धता की गारंटी भी उपलब्ध है। यदि निवेशक प्रत्यक्ष स्वामित्व को महत्व देते हैं, तो सोने और चांदी के सिक्के या बिस्कुट बेहतर विकल्प हैं। हालांकि, इसमें रखरखाव, बीमा लागत और

तरलता की कमी होती है। आभूषण निवेश करने योग्य नहीं माना जाता, क्योंकि इसमें बनाने का अतिरिक्त शुल्क लगता है। डिजिटल सोना सुविधाजनक है और कम राशि में निवेश संभव है, लेकिन यह सेबी द्वारा विनियमित नहीं है।

विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों को अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों, निवेश अवधि और जोखिम सहनशीलता के आधार पर विकल्प चुनना चाहिए। ईटीएफ, भौतिक धातु, वायदा- विकल्प या डिजिटल सोना-हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं। विविध निवेश अपनाने से सुरक्षा, तरलता और वृद्धि क्षमता में संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

अदाणी समूह रक्षा क्षेत्र में करेगा 1.8 लाख करोड़ का निवेश

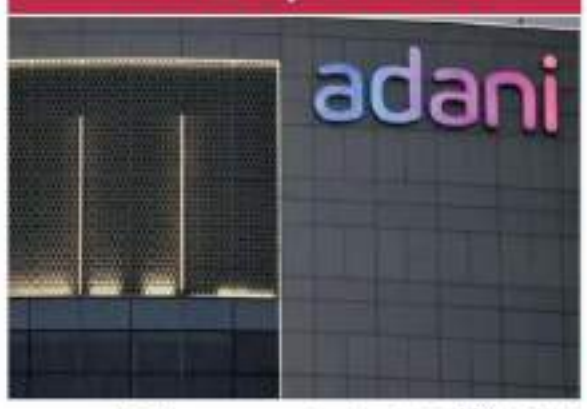

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह अगले सात रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में 1.8 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रहा है। कंपनी का उद्देश्य मानवरहित प्रणालियों, उन्नत हथियारों और एआई आधारित बहु-क्षेत्रीय अभियानों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करना है। इसके तहत अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2025 में लंबी योजना प्रक्रियाओं से हटकर त्वरित तैनाती की दिशा में कदम बढ़ाया। कंपनी के कुछ सैन्य उपकरणों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में भी किया गया। कंपनी का निवेश मुख्य रूप से मानवरहित और स्वायत्त प्रणालियों, उन्नत निर्देशित हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई आधारित बहु-क्षेत्रीय संचालन और रखरखाव, मरम्मत और प्रशिक्षण अवसंरचना पर केंद्रित रहेगा। स्वायत्त प्रणालियां हवा, समुद्र और जमीन तीनों क्षेत्रों में काम करती हैं और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ संचालित होती हैं। इनसे सैन्य पहुंच बढ़ती है और सैनिकों के लिए जोखिम कम होता है। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने 2025 में अपने कुछ उपकरणों को ऑपरेशन सिंदूर में तैनात किया। इसी वर्ष कंपनी के 'दृष्टि 10 ग्रुएवी को लंबी अवधि के निगरानी और टोही मिशनों के लिए भारतीय नौसेना और थल सेना में शामिल किया गया। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस अब भारत की सबसे बड़ी एकीकृत निजी रक्षा कंपनी बन चुकी है। इसकी क्षमताओं में मानवरहित हवाई और जलीय प्रणालियां, प्रतिरोधी ग्रुएस समाधान, निर्देशित हथियार, छोटे हथियार और गोला-बारूद, विमान रखरखाव, मरम्मत और प्रशिक्षण शामिल हैं।

रॉल्स-रॉयस भारत को बनाएगा तीसरा गृह बाजार, करेगी बड़ा निवेश

जेट इंजन और तकनीकी प्रदर्शन कार्यक्रमों पर नजर

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन की एयरो-इंजन और उन्नत इंजीनियरिंग कंपनी रॉल्स-रॉयस भारत में बड़ा निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने कहा है कि भारत को वह ब्रिटेन के बाहर अपना तीसरा गृह बाजार बनाने की योजना बना रही है। रॉल्स-रॉयस पहले ही अमेरिका और जर्मनी को अपने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार के रूप में विकसित कर चुकी है। कंपनी की प्राथमिकता नई पीढ़ी के जेट इंजन को भारत में विकसित करना है, ताकि एएमसीए (उन्नत मध्यम युद्धक विमान) कार्यक्रम के तहत भारत में बनने वाले लड़ाकू विमानों को शक्ति दी जा सके। कंपनी भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रॉल्स-रॉयस इलेक्ट्रिक प्रणोदन की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी और नौसैनिक प्रणोदन के लिए भारत में इंजन निर्माण की दिशा में योगदान देगी। कंपनी भारत में अपने प्रभावी निवेश पर नजर रखे हुए है। रॉल्स-रॉयस की योजना दो रक्षा पीएसयू के साथ दो समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की है। इनमें पहला अर्जुन टैंक के लिए इंजन निर्माण से जुड़ा होगा, जबकि दूसरा भविष्य के युद्धक वाहनों के लिए इंजन उत्पादन से संबंधित है। रॉल्स-रॉयस अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नौसैनिक प्रणोदन, थल प्रणालियों, विनिर्माण, उन्नत इंजीनियरिंग कौशल और प्रौद्योगिकी विकास तक अपने विस्तार की योजना बना रही है।

रॉल्स-रॉयस के अनुसार भारत में निवेश का अवसर इसलिए भी है क्योंकि देश के पास बड़ा पैमाना, स्पष्ट नीति और मजबूत रक्षा तथा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र है। कंपनी का उद्देश्य भारत को वैश्विक स्तर पर अपने रणनीतिक बाजारों में शामिल करना है।

वॉरेन बफे की जिद ने बदल दिया निवेश की दुनिया का इतिहास

- एक कमजोर टेक्सटाइल से ताकतवर होल्डिंग कंपनी बनने तक का सफर

नई दिल्ली ।

सिर्फ 12 सेंट की रकम से शुरू हुई एक जिद ने निवेश की दुनिया का इतिहास बदल दिया। यह कहानी है दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे और उनकी कंपनी बर्कशायर हैथवे की, जिसकी आज वैल्यूएशन 900 अरब डॉलर से भी ज्यादा है। साल 1964 में बर्कशायर हैथवे एक घाटे में चल रही टेक्सटाइल कंपनी थी। कपड़ा, ऊन और कॉटन का कारोबार करने वाली इस कंपनी के शेयर बेहद सस्ते थे। वॉरेन बफे ने इसमें मौका देखा और धीरे-धीरे शेयर खरीदकर करीब 7 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली। इसी दौरान कंपनी के सीईओ ने बफे को 11.50 डॉलर प्रति शेयर पर हिस्सेदारी वापस खरीदने का ऑफर दिया। बफे ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, लेकिन जब कागजी प्रक्रिया पूरी हुई तो सीईओ ने कीमत 12.5 सेंट कम कर दी।

यही छोटा सा फर्क बफे के लिए अपमान बन गया। उन्होंने शेयर बेचने के बजाय और अधिक शेयर खरीदने का फैसला किया। एक साल से भी कम समय में उनकी हिस्सेदारी 43 फीसदी तक पहुंच गई और कंपनी पर उनका नियंत्रण हो गया। बफे ने सबसे पहले सीईओ को बाहर का रास्ता दिखाया। बाद में उन्होंने इस फैसले को अपनी सबसे बड़ी गलती भी माना। हालांकि, उन्होंने बर्कशायर हैथवे को एक होल्डिंग कंपनी के रूप में इस्तेमाल किया और इसके जरिए बीमा, बैंकिंग, रेलवे और बड़ी कंपनियों में निवेश शुरू किया। 1985 में टेक्सटाइल बिजनेस बंद हुआ और यहीं से असली बर्कशायर हैथवे की कहानी शुरू हुई, जो आज निवेश की दुनिया की सबसे बड़ी मिसाल बन चुकी है।

इस सप्ताह निवेशकों की नजर अर्थव्यवस्था के आंकड़ों पर रहेगी

औद्योगिक उत्पादन से लेकर वाहन बिक्री तक, निवेशकों की गतिविधियों पर रहेगी नजर

मुंबई ।

देश के घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह तेजी देखने को मिली, लेकिन निवेशक अब अगले सप्ताह आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर अपनी नजरें गड़ाएंगे। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले सप्ताह में जारी होने वाले डेटा से शेयर बाजार की दिशा तय हो सकती है। आगामी सोमवार को औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की विनिर्माण, खनन और उपयोगिता क्षेत्रों की गतिविधियों का महत्वपूर्ण संकेतक है। निवेशक और अर्थशास्त्री इसे अर्थव्यवस्था की स्वास्थ्य स्थिति जानने के लिए देखते हैं। उम्मीद से बेहतर आंकड़े बाजार में तेजी ला सकते हैं, जबकि कमजोर आंकड़े निवेशकों में सतर्कता पैदा कर सकते हैं। मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र का खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जारी होगा। पीएमआई उद्योगों की उत्पादन क्षमता, नए ऑर्डर और रोजगार की स्थिति का संकेत देता है। यदि पीएमआई 50 से ऊपर रहेगा, तो इसे आर्थिक विस्तार का संकेत माना जाएगा, वहीं 50 से नीचे आने पर आर्थिक गतिविधियों में धीमापन का अनुमान लगाया जाएगा। सप्ताह के दौरान वाहनों की बिक्री के आंकड़े भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। वाहन बिक्री में वृद्धि उपभोक्ता मांग और आर्थिक गतिविधियों की मजबूती को दर्शाती है। विशेषकर ऑटो और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले सप्ताह की तेजी के बाद निवेशक इन आंकड़ों को ध्यान से देखेंगे। मजबूत आंकड़े बाजार में और बढ़त ला सकते हैं, जबकि कमजोर आंकड़े सतर्कता बढ़ा सकते हैं।

जीएमआर नया ताइफ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के लिए पात्र

हैदराबाद ।

सऊदी अरब के नेशनल सेंटर फॉर प्राइवेटाइजेशन एंड पीपीपी (एनसीपी) ने जीएमआर समूह को नया ताइफ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के लिए बोली लगाने की पात्रता प्रदान की है। इस परियोजना में बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड टेमासेक, तुर्की की टीएवी एयरपोर्ट्स, माद्दा इंटरनेशनल होल्डिंग, आयरलैंड की डीएए इंटरनेशनल और कालयोन इंसात गठजोड़ भी पात्र हैं। 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर की इस परियोजना को सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत बीटीओ अनुबंध के आधार पर 30 वर्ष की अवधि के लिए विकसित किया जाएगा। नया हवाई अड्डा आधुनिक वाणिज्यिक यात्री टर्मिनल, सहायक भवन, उपयोगिता नेटवर्क, कार पार्किंग और संपर्क सड़कें प्रदान करेगा। इसका लक्ष्य यात्री क्षमता और मांग के अनुसार उच्च स्तरीय संचालन सुनिश्चित करना है।

शीर्ष 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 35,439 करोड़ घटा

- भारतीय स्टेट बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण थोड़ी हल्की कारोबार अवधि रही, लेकिन इस छोटे सप्ताह में शीर्ष 10 बड़े निवेश में शामिल सात सबसे मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 35,439.36 करोड़ रुपये घट गया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष 10 में शामिल कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस लाभ में रहे। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 12,692.1 करोड़ रुपये घटकर 8,92,046.88 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 8,254.81 करोड़ रुपये घटकर 21,09,712.48 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 5,102.43 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 6,22,124.01 करोड़ रुपये रह गया। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 10,126.81 करोड़ रुपये बढ़कर 15,26,765.44 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान इंफोसिस और भारती एयरटेल का मूल्यांकन भी बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

रिलायंस को नये साल में वित्तीय विवाद सुलझने की उम्मीद

नई दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया कि केजी डी6 ब्लॉक पर सरकार के साथ 24.7 करोड़ डॉलर के वित्तीय विवाद का मामला अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के अंतिम चरण में है। कंपनी का कहना है कि सभी खर्च प्रबंधन समिति की मंजूरी के साथ किए गए और सरकार ने किसी अनियमितता का आरोप नहीं लगाया। सरकार का कहना है कि कुछ खर्च लागत वसूली में शामिल नहीं हैं और इस पर विंडफॉल टैक्स की मांग की जा रही है।रिलायंस के अनुसार नई खनन नीति में ऑपरेटर पहले अपनी लागत वसूल करता है, उसके बाद ही सरकार को लाभ मिलता है। परियोजना में सरकार ने कोई प्रत्यक्ष निवेश नहीं किया, जबकि ऑपरेटर ने मुख्य जोखिम उठाया। गैस की बिक्री कम दाम पर हुई, जिससे देश को सस्ती गैस मिली और सब्सिडी पर खर्च कम हुआ। विवाद का निर्णय 2026 में संभव है।

बैंक से लोन लेने पर 5 बातों का रखें ध्यान, नहीं होगा रिजेक्शन

- सिबिल स्कोर बना है लोन मिलने की सबसे बड़ी चाबी

नई दिल्ली । आज के समय में घर खरीदना हो, बच्चों की पढ़ाई या कोई बड़ी जरूरत, लोन लेना आम हो गया है। लेकिन कई बार बैंक में आवेदन करने के बाद भी लोन रिजेक्ट हो जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह खराब सिबिल स्कोर होता है। अगर आप भी बिना परेशानी लोन पाना चाहते हैं, तो इन पांच जरूरी बातों को जरूर अपनाएं-

- 1. 700 से ऊपर रखें सिबिल स्कोर- बैंक लोन देते समय सबसे पहले आपका क्रेडिट स्कोर देखते हैं। 300 से 900 के बीच आने वाले इस स्कोर में 700 से ऊपर का आंकड़ा सबसे सुरक्षित माना जाता है। अच्छा स्कोर बैंक का भरोसा बढ़ाता है।
- 2. ईएमआई समय पर चुकाना जरूरी- अगर होम लोन, पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड की ईएमआई समय पर नहीं भरी जाती, तो इसका सीधा असरसिबिल स्कोर पर पड़ता है। नियमित भुगतान से स्कोर सुधरता है।
- 3. क्रेडिट कार्ड का सीमित उपयोग करें- क्रेडिट लिमिट का पूरा इस्तेमाल करने से बचें। बेहतर है कि 30 से 40 फीसदी लिमिट तक ही खर्च करें।
- 4. एक साथ कई लोन लेने से बचें- एक से ज्यादा लोन आपकी वित्तीय सेहत बिगाड़ सकते हैं। पहले पुराने कर्ज चुकाएं, फिर नया लोन लें।
- 5. जरूरत से ज्यादा कर्ज न लें- उतना ही लोन लें, जितना आसानी से चुका सकें और समय-समय पर अपनी क्रेडिट रिपोर्ट जांचते रहें।

तेल-तिलहन बाजारः सरसों में गिरावट, सोयाबीन और पामतेल में उछाल

- सरकार की पुरानी स्टॉक बिक्री और नई फसल की तैयारी के कारण बाजार में खरीदारी धीमी रही

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह विविध रुझान देखने को मिले। सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन, पामतेल और पामोलीन तेल में सुधार आया। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे और बिनौलातेल में हल्की वृद्धि देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति मौजूदा स्टॉक, एमएसपी, मांग और अंतरराष्ट्रीय सट्टेबाजी के मिश्रित प्रभाव का परिणाम है। बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। इसका मुख्य कारण पुरानी फसल की सरकारी बिक्री और स्टॉकिस्टों द्वारा बाजार में उतारा गया स्टॉक है। हाजिर दाम एमएसपी से 7-8 प्रतिशत अधिक है। नई फसल जल्द बाजार में आने वाली है, जिससे भाव पर दबाव बना रह सकता है। वहीं सोयाबीन तेल के दाम में पिछले सप्ताह की तुलना में सुधार आया। सर्दियों में डी-आयल्ड केक की मांग बढ़ी और सूरजमुखी तेल की तुलना में सोयाबीन तेल सस्ता होने के कारण स्थानीय खरीद बढ़ी। हालांकि एमएसपी के हिसाब से दाम अभी भी कमजोर हैं और बाजार एमएसपी पर नहीं खड़ा है। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। बिनौला तेल में हल्की वृद्धि देखी गई, मुख्य कारण हल्की मांग और नमकीन बनाने वाली कंपनियों की खरीद रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,490 रुपये और 2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,800-4,850 रुपये और 4,500-4,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 13,550 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 13,150 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 135 रुपये के सुधार के साथ 10,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में स्थिरता देखने को मिली। मूंगफली तिलहन 6,450-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,485-2,785 रुपये प्रति टिन के पूर्व समापन के भाव पर स्थिर बने रहे। दूसरी ओर सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये के सुधार के साथ 11,375 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 100 रुपये के सुधार के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल के दाम भी 75 रुपये सुधार के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बंद हुए।

किसानों को जल्द मिलेगी पीएम किसान योजना की 22वीं किस्त

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) भारत के छोटे और सीमांत किसानों के लिए सबसे महत्वपूर्ण कल्याण योजनाओं में से एक है। इस योजना के तहत सरकार सीधे किसानों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता भेजती है, जिससे बिचौलियों की भागीदारी खत्म होती है और पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। देशभर के पात्र किसान अब 22वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हर किस्त में सरकार हजारों करोड़ रुपये जारी करती है, जो किसानों को कृषि में निवेश करने और जीवन खर्च में मदद करती है। केंद्र सरकार प्रतिवर्ष इस योजना के लिए बजट आवंटित करती है। आगामी वित्तीय वर्ष का बजट 1 फरवरी 2026 को पेश किया जाएगा। कृषि मंत्रालय इस बजट में योजना के लिए नए निर्णय और संभावित वृद्धि की घोषणा कर सकता है। पीएम- किसान योजना देशभर के किसानों में अत्यधिक लोकप्रिय है और छोटे किसानों के लिए यह एक वरदान साबित हुई है। किसानों की नजर अब अगले बजट और 22वीं किस्त की तारीख पर टिकी हुई है।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनियां 2030 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगी

- लक्ष्य प्रशासन सुधार, पारदर्शिता और परिसंपत्ति मौद्रिकरण के जरिए मूल्य सृजन

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कोयला मंत्रालय को निर्देश दिया है कि सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी अनुषंगी कंपनियों को 2030 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जाए। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के प्रशासन को सुव्यवस्थित करना, पारदर्शिता बढ़ाना और परिसंपत्ति मौद्रिकरण के जरिए मूल्य सृजन करना है। सीआईएल देश के कुल घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान देती है। कंपनी अपनी आठ अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से काम करती है, जिनमें ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड शामिल है। सूचीबद्ध करने की प्राथमिकता के तहत बीसीसीएल और सीएमपीडीआई को मार्च 2026 तक लिस्टिंग कराने की योजना है।

बीसीसीएल के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रोडशो पूरे हो चुके हैं और प्रक्रिया बिना किसी देरी के पूरी गति से चल रही है। इस योजना से सीआईएल की संचालन क्षमता मजबूत होगी और निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

स्टीव वॉजनिएक- एप्पल की नींव रखने वाले शांत और उदार इंजीनियर

नई दिल्ली । स्टीव जॉब्स के नाम से एप्पल प्रसिद्ध है, लेकिन इसके असली निर्माता स्टीव वॉजनिएक थे। वे तकनीक को लोगों की जिंदगी आसान बनाने के लिए बनाते थे और दौलत या शोहरत के पीछे नहीं भागे। बचपन में ही वॉजनिएक टीवी और रेडियो खोलकर समझते थे कि ये कैसे काम करते हैं। घर पर खुद कंप्यूटर बनाना उनका शौक बन गया। 975 में एलटेयर 8800 से प्रेरित होकर उन्होंने एप्पल बनाया। स्टीव जॉब्स ने इसकी क्षमता देखी और दोनों ने कैलिफोर्निया के एक छोटे गैराज में मिलकर एप्पल की नींव रखी। वॉजनिएक ने दौलत समेटने के बजाय बच्चों को कोडिंग सिखाना चुना और अपने कई एप्पल शेयर उन कर्मचारियों को दे दिए, जिनके पास कुछ नहीं था। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इतना सब क्यों दान कर दिया, तो उनका जवाब था, यह सही लगा। मैं चाहता था कि सफलता सबके साथ बांटी जाए। वॉजनिएक दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल हो सकते थे, लेकिन उन्होंने सबसे उदार इंसान बनना चुना, जहां स्टीव जॉब्स ने डिजाइन में परफेक्शन खोजा, वहीं स्टीव वॉजनिएक ने उदारता में। आज भी वॉजनिएक दौलत या शोहरत की बात नहीं करते। वे शिक्षा, रचनात्मकता और सादगी की बात करते हैं।

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी।

साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया (I.N.D.I.A.) के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। वहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि यह हमारी भी लड़ाई हो। यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दर्शाता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

संपादकीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

संचालक कंपनी पर अधिकतम जुर्माना 3000 करोड़ रुपये का ही लग सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुर्माना सरकार भरेगी। लेकिन जब स्वामित्व निजी कंपनी का होगा, तो पीड़ितों को मुआवजे का बोझ करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए? परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में वह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुर्माना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुर्माना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8, 900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते हैं। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध हैं। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्राह्मण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मों से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते हैं, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकर्षण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के इन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

उपलब्धियो और खामियों के बीच जूझता रहा 2025!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बीत रहा सन 2025 का साल भारत के लिए रक्षा, प्रौद्योगिकी, खेल और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उपलब्धियों भरा रहा।इस बीत रहे वर्ष में स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट लॉन्च हुए, अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण हुआ, महिला क्रिकेट ने वर्ल्ड कप जीता, और विकसित भारत बिल्डथॉन जैसी पहल हुई,साथ ही एआई में उभरती शक्ति के रूप में पहचान मिली, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी जैसे सेक्टर में वृद्धि देखी गई, लेकिन यह साल कुछ राजनीतिक उथल-पुथल और भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष का साक्षी भी रहा।सन 2025 में कई क्षेत्रों में निराशाएं देखने को मिलीं, खासकर भारतीय फुटबॉल में प्रशासनिक संकट और खराब प्रदर्शन, भारतीय एयरलाइंस सेक्टर में अनिश्चितता, युवाओं के बीच नौकरी को लेकर चिंताएं, और डिजिटल युग में निजता व सुरक्षा के मुद्दे, तथा कुछ चर्चित किताबों का उम्मीदों के मुताबिक न आना प्रमुख कहे जा सकते हैं।2025 भी हर साल की तरह राजनीतिक घटनाओं से भरा रहा, और देश भर में विवाद और बवाल हुई, सबसे बड़ा वाकया तो इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर रहा, जब पूरा देश एकजुट नजर आया, क्या सत्ता पक्ष और क्या विपक्ष, अगर सीजफायर पर आरोप-प्रत्यारोप को दरकिनार कर दें तो जिस तरह सभी दलों के सांसदों की अलग-अलग टीम बनाकर दुनिया में भारत का पक्ष समझाने के लिए भेजी गई, उसने अनूठी मिसाल पेश की।जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा और वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की तरफ से स्पेशल इंटेंसिव विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने को लेकर भी खासा विवाद हुआ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो इसके बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ, वोट चोर, गद्दी छोड़ मुहिम ही चलाने लगे हैं, 2025 में देश की न्यायपालिका भी कुछ घटनाओं और विवादों की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी।जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में सरहद पार पाकिस्तान में बने कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया और 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

6 और 7 फरवरी की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, और बाद में पाकिस्तान के साथ बातचीत के बाद सीजफायर लागू कर दिया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर के लिए बीच बचाव का दावा रहा है, जिसे भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है।

ट्रंप के दावे पर भारत में भी खूब राजनीति हुई।विपक्षी गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से सीजफायर के मामले में जवाब मांगता रहा, और चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी होती रही। विशेष सत्र तो नहीं बुलाया गया, लेकिन सत्र शुरू हुआ तो उसमें चर्चा जरूर हुई।बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी से भी महत्वपूर्ण रहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का महज 25 सीटों पर सिमट जाना. बिहार चुनाव के नतीजों ने 2014 के लोकसभा चुनाव की याद दिला दी. हालांकि, तेजस्वी यादव की आरजेडी को इतनी सीटें जरूर मिल गईं, जिससे नेता प्रतिपक्ष का पद मिल सके।2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन हो गया।आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में भी सत्ता पर काबिज हो गई, और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गई।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया लेकिन, भारत का मामला थोड़ा अलग रहा। ऑपरेशन सिंदूर में सीजफायर कराने के उनके दावे को खारिज किए जाने के बाद 27 अगस्त से भारत पर ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। यह कहकर कि सजा है रूसी तेल आयात करने की, जिससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए पैसा मिल रहा है। ट्रंप टैरिफ के बाद विपक्ष ने मोदी-ट्रंप दोस्ती को मुद्दा बनाकर बीजेपी सरकार की विदेश नीति पर हमला किया।चाहे इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ी अव्यवस्था हो, वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ता गुस्सा हो, भाजपा शासित राज्यों में बढ़ता भ्रष्टाचार हो या गिरता रुपया, मोदी सरकार अपनी ही अक्षमता में फंसी दिख रही है और रोजमर्रा के शासन की चुनौतियों से निपटने में जूझ रही है।अर्थव्यवस्था की लगातार सुस्ती भी मोदी के सपने के टूटने की एक बड़ी वजह है। निजी निवेश में काफी गिरावट आई है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में मोदी सरकार के विकास आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए हैं।भारतीय देश छोड़कर जा रहे हैं।पिछले पांच वर्षों में करीब 10 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है।पहलगाम और दिल्ली के लाल किले में हुए आतंकी हमलों ने गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे को गलत साबित कर दिया कि सीमा पार आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है।पहलगाम और दिल्ली में सुरक्षा की गंभीर चूक, खासकर यह तथ्य कि विस्फोटकों से भरी एक कार राष्ट्रीय राजधानी तक आसानी से पहुंच गई, ने चरमपंथ और उग्रवाद पर सख्ती से कार्रवाई करने वाली तथाकथित मजबूत सरकार की छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

तनवीर जाफ़री

'क्रिसमस' प्रत्येक वर्ष की भांति गत 25 दिसंबर को भी पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुबई की मशहूर एयरलाइन एमिरेट्स ने एक अनोखा वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके बड़े विमान एयरबस ए 380 को सांता क्लॉज की जादुई स्लेज में बदल दिया गया है। इस विमान को 'स्लेज 380' का नाम दिया गया है। इस वीडियो में ए380 को रुडॉल्फ रेनडियर की तरह लाल नाक और बड़े सींग लगाए गए हैं, और उपहारों से भरी एक विशाल स्लेज विमान से जुड़ी दिखती है। विमान रनवे पर दौड़ता है और आसमान में उड़ान भरता है, जैसे सांता दुनिया भर में गिफ्ट बांटने जा रहा हो। एमिरेट्स ने इस सीजन में यात्रियों को खास तोहफे भी दिए, जिसमें फेस्टिव ड्रिंक्स, थीम्ड मिठाइयां, विंटर-स्टाइल लाउंज और लिमिटेड एडिशन क्रिसमस गिफ्ट शामिल हैं। वैसे भी चूँकि क्रिसमस मनाने के साथ ही नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं इसलिये भी दुनिया के सभी देश व सभी धर्मों व वर्गों के लोग भी क्रिसमस मनाने में अपनी दिलचस्पी दिखाते हैं।

भारत में भी लगभग 2.8 करोड़ ईसाई रहते हैं जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 2.3% है। ईसाई समुदाय भारत में तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है। लिहाजा यहाँ भी ईसाई समुदाय क्रिसमस, गुड फ्राइडे व नव वर्ष जैसे अपने सभी त्यौहार सदियों से मनाते आ रहे हैं। वैसे भी ब्रिटिशकाल में भारत में अंग्रेजों ने जहां विकास सम्बन्धी तमाम इबारतें लिखीं वहीं उनके शासन में देश भर में अनेक बड़े व ऐतिहासिक चर्च, स्कूल व अस्पताल भी निर्मित किये गये। आज भी क्रिश्चियन मिशनरी देश की शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रही है। इन सब वास्तविकताओं को दरकिनार कर देश का एक दक्षिणपंथी वर्ग ऐसा है जिसके संस्कारों में ही धर्म विशेष के लोगों से नफरत करना व उनके धार्मिक रीति रिवाजों व परंपराओं का विरोध करना शामिल है। नकारात्मकता की सोच से भरे इसी विचारधारा के लोग विगत कई वर्षों से क्रिसमस त्यौहार मनाये जाने का विरोध करते आ रहे हैं। जबकि 'सर्व धर्म समभाव ' जैसे गांधीवादी विचारों का अनुसरण करने वाला देश का आम नागरिक सभी धर्मों के त्योहारों व परंपराओं व रीति रिवाजों में खुशी से शरीक होकर प्रत्येक उत्सव का आनंद लेना चाहता है साथ ही एक दूसरे धर्म के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहता है।

नफरत, नकारात्मकता, संकीर्णता व साम्प्रदायिक वैमनस्य की सोच से भरे इन्हीं तत्वों ने गत क्रिसमस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न चर्चों व सार्वजनिक स्थलों पर ऐसा तांडव किया जिसकी चर्चा देश के मीडिया में कम परन्तु विदेशी मीडिया में ज्यादा हुई। इस दौरान भारत के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय के विरुद्ध हुई घटनाओं में तोड़फोड़, हमले और उत्पात की कई रिपोर्ट्स सामने आईं। उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मैग्नेटो मॉल में भीड़ ने क्रिसमस डेकोरेशंस में तोड़फोड़ की, जिसमें लाखों का नुकसान हुआ। जबकि कांकेर जिले में दो चर्च जला दिये गए और कई ईसाई घरों को निशाना बनाया गया। इसी तरह असम के नालबाड़ी में सेंट मैरी स्कूल में वी एच पी कार्यकर्ताओं ने क्रिसमस बैनर्स और डेकोरेशंस को जलाया व स्कूल के पास की दुकानों पर भी हमले किये। इसी तरह केरल के पलक्कड़, चारूमूडु व पुडुसेरी में बच्चों के कैरोल ग्रुप पर हथियारों से हमला किया गया जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसी तरह मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी कुछ इलाकों में ईसाई धर्मावलंबियों की प्रार्थना सभाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान मारपीट और हंगामा किए जाने की खबर है जबकि झाबुआ में प्रेयर मीटिंग में व्यवधान डाला गया जिसमें एक नेत्रहीन महिला पर हमला किया गया। उत्तर प्रदेश में सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ लाउडस्पीकर पर बजाया गया, लखनऊ में कैथेड्रल सर्विस में तेज आवाज से धार्मिक भजन बजाए गये। इसी प्रकार राजस्थान के जोधपुर और नागौर में एक स्कूल में क्रिसमस बैनर्स तोड़े गए, नागौर में युवाओं ने स्कूल के सामने मंदिर का होने का बहाना बनाकर तोड़फोड़ की। दिल्ली के लाजपत नगर व पूर्वी दिल्ली में सेंटा कैप पहनी महिलाओं और बच्चों को बाजार से भगाया गया एक बाजार में जबरदस्त उत्पात मचाया गया। उत्तराखंड के हरिद्वार में एक होटल में क्रिसमस संबंधी एक आयोजन को रद्द करना पड़ा। जबकि ऋषिकेश में एक प्रार्थना सभा में व्यवधान डाला गया और जीसस और मैरी का अपमान करते हुये उन्हें अपशब्द कहे गए। ओडिशा के पुरी में सेंटा कैप बेचने वाले गरीब परिवार को धमकाया और भगाया गया जबकि महाराष्ट्र में मुंबई के काशीमीरा में क्रिसमस प्रोग्राम रोका गया तथा वहां मौजूद बच्चों से हिन्दू धर्म से जुड़े नारे लगवाए गये। देश भर में इस तरह कि 60 से भी अधिक घटनाओं के समाचार हैं और इन प्रत्येक घटनाओं का विरोध करने वालों में लगभग हर जगह संघ, बजरंग दल, वी एच पी, भाजपा व इनके सहयोगी अन्य हिंदुत्ववादी संगठनों के लोगों के शामिल होने की खबरें हैं।

ब्रिटेन से लेकर टर्की तक और कई अरब देशों का मीडिया भारत में क्रिसमस के अवसर पर मचाये गये तांडव को लेकर भारत को किस नजर से देख रहा है? बड़ा आश्चर्य है कि इस अवसर पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुँचते हैं और इससे जुड़ी कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साझा करते हुये लिखते हैं कि "दिल्ली में द कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की सर्विस में शामिल हुआ। सर्विस में प्यार, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलका। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और भाईचारा लाए।" सवाल यह है कि नरेंद्र मोदी भी संघ की उसी पाठशाला के 'विद्यार्थी' रहे हैं जिसमें संघ संस्थापक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर कम्युनिस्ट विचारधारा, ईसाई और मुसलमान जैसे समुदाय को भारत की राष्ट्रीय पहचान और हिंदू संस्कृति के लिए खतरा समझते थे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुंचकर शांति व प्रेम का सन्देश देना कितना वास्तविक है और कितना औपचारिक या दिखावा? और यदि वास्तव में मोदी को क्रिसमस के अवसर पर करुणा का शाश्वत संदेश झलकते दिखाई दिया तो उसी विचारधारा के लोगों द्वारा हिंसा और उद्दंडता का ऐसा साम्प्रदायिक प्रदर्शन क्यों जिससे दुनिया में देश की बदनामी हो? दरअसल यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

ईशान खट्टर के लिए बेहद खास रहा साल 2025

दिखाई खूबसूरत पलों की झलक

अभिनेता ईशान खट्टर के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। उन्होंने सोशल मीडिया पर खूबसूरत पलों की झलक शेयर कर खुद को खुशनसीब बताया। ईशान ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। इसमें उन्होंने इस साल को अपने लिए खास बताते हुए शुक्रिया भी अदा किया है। उन्होंने साल के खत्म होने पर ली गई छुट्टी को परफेक्ट और जरूरी बताया।

ईशान खट्टर ने पोस्ट में लिखा, 'यह साल बहुत खास रहा है। साल 2026 में कदम रखते हुए फिर से एनर्जी और शांति महसूस हो रही है। नए साल को लेकर बहुत उत्साहित हूं। करियर के हिसाब से अभिनेता के लिए यह साल शानदार रहा। इस साल वह कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बने, जिसमें उनके एक्टिंग की काफी तारीफ हुई। उन्होंने कई भूमिकाओं में खुद को साबित किया और दर्शकों का दिल जीता। साल की शुरुआत में ईशान नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आए। प्रियंका घोष और नूपुर अस्थाना के निर्देशन में बनी सीरीज में ईशान के साथ भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, विहान सामत, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट निर्देशक नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' है। यह फिल्म साल 2020 में बशारत पीर के लेख पर आधारित है। इसमें ईशान के साथ जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। 'होमबाउंड' का विश्व प्रीमियर मई 2025 में कान फिल्म फेस्टिवल के 'अन सर्टेन रिगार्ड' सेक्शन में हुआ। वहां स्क्रीनिंग के बाद फिल्म को पूरे नौ मिनट तक खड़े होकर तालियां मिलीं, जो किसी भी फिल्म के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

शुभांगी अत्रे या शिल्पा शिंदे

विदिशा का किसके साथ काम करने का अनुभव रहा बेहतर?

टीवी इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए लंबे समय तक एक शो में काम करना और लगातार दर्शकों के साथ जुड़ाव बनाए रखना आसान नहीं होता। खासकर जब शो का कोई किरदार बदलता है, तो नए और पुराने कलाकारों के बीच तालमेल स्थापित करना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कुछ ऐसा ही लोकप्रिय टीवी शो भाभीजी घर पर हैं में देखने को मिला, जहां अंगूरी भाभी का रोल अब शिल्पा शिंदे निभा रही हैं, जबकि पहले यह किरदार शुभांगी अत्रे कर रही थीं। इस बदलाव के बीच अनीता भाभी का रोल निभाने वाली अभिनेत्री विदिशा श्रीवास्तव ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि दोनों अभिनेत्रियों के साथ काम करके कैसा महसूस हुआ। विदिशा ने कहा, जब मैंने शुभांगी अत्रे के साथ काम करना शुरू किया था, तब मैं खुद शो में नई थी। मेरे और शुभांगी के बीच तालमेल बहुत अच्छा था और मुझे उनके साथ काम करने में कोई परेशानी नहीं हुई। मैंने उनके साथ चार साल तक काम किया। इस दौरान हमारे बीच काम का माहौल सहज और सकारात्मक था। उन्होंने कहा, शुभांगी के साथ बिताए गए पलों ने शो के सेट की आदत डालने और खुद को सहज महसूस कराने में मदद की। विदिशा ने कहा, अब जब मैंने शिल्पा शिंदे के साथ काम करना शुरू किया, तो यह अनुभव भी बहुत अच्छा रहा। पहले मैंने शिल्पा के साथ उनके सहयोगियों की अच्छी केमिस्ट्री के बारे में सुना था और अब खुद इस अनुभव को महसूस कर रही हूं। शिल्पा के साथ काम करना बहुत आसान और आरामदायक है। उनका मिलनसार स्वभाव काम करने को सुखद बनाता है। उन्होंने कहा, शिल्पा के साथ सेट पर हंसी-मजाक भरे पल भी साझा हुए। शुभांगी लंबे समय तक शो का हिस्सा रही हैं, लेकिन शिल्पा के साथ काम करना ज्यादा आनंददायक और उत्साहपूर्ण लगता है।

सुनील ने ठुकराया 40 करोड़ रुपए का

तंबाकू का विज्ञापन

अभिनेता सुनील शेट्टी 64 साल की उम्र में भी अपनी फिटनेस के लिए अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। सुनील शेट्टी खुद को एक फैमिली मैन और उसूलों वाला इंसान मानते हैं। अब अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने उसूलों के चलते तंबाकू और पान मसाले के एक विज्ञापन को ठुकरा दिया था। जबकि उस विज्ञापन के लिए उन्हें 40 करोड़ रुपए की मोटी रकम मिल रही थी।

मैं अपने आदर्शों से समझौता नहीं कर सकता

हालिया बातचीत में सुनील शेट्टी ने कहा कि मैंने तंबाकू प्रोडक्ट के 40 करोड़ रुपए के ऑफर को इसलिए ठुकरा दिया, क्योंकि मेरे लिए वित्तीय लाभ से कहीं अधिक ईमानदारी और अपने परिवार के लिए आदर्श मायने रखते हैं। एक्टर ने बताया कि मुझे तंबाकू के विज्ञापन के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव मिला था। मैंने उनकी तरफ देखकर कहा कि क्या आपको लगता है कि मैं पैसों के लालच में आ जाऊंगा? मैं नहीं आऊंगा। मैं ऐसा कुछ भी नहीं करूंगा जिससे अहान और अथिया की छवि खराब हो। अब तो कोई मेरे पास ऐसे प्रस्ताव लेकर आने की हिम्मत भी नहीं करता। कुछ करोड़ रुपये के लिए मैं अपने आदर्शों से बिल्कुल भी समझौता नहीं करूंगा।

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा'

विजय थलापति की 'फैन गर्ल' हैं मालविका मोहनन, उन्हें बताया खास इंसान

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म 'जन नायगन' का ऑडियो लॉन्च होने को तैयार है, जिसे लेकर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने अपनी खुशी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जाहिर की। मालविका ने बताया कि वह विजय की 'फैन गर्ल' हैं। मालविका ने खुद को थलापति विजय की फैन गर्ल बताया और कहा कि वे हमेशा उनके और उनकी टीम के लिए चीयर करती रहेंगी। मालविका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि विजय के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। इसके लिए उन्होंने खुद को लकी भी बताया। मालविका ने पोस्ट में लिखा, 'इससे पहले कि मैं अपनी फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में बिजी हो जाऊं, मैं 'जन नायगन' के ऑडियो लॉन्च के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करना चाहती हूं। विजय सर के साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है और उनके जैसा दोस्त पाना इससे भी बड़ी बात है। वह हर मायने में खास इंसान हैं। मैं दुनिया भर में फैले उनके फैंस की तरह फिल्म की पूरी टीम के लिए चीयर करूंगी। मैं थलपति फैन गर्ल हूं। मालविका विजय के साथ साल 2021 में आई फिल्म 'मास्टर' में साथ काम कर चुकी हैं, जिसमें वह विजय के साथ मुख्य भूमिका में थीं। उस फिल्म में विजय सेतुपति भी हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल थी। मालविका, विजय को 'विजय सर' कहकर सम्मान देती हैं। दोनों के बीच दोस्ती का अच्छा बॉन्ड है। वहीं, 'जन नायगन' थलपति विजय की 69वीं फिल्म है और इसे उनकी आखिरी फिल्म माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद वे पूरी तरह राजनीति में सक्रिय हो जाएंगे। फिल्म का निर्देशन एच विनोद कर रहे हैं और इसमें पूजा हेगड़े लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगी। शनिवार को फिल्म का ग्रैंड ऑडियो लॉन्च मलेशिया के कुआलालंपुर में निर्धारित है।

धुरंधर की सफलता से अनुपम खुश

फिल्म को बताया प्रोपेगेंडा बताने वालों के मुंह पर तमाचा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का क्रेज फैंस से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स के सिर चढ़कर बोल रहा है। जो भी फिल्म को देख रहा है, वो तारीफ किए बिना नहीं रह पा रहा है। अभिनेता अनुपम खेर का कहना है कि ये फिल्म उन सभी के मुंह पर तमाचा है, जिन्होंने फिल्म को प्रोपेगेंडा साबित करने की कोशिश की थी। अनुपम खेर ने फिल्म धुरंधर की सफलता और फिल्म पर प्रोपेगेंडा का तमगा लगा देने वाले लोगों के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेता इस फिल्म का हिस्सा नहीं है, लेकिन फिर भी वे फिल्म की अपार सफलता से बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि फिल्म ने हिंदी सिनेमा में बनने वाली फिल्मों को नई राह दिखाई है।

उन्होंने एक वीडियो में कहा, 'मेरा फिल्म से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन फिल्म इतनी सफलता पा रही है कि देश-विदेश से लोग मुझे फोन करके धुरंधर के बारे में पूछ रहे हैं। एक अभिनेता होने के नाते मेरे लिए ये खुशी की बात है, लेकिन मुझे इस चीज की भी खुशी है कि फिल्म को कुछ लोगों ने प्रोपेगेंडा फिल्म साबित करने की कोशिश की, लेकिन वे कामयाब नहीं रहे। अपनी फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' और 'द कश्मीरी फाइल्स' को याद कर उन्होंने कहा कि 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को कुछ लोगों ने प्रोपेगेंडा साबित कर दिया था और ये मेरे लिए दुख की बात थी। 'द कश्मीरी फाइल्स' के साथ भी यही हुआ था, लेकिन धुरंधर ने प्रोपेगेंडा बताने वालों के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा है। मेरे 41 साल के करियर में मैंने कई लैंडमार्क वाली फिल्में देखी हैं, लेकिन लंबे समय बाद धुरंधर ने हिंदी सिनेमा को नई दिशा दी है। अभिनेता का मानना है कि धुरंधर की वजह से उनके अंदर पूरे जोश से काम करने की नई ऊर्जा जागी है।

पहली पसंद तमन्ना भाटिया को लेकर क्रिस्टल डिसूजा ने दी प्रतिक्रिया

सुपरहिट फिल्म 'धुरंधर' इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने 'शरारत' को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'शरारत' में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ 'बिग बॉस 17' फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''शरारत' जैसे गाने के जरिए 'धुरंधर' जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थी, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। क्रिस्टल ने बताया, 'जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि 'शरारत' गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई। जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था।

'जख्म लगे तो मेडल समझना...

सलमान के बर्थडे पर फैंस को तोहफा; 'बैटल ऑफ गलवां' का टीजर रिलीज

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का टीजर सामने आया है। जानिए जन्मदिन पर रिलीज हुए इस टीजर में क्या है खास... सलमान खान के जन्मदिन के मौके पर भाईजान की ओर से अपने फैंस को तोहफा दिया गया है। सलमान की मच अवेटेड फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का टीजर सामने आ गया है। यह सिर्फ एक बर्थडे रिवील नहीं है, बल्कि देश की सीमाओं पर डटे भारतीय जवानों और उनके अटूट साहस को समर्पित एक दिल से दी गई श्रद्धांजलि भी है।

मौत दिखे तो सलाम करना...

1 मिनट 12 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत सलमान खान के वॉइस ओवर और लद्दाख में गलवां की घाटियों से होती है। इस वॉइस ओवर में सलमान खान कहते हैं, 'जवानों याद रहे जख्म लगे तो मेडल समझना और मौत दिखे तो सलाम करना।'

साभार एजेंसी

गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच रहेंगे

बीसीसीआई सचिव सैकिया बोले- लक्ष्मण को कोच बनाने की खबर गलत, बोर्ड ने कोई कदम नहीं उठाया

नईदिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर ही भारत के टेस्ट कोच बने रहेंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने साफ किया है कि टेस्ट टीम के नए कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण से संपर्क किए जाने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने टेस्ट टीम के लीडरशिप ग्रुप में बदलाव को लेकर कोई फैसला नहीं किया है।

सैकिया ने मीडिया से बातचीत में कहा, यह खबर पूरी तरह तथ्यहीन है। कुछ प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान भी इसे चला रहे हैं, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीसीसीआई इसका सीधा खंडन करता है। यह सिर्फ कल्पना पर आधारित खबर है।

लक्ष्मण को कोच बनाए जाने की खबर

हाल के दिनों में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया था कि टेस्ट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद वीवीएस लक्ष्मण को अगला टेस्ट कोच बनाया जा सकता है। यह अटकलें ऐसे समय में सामने आईं, जब भारत को घर में साउथ अफ्रीका से 2-0 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ भी टीम को 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

वनडे-टी-20 में भारत का प्रदर्शन मजबूत

टेस्ट क्रिकेट में हालिया नाकामियों के उलट, सीमित ओवरों में टीम इंडिया का प्रदर्शन मजबूत रहा है। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप टी20 बिना कोई मैच हारे जीता। हालांकि टेस्ट में भारत ने उनके कार्यकाल में 7 मैच जीते, 10 हारे और 2 ड्रॉ खेले हैं।

अगली चुनौती टी-20 वर्ल्ड कप

आगे की बात करें तो फिलहाल भारत की सबसे बड़ी चुनौती टेस्ट नहीं, बल्कि टी-20 वर्ल्ड कप है। टीम अपने खिताब का बचाव करेगी। इस बार टीम की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथ में होगी। टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरू होगा और भारत अपना पहला मैच उसी दिन मुंबई में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा।

श्रीलंका सीरीज के लिए पाकिस्तान की टी-20 टीम घोषित

बाबर-शाहीन-रऊफ बाहर, शादाब खान की वापसी, ख्वाजा नफे को पहली बार मौका

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। पूर्व कप्तान और टी-20 में पाकिस्तान के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बाबर आजम को इस टीम में शामिल नहीं किया गया है। वहीं, वनडे कप्तान शाहीन शाह अफरीदी और टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले हारिस रऊफ को भी बाहर रखा गया है। टीम की कमान एक बार फिर सलमान अली आगा को सौंपी गई है। यह सीरीज फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान की आखिरी टी-20 सीरीज होगी। तीनों मुकाबले श्रीलंका के दांबुला में 7, 9 और 11 जनवरी को खेले जाएंगे। इस टीम में ऑलराउंडर शादाब खान की वापसी हुई है। वे जून 2025 में बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर थे। उस सीरीज में पाकिस्तान ने 3-0 से जीत दर्ज की थी, जिसमें शादाब ने 4 विकेट लिए और 55 रन बनाए थे।

लौरा ने महिला टी-20 की फास्टेस्ट फिफ्टी की बराबरी की

सुपर स्मैश में 15 गेंद में 50 रन पूरे किए; 6 चौके, 4 छक्के जमाए

एलेक्जेंड्रा (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में चल रही महिला सुपर स्मैश में ऑस्ट्रेलिया की विस्फोटक बल्लेबाज लौरा हैरिस ने इतिहास रच दिया। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर महिला टी-20 क्रिकेट के सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड की वारविकशर खिलाड़ी मैरी केली के नाम था।

रविवार को एलेक्जेंड्रा के मोलिन्यू पार्क में खेले गए मुकाबले में ओटागो को जीत के लिए 146 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 6 ओवर में 46 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में लौरा हैरिस क्रीज पर उतरीं और आक्रामक बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल दिया।

हैरिस ने महज17 गेंदों में 52 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत ओटागो ने लक्ष्य को 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया। हैरिस कैबी सुलिवन की गेंद पर डीप में कैच आउट हुईं, लेकिन तब तक जीत लगभग तय हो चुकी थी। हालांकि हाल ही में खत्म हुए विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) का सीजन हैरिस के लिए निराशाजनक रहा। सिडनी थंडर की ओर से उन्होंने 10 मैचों में 8 पारियों में सिर्फ 69 रन बनाए।

टी-20 क्रिकेट में 6 बार 20 से कम गेंदों में अर्धशतक जड़ा

लौरा हैरिस ने अपने टी-20 करियर में अब तक 6 बार 20 गेंदों से कम में अर्धशतक पूरे किए हैं। इनमें एक 15 गेंदों में, एक 17 गेंदों में, तीन 18 गेंदों में और एक 19 गेंदों में आई फिफ्टी शामिल है। महिला क्रिकेट में किसी अन्य बल्लेबाज ने यह कारनामा एक से ज्यादा बार नहीं किया है। इस साल की शुरुआत में हैरिस ने इंग्लैंड में वारविकशायर की ओर से खेलते हुए 17 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

दो बड़े अंतरराष्ट्रीय पदक जीतकर भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने किया 2025 का सफल समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दो बड़े अंतरराष्ट्रीय पदक सुल्तान ऑफ जोहोर कप में रजत और एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु में कांस्य जीतकर वर्ष 2025 का समापन एक बहुत ही सफल साल के तौर पर किया। पूरे साल पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में कई गहन राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से कोच ने एक टीम बनाई और खिलाड़ियों को दिसंबर में जूनियर विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार किया।

भारत की प्रतिस्पर्धी तैयारी जून में चार देशों के टूर्नामेंट से शुरू हुई, जो अच्छी यूरोपीय टीमों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण तैयारी का अवसर था। मेजबान जर्मनी के साथ-साथ स्पेन और ऑस्ट्रेलिया का सामना करते हुए, भारतीय जूनियर टीम ने बड़ी टीमों के खिलाफ अपनी योजना परीक्षण किया और टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही।

उन्होंने अक्टूबर में 2025 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में उसी लय और सीख को आगे बढ़ाया, जहां भारत ने रजत पदक जीतने के लिए एक मजबूत और लगातार प्रदर्शन किया। टीम ने ग्रेट ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और मलेशिया पर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की और पाकिस्तान के साथ 3-3 से ड्रॉ भी खेला और लीग चरण में शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में पहुंची।

खिताबी मुकाबले में भारत ने 59वें मिनट में एक दुर्भाग्यपूर्ण गोल खाया और ऑस्ट्रेलिया से 1-2 से हार गई और रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यह सारी तैयारी टीम को एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 तक ले गई, जो सीजन का सबसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था, जहां भारत ने घरेलू धरती पर एक यादगार अभियान चलाया।

भारत ने पूल चरण में क्रमशः चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड पर तीन आसान जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। क्वार्टर-फाइनल एक निर्णायक पल साबित हुआ, क्योंकि भारतीय टीम ने अपना संयम बनाए रखा और शूटआउट में बेल्जियम को 4-3 से हराकर सेमी- फाइनल में जगह बनाई। गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने शूटआउट में दो अहम बचाव करके शानदार क्लास और हिम्मत दिखाई, जिससे भारत टूर्नामेंट में आगे बढ़ सका।

दुर्भाग्य से भारत सेमी-फाइनल में चैंपियन जर्मनी से 1-5 से हार गया, लेकिन तीसरे/चौथे स्थान के प्लेऑफ में टीम ने शानदार वापसी करते हुए अर्जेंटीना के खिलाफ अविश्वसनीय प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। चौथे क्वार्टर तक दो गोल से पीछे होने के बावजूद, भारत ने मैच के आखिरी 15 मिनट में अपना सब कुछ लगा दिया और लगातार चार गोल करके मैच को अपने नाम किया और साल का दूसरा अंतरराष्ट्रीय पदक जीता।

कप्तान रोहित पूरे सीजन में एक प्रभावशाली कप्तान के रूप में उभरे और साथ ही उन्होंने अपनी ड्रैगफ्लिकिंग स्किल्स को भी बेहतर बनाया, जो अहम मैचों में एक मुख्य हथियार बन गया। आक्रमण में, दिलराज सिंह और अर्शदीप सिंह ने लगातार गोल किए, जिससे भारत को फॉरवर्ड लाइन में बढ़त मिली। डिफेंस में, प्रिंस दीप सिंह एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में परिपक्व हुए, उन्होंने ज्यादा दबाव वाली स्थितियों में भी शांत प्रदर्शन किया, जबकि अनमोल एक्का टीम के इंजन के रूप में उभरे, उन्होंने मिडफील्ड से खेल को नियंत्रित किया और डिफेंस को आक्रमण से जोड़ा। एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक और 2025 सुल्तान ऑफ जोहोर कप में रजत पदक के साथ, इस सीजन में न केवल नतीजे मिले, बल्कि हॉकी इंडिया के विजन के तहत भारतीय हॉकी के भविष्य के लिए एक मजबूत नींव भी रखी गई है।

मनमीत सिंह सबसे अधिक गोल किए

मनमीत सिंह छह गोल के साथ भारत के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि शरदानंद तिवारी और दिलराज सिंह ने पांच-पांच गोल किए। जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम एक स्थिर और आत्मविश्वासी टीम के रूप में सामने आई। कई खिलाड़ियों ने अहम पलों पर शानदार प्रदर्शन किया।

पोलार्ड ने एक ओवर में ठोके 30 रन

मुंबई एमिरेट्स ने क्वालीफायर एक में पक्की की जगह

अबूधाबी (एजेंसी)। स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान कीरोन पोलार्ड की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत एमआई एमिरेट्स ने दुबई कैपिटल्स पर 8 विकेट से आसान जीत हासिल करके आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शीर्ष दो में अपनी जगह पक्की कर ली। पोलार्ड ने एक ओवर में 30 रन ठोककर टीम को जीत सुनिश्चित की।

एमआई एमिरेट्स के स्पिनरों ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखा और कैपिटल्स को आठ विकेट पर 122 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। उसकी तरफ से कप्तान मोहम्मद नबी ने सर्वाधिक नाबाद 22 रन बनाए। एमआई एमिरेट्स के लिए आकाश गजनफर ने 28 रन देकर तीन विकेट लिए और शाकिब अल हसन ने चार ओवरों में 11 रन देकर एक विकेट लिया।

पोलार्ड की 31 गेंदों में खेली गई नाबाद 44 रन की पारी से एमआई एमिरेट्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 126 रन बनाकर इस सत्र की अपनी लगातार पांचवीं जीत हासिल की। इसमें से 30 रन एक ही ओवर में आए।

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 2026

ग्रेडिंग में बड़े बदलाव के संकेत, गिल का ए+ प्रमोशन तय

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) जल्द ही टीम इंडिया के खिलाड़ियों के लिए 2026 का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट घोषित करने वाला है। इस बार खिलाड़ियों की ग्रेडिंग में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का ग्रेड डाउनग्रेड हो सकता है, जबकि शुभमन गिल को प्रमोशन मिलने की पूरी संभावना है।

रोहित-विराट को लग सकता है झटका?- रोहित शर्मा और विराट कोहली को पहले ए+ ग्रेड में रखा गया था, क्योंकि वे तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) खेल रहे थे। हालांकि, पिछले एक साल में दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में नजर आते हैं। इसी वजह से कयास लगाए जा रहे हैं कि बीसीसीआई उन्हें ए+ से नीचे के ग्रेड में डाल सकता है।

कार्लसन ने गुस्से में कैमरामैन को धक्का दिया

5 बार के चेस चैंपियन वर्ल्ड रैपिड में रूस के आर्टेमिएव से हारे

मास्को (एजेंसी)। एफआईडीई वर्ल्ड रैपिड चैंपियनशिप में हार के बाद वर्ल्ड नंबर-1 और 5 बार के चैंपियन मैग्नस कार्लसन गुस्से में दिखे। रूस के व्लादिस्लाव आर्टेमिएव से मुकाबला हारने के बाद बाहर जाते वक्त उन्होंने कैमरामैन को धक्का दे दिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

कतर की राजधानी दोहा में शनिवार को राउंड-7 में कार्लसन ने 15वीं चाल पर बड़ी गलती की, जिसका फायदा उठाकर आर्टेमिएव ने मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ आर्टेमिएव 6.5 अंक लेकर बाकी खिलाड़ियों से एक अंक आगे हो गए।

हार के बाद हॉल से तेजी से निकले- हार के बाद कार्लसन काफी नाराज दिखे और खेल हॉल से तेजी से बाहर निकल गए। बाहर जाते वक्त एक कैमरामैन उनके पीछे-पीछे चल रहा था। इसी दौरान गुस्से में कार्लसन ने कैमरामैन को धक्का दे दिया।

टूर्नामेंट में कार्लसन की शुरुआत मजबूत रही थी। पहले दिन उन्होंने 5 में से 4.5 अंक जुटाए। हालांकि दूसरे दिन उनका प्रदर्शन डगमगाया। राउंड-6 में उन्होंने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के खिलाफ ड्रॉ खेला।

8वें राउंड में वापसी की

कार्लसन ने राउंड-8 में आर्मेनिया के शांत सर्गस्यान को हराकर वापसी की। दिन के आखिरी राउंड में उन्होंने अमेरिका के रे रॉबसन के खिलाफ समय के दबाव के बावजूद बेहतर स्थिति बनाई। दो लगातार जीत के साथ कार्लसन 7 अंकों पर पहुंचकर चार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गए।

विमेंस में कोनेरू हम्पी टॉप पर

महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन कोनेरू हम्पी संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। उन्होंने चीन की झू जिनर के साथ 8 में से 6.5 अंक हासिल किए हैं। भारत की हरिका द्रोणावल्ली समेत 10 खिलाड़ी 6 अंकों से उनके पीछे हैं।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम इंडिया के कप्तान बने

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए कमान मिली, वर्ल्ड कप में आयुष म्हात्रे ही कप्तान होंगे

मुंबई (एजेंसी)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी को भारतीय अंडर-19 टीम का कप्तान बनाया गया है। वे साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम की कप्तानी करेंगे। हालांकि, वर्ल्ड कप में आयुष म्हात्रे ही कप्तान होंगे। वे इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को साउथ अफ्रीका टूर और अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान किया है। बोर्ड ने विहान मल्होत्रा को वर्ल्ड कप के लिए उपकप्तान बनाया है। विहान भी इंजरी के कारण साउथ अफ्रीका नहीं जा रहे हैं। भारत की युवा टीम का साउथ अफ्रीका दौरा 3 जनवरी से शुरू होगा। इसमें 3 वनडे खेले जाएंगे। इसके बाद टीम इंडिया 15 जनवरी से जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी।

नीरज-हिमानी की शादी का वीआईपी रिसेप्शन

मोदी आशीर्वाद देने पहुंचे, भगवान श्रीराम की मूर्ति दी, 150 स्पेशल गेस्ट को न्योता दिया था

सोनीपत (एजेंसी)। दिल्ली स्थित लीला होटल में हरियाणा के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर की वीआईपी ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी विशिष्ट मेहमानों की मौजूदगी के चलते चर्चा में रही। सीमित मेहमानों के बीच आयोजित यह समारोह पूरी तरह प्रोटोकॉल के तहत संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने पहुंचे। उनके आने से पहले होटल में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पीएम ने न सिर्फ जोड़े को आशीर्वाद दिया, बल्कि भगवान श्रीराम की मूर्ति भी भेंट की। रिसेप्शन पार्टी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समेत कई अन्य बड़ी हस्तियों को भी पहुंचना था, लेकिन वे नहीं आ सके। इन्हें नीरज ने खुद इनवाइट किया था। पार्टी में कुल 150 वीआईपी बुलाए गए थे। नीरज और मोर की शादी 19 जनवरी 2025 को एक प्राइवेट फंक्शन में हुई थी। दोनों ने सोलन के एक रिसॉर्ट में सात फेरे लिए थे। इसके बाद खेल के बिजी शेड्यूल के चलते दोनों ने अब रिसेप्शन दिया।

दिल्ली में रखा तीसरा रिसेप्शन- हरियाणा के स्टार जेवलिन थ्रोअर ओलिंपिक गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा ने शनिवार को शादी की तीसरी रिसेप्शन पार्टी दिल्ली में रखी थी। इससे पहले 25 दिसंबर को हरियाणा के करनाल स्थित द ईडन और जन्नत हॉल में 2 अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

देर रात तक चला हाई-प्रोफाइल समारोह

नीरज चोपड़ा और हिमानी मोर की रिसेप्शन पार्टी शाम करीब 7 बजे शुरू हुई, जो रात लगभग साढ़े 11 बजे तक चली। दिल्ली में आयोजित इस भव्य आयोजन में दोनों परिवारों की करीब 30 महिलाएं विशेष रूप से शामिल हुईं। कार्यक्रम को निजी और विशिष्ट बनाए रखने के लिए कुल 150 चुनिंदा लोगों को ही निमंत्रण भेजा गया था।

रिपोर्ट: बांग्लादेश में छह महीनों में हिंदुओं पर हमले की 71 घटनाएं

ढाका , एजेंसी।
एक मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक,बांग्लादेश में जून से दिसंबर 2025 के बीच ईशनिंदा के आरोपों से जुड़े कम से कम 71 हमले हिंदुओं पर हुए। यह रिपोर्ट ह्यूमन राइट्स कौंसिल फॉर बांग्लादेश माइनॉरिटीज (एचआरसीबीएम) ने जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये घटनाएं अलग-अलग नहीं, बल्कि एक लगातार चल रहे पैटर्न का हिस्सा हैं।

30 से ज्यादा जिलों में घटनाएं: रिपोर्ट के अनुसार, ये घटनाएं बांग्लादेश के 30 से अधिक जिलों में दर्ज की गईं। इनमें रंगपुर, चांदपुर, चटगांव, दिनाजपुर, लक्ष्मीनिरहाट, सुनामगंज, खुलना, कुमिल्ला, गाजीपुर, टांगाइल और सिलहट जैसे जिले शामिल हैं। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि इतने बड़े इलाके में बार-बार ऐसी घटनाएं होना इस बात का संकेत है कि अल्पसंख्यक समुदाय प्रणालीगत रूप से असुरक्षित हैं।

आरोप, फिर गिरफ्तारी और भीड़ की हिंसा
रिपोर्ट बताती है कि अक्सर किसी व्यक्ति पर सोशल मीडिया या निजी बातचीत में

ईशनिंदा करने का आरोप लगाया जाता है। इसके बाद पुलिस कार्रवाई होती है, भीड़ जमा हो जाती है, हिंसा फैलती है और पूरे हिंदू मोहल्लों को निशाना बनाया जाता है। कई मामलों में हिंसा सिर्फ आरोपी तक सीमित नहीं रही, बल्कि घरों, मंदिरों और दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मामलों में 90 फीसदी से ज्यादा आरोपी हिंदू थे, जिनमें 15 से 17 साल के नाबालिग भी शामिल हैं। 27 जुलाई 2025 को रंगपुर के बेटगारी यूनियन में एक 17 वर्षीय लड़के की गिरफ्तारी के बाद भीड़ ने कम से कम 22 हिंदू घरों में तोड़फोड़ की। एचआरसीबीएम के मुताबिक, कई आरोप फेसबुक पोस्ट से जुड़े थे। कई मामलों में अकाउंट हैक पाए गए, पोस्ट की सच्चाई साबित नहीं हो सकी, फिर भी पुलिस ने भीड़ के दबाव में गिरफ्तारी कर ली। अक्सर जांच पूरी होने से पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली गई।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जाए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हुई हिंसा के दौरान दो हिंदू युवकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। बांग्लादेश में हाल ही में हुई धार्मिक हिंसा की अमेरिकी विदेश विभाग ने कड़ी निंदा की है। वहीं, एक प्रभावशाली अमेरिकी सांसद ने बांग्लादेश में एक हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की लिंचिंग को भयानक बताया और धार्मिक नफरत की बिना शर्त निंदा करने का आग्रह किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों की श्रृंखला के बारे में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति, शांतिपूर्ण सभा और संघ की स्वतंत्रता का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका सभी रूपों में धार्मिक हिंसा की बिना शर्त निंदा करता है और हम बांग्लादेशी अंतरिम सरकार द्वारा बांग्लादेश में सभी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का स्वागत करते हैं। गौरतलब है कि भालुका के एक कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की 18 दिसंबर को जान चली गई। उन पर भीड़ ने हमला किया, पीट-पीटकर मार डाला गया और ईशनिंदा के आरोपों के बाद उनके शरीर को आग लगा दी गई। इस हत्या ने देश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं की स्थिति पर जांच को तेज कर दिया है।

नेपाल में आम चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक उलटफेर

बालेन शाह पीएम उम्मीदवार घोषित

काठमांडु, एजेंसी।
नेपाल की राजनीति में बड़ा मोड़ सामने आया है। भारत विरोधी सोच रखने वाले काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेंद्र शाह उर्फ बालेन को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने आगामी आम चुनाव के लिए प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। देश में आम चुनाव 5 मार्च को होने हैं। काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, जबकि रबी लामिछाने भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में चौथी सबसे बड़ी पार्टी आरएसपी के अध्यक्ष बने रहेंगे। समझौते के अनुसार, बालेन और उनका समूह निर्वाचन आयोग द्वारा आवंटित आरएसपी के चुनाव चिह्न 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। समझौते के बाद रबी लामिछाने ने कहा कि यह सहमति व्यक्तिगत नेताओं की महत्वाकांक्षाओं के बजाय देश की जरूरतों को प्रतिबिंबित करनी चाहिए। उन्होंने यह बात रविवार सुबह फेसबुक पोस्ट में कही। समझौते में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवा पीढ़ी द्वारा शुरू किए गए आंदोलन की जिम्मेदारी ली है और 'जेन-जेड के प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाई गई मांगों को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समझौता युवा-नेतृत्व वाली उन उभरती राजनीतिक ताकतों को एकजुट करने की दिशा में एक अहम कदम है, जिन्होंने सितंबर के आंदोलन का नेतृत्व किया था।

इसी आंदोलन के कारण के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई थी। इस समझौते के बाद बड़ी संख्या में 'जेन-जेड समर्थकों के आरएसपी में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग के नेतृत्व वाले एक अन्य नवगठित दल उज्यालो नेपाल पार्टी (यूएनपी) ने गठबंधन में शामिल होने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। मंत्री ने एकजुटता और सहयोग पर बालेन के साथ कई दौर की वार्ता की है। समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के दौरान आरएसपी के वरिष्ठ नेता डॉ. स्वर्णिम वागले, डी.पी. आर्यल और शिशिर खनाल मौजूद थे।

यह सपना नहीं, बांग्लादेश के लिए योजना...,

● 17 साल बाद वतन वापसी पर तारिक रहमान ने लिखा खुला पत्र

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश की राजनीति में एक भावनात्मक और ऐतिहासिक पल तब देखने को मिला, जब पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और शहीद राष्ट्रपति जियाउर रहमान के बेटे तथा बीएनपी नेता तारिक रहमान ने 17 वर्षों बाद देश वापसी के बाद बांग्लादेश की जनता के नाम एक खुला पत्र लिखा। यह पत्र उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किया। मिट्टी पर लौटना उनके जीवन का सबसे भावुक क्षण है। उन्होंने कहा कि ढाका की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब, लोगों की दुआएं और अपनापन वह कभी नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने जनता के प्यार और सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि यह स्वागत उनके और उनके परिवार के लिए अविस्मरणीय है। अपने भविष्य के विजन को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि उनका सपना नहीं, बल्कि एक ठोस योजना है एक ऐसा बांग्लादेश जहां शांति, गरिमा और सुरक्षा हो और हर बच्चे को बेहतर भविष्य की उम्मीद मिले।

सभी बांग्लादेशियों का जताया आभार

तारिक रहमान ने अपने समर्थकों, नागरिक समाज, युवाओं, किसानों, श्रमिकों और विभिन्न पेशेवर वर्गों का धन्यवाद करते हुए कहा कि बांग्लादेश की असली ताकत उसकी एकजुट जनता में है। उन्होंने मीडिया की भूमिका की भी सराहना की और सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले प्रशासनिक तंत्र को धन्यवाद दिया। पत्र में उन्होंने अन्य राजनीतिक दलों और आंदोलनों के नेताओं के प्रति भी आभार जताया, जिन्होंने उनकी वापसी का स्वागत किया। तारिक रहमान ने लोकतंत्र, बहुदलीय व्यवस्था और बदले की राजनीति से ऊपर उठकर शांतिपूर्ण राजनीतिक संस्कृति की जरूरत पर जोर दिया। तारिक रहमान गुरुवार को ढाका लौटे, जहां उनकी पार्टी के हजारों समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। वह अपनी पत्नी जुबैदा और बेटी जाइमा के साथ ढाका पहुंचे।

सीट-बंटवारे को लेकर जमात के साथ समझौते की तैयारी कर रही एनसीपी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी में आम चुनाव होने वाले हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के खिलाफ 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों से उभरी नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) चुनावों से पहले एक मजबूत राजनीतिक आधार स्थापित करने के लिए कथित तौर पर संघर्ष कर रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एनसीपी अब सीट-बंटवारे को लेकर जमात-ए-इस्लामी के साथ एक संभावित समझौते की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। जिन छात्रों ने मुहम्मद यूनुस को अंतरिम प्रशासन के प्रमुख के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, उन्हीं छात्रों द्वारा गठित इस पार्टी के बारे में व्यापक रूप से माना जाता है कि इसे यूनुस का संरक्षण प्राप्त है। प्रारंभ में एनसीपी को बांग्लादेश के पारंपरिक सत्ता केंद्रों - बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी - से इतर एक तीसरी राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरने के महत्वाकांक्षी प्रयास के रूप में देखा गया था। गौरतलब है कि वर्षों तक देश की राजनीति में प्रभुत्व रखने वाली अवामी लीग को अंतरिम सरकार द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है। बहरहाल, इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर अक्सी-खासी मौजूदगी के बावजूद एनसीपी कथित तौर पर डिजिटल लोकप्रियता को जमीनी समर्थन में तब्दील करने में नाकाम रही है।

12 घंटे में 1000 से ज्यादा पुरुषों से बनाए संबंध

● महिला ने खुद कबूला...

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की विवादास्पद एडल्ट कंटेंट क्रिएटर बॉनी ब्लू उर्फ टिया बिलिंगर को इंडोनेशिया ने बाली से डिपोर्ट कर दिया है। अधिकारियों ने उन पर कम से कम 10 साल के लिए इंडोनेशिया में दोबारा प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कार्रवाई के बाद बॉनी ब्लू एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गई हैं। वह पहले भी 2025 की शुरुआत में 12 घंटे में 1,057 पुरुषों के साथ संबंध बनाने के दावे को लेकर चर्चा में रही थीं।

ब्रिटेन की विवादास्पद एडल्ट कंटेंट क्रिएटर बॉनी ब्लू उर्फ टिया बिलिंगर को इंडोनेशिया ने बाली से डिपोर्ट कर दिया है। अधिकारियों ने उन पर कम से कम 10 साल के लिए इंडोनेशिया में दोबारा प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। शुक्रवार को हुई इस कार्रवाई के बाद बॉनी ब्लू एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गई हैं। वह पहले भी 2025 की शुरुआत में 12 घंटे में 1,057 पुरुषों के साथ संबंध बनाने के दावे को लेकर चर्चा में रही थीं।

बॉनी ब्लू इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और फिजी से भी विवादों के चलते डिपोर्ट की जा चुकी हैं। ताजा मामला बाली का है, जहां वह एक नीले पिकअप ट्रक में घूमते हुए कथित तौर पर एडल्ट कंटेंट शूट कर रही थीं। एक «जिम्मेदार नागरिक» की शिकायत पर पुलिस ने एक स्टूडियो पर छापा मारा, जहां बॉनी के साथ तीन अन्य पुरुष- दो ब्रिटिश और एक ऑस्ट्रेलियाई- भी मौजूद थे। शुरुआत में मामला इंडोनेशिया के सख्त पोर्नोग्राफी कानूनों के तहत दर्ज किया गया, जिसमें 15 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रावधान है। हालांकि जांच के दौरान बॉनी ब्लू के खिलाफ पोर्नोग्राफी से जुड़ा ठोस सबूत नहीं मिला। इसके बाद मामला टूरिस्ट वीजा के दुरुपयोग और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन तक सीमित रह गया। उन पर बिना लाइसेंस ड्राइविंग और वाहन के रजिस्ट्रेशन न होने जैसे आरोप तय किए गए। अदालत ने मामूली जुर्माना लगाया और डिपोर्टेशन का आदेश दिया। इमिग्रेशन प्रमुख हेरु विनारको ने कहा कि बॉनी छुट्टियां मनाने के लिए आई थीं, लेकिन उन्होंने वीजा शर्तों का उल्लंघन कर काम किया। अदालत से बाहर निकलते समय बॉनी को कैमरों के सामने मुस्कुराते और किस उड़ाते हुए भी देखा गया।

एक महीना नहीं मिलेंगे कंडोम....

हिंसा और राजनीति के बाद अब नई मुसीबत

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश इस वक्त कई गंभीर संकटों से घिरा हुआ है। छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बीच अब देश के सामने एक ऐसा संकट खड़ा हो गया है, जो सीधे आम लोगों की निजी जिंदगी और भविष्य से जुड़ा है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 की शुरुआत में बांग्लादेश में कम से कम एक महीने तक कॉन्डम की सप्लाई पूरी तरह बंद हो सकती है। यह स्थिति ऐसे समय सामने आई है, जब देश में जन्म दर बढ़ने के संकेत मिलने लगे हैं, जिससे सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियों की चिंता और गहरा गई है।

स्थानीय अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, फंड की कमी और भारी स्टॉक संकट के कारण बांग्लादेश में कॉन्डम का मौजूदा स्टॉक सिर्फ 38 दिनों के लिए ही बचा है। अधिकारियों का कहना है कि इसके बाद कम से कम एक महीने तक देशभर में कॉन्डम उपलब्ध नहीं हो पाएंगे, जिससे परिवार नियोजन कार्यक्रम बुरी तरह प्रभावित होगा।

जन्म दर में बढ़ोतरी ने बढ़ाई टेंशन

कॉन्डम संकट ऐसे समय में सामने आया है, जब बांग्लादेश में 50 साल बाद पहली बार कुल प्रजनन दर में इजाफा दर्ज किया गया है। मल्टीपल इंडिकेटर क्लस्टर सर्वे 2025 के मुताबिक, देश की टीएआर बढ़कर 2.4 हो गई है, जो पिछले साल 2.3 थी। विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के वर्षों में कई दंपती परिवार नियोजन से दूर हो रहे हैं और दो से ज्यादा बच्चों का चलन फिर से बढ़ रहा है। ऐसे में गर्भनिरोधकों की कमी हालात को और विस्फोटक बना सकती है।

छह साल में आधी से ज्यादा घट गई कंडोम की सप्लाई: बांग्लादेश में परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फैमिली प्लानिंग लोगों को मुफ्त में गर्भनिरोधक साधन उपलब्ध कराता है। इनमें कॉन्डम, गर्भनिरोधक गोलियां, हूप, इंजेक्शन और इम्प्लांट शामिल हैं। राष्ट्रीय गर्भनिरोधक सारांश रिपोर्ट के अनुसार, बीते छह वर्षों में कॉन्डम की सप्लाई में 57 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। हालात सिर्फ कॉन्डम तक सीमित नहीं हैं लॉजिस्टिकस और सप्लाई यूनिट के निदेशक अब्दुर रज्जाक के मुताबिक, कुछ गर्भनिरोधक साधनों की आपूर्ति जल्द बहाल हो सकती है।

सुधारों के बिना आर्थिक हालात और बिगड़ने की चेतावनी, आईसीएमए ने कहा- अर्थव्यवस्था में तुरंत सुधार जरूरी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी लोगों का भरोसा फिर से बनाने, सरकारी संस्थानों को मजबूत करने और आर्थिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए तुरंत व्यावहारिक सरकारी सुधारों की जरूरत है। यह बात इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स ऑफ पाकिस्तान (आईसीएमए) की तरफ से जारी एक बड़ी विश्लेषण समीक्षा में कही गई। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने शनिवार को बताया कि इन सुधारों के बिना देश में आर्थिक हालात और बिगड़ेंगे। यह रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के गवर्नेंस और करप्शन डायग्नोस्टिक को एक ऐसे सुधार रोडमैप में बदल देती है जिसे लागू किया जा सके, जिसमें वित्तीय प्रबंधन, टैक्सेशन, सार्वजनिक निगरानी, न्याय, भ्रष्टाचार-रोधी निकाय और डिजिटल गवर्नेंस शामिल है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, यह चेतावनी देती है कि लगातार गवर्नेंस की कमजोरियां और खराब भ्रष्टाचार नियंत्रण सीधे तौर पर आर्थिक विकास, संस्थानों की विश्वसनीयता और निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर रहे हैं। आईसीएमए ने 32 जरूरी सुधार क्षेत्रों की पहचान की है। जरूरी सरकारी कामों में गंभीर कमजोरियां भी सामने आईं एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में बताए गए आईएमएफ डायग्नोस्टिक के मुताबिक, पाकिस्तान को बजट प्रबंधन, राजकोष प्रशासन, बाजार नियंत्रण, वित्तीय क्षेत्र की निगरानी, धन-शोधन रोधी प्रणाली और कानून राज जैसे जरूरी सरकारी कामों में गंभीर कमजोरियों का सामना करना पड़ रहा है।

बीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी अभी भी पाकिस्तान

अफगानिस्तानः सहायता कटौती से गहराया मानवीय संकट, 1.7 करोड़ से अधिक लोगों पर भुखमरी का संकट

काबुल , एजेंसी।
अफगानिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सहायता में कटौती से देश में मानवीय संकट और अधिक गहरा गया है। देश में अनुमानित 2.29 करोड़ लोगों के भुखमरी का सामना करने की आशंका रेडक्रॉस अंतरराष्ट्रीय समिति ने जताई है। यानी देश की करीब आधी आबादी को 2025 में सहायता की जरूरत रही। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने भी चेताया कि अफगानिस्तान में 1.7 करोड़ से अधिक लोग अब सर्दियों में भुखमरी के संकट का सामना कर रहे हैं।

यह भुखमरी का संकट एक साल पहले की तुलना में 30 लाख अधिक लोगों का है। अफगानिस्तान आर्थिक बदहाली में है और बार-बार सूखा पड़ने व दो विनाशकारी भूकंपों के बाद हालात और बिगड़ गए, जबकि ईरान और पाकिस्तान जैसे देशों से निकाले गए अफगान

देश पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। ऐसे में सहायता में कटौती की गई है, जो खतरनाक है। बताया गया कि अब यहां की स्थिति और भी जटिल है। एजेंसी संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के प्रमुख टॉम फ्लेचर ने कहा 2026 में लगभग 2.2 करोड़ अफगानों को संयुक्त राष्ट्र की सहायता की जरूरत होगी, लेकिन दानदाताओं के कम योगदान के कारण उनका संगठन सिर्फ 39 लाख लोगों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे हालात और बिगड़ने की आशंका है। फ्लेचर ने कहा यह सर्दी पिछले कई वर्षों में पहली बार ऐसी रही है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य वितरण लगभग नहीं हुआ। 10 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थियों के 2025 में अपने देश लौटने के बावजूद, बीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी अभी भी पाकिस्तान में रह रहे हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के आंकड़ों के हवाले से ये दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सिर्फ नवंबर महीने में 171,055 अफगान नागरिक अफगानिस्तान लौट गए, जिनमें से 37,899 को चमन, तोरखम और बरबचा सीमाओं के रास्ते निर्वासित किया गया। इसके अलावा नवंबर में यूएनएचसीआर के प्रत्यावर्तन केंद्रों के जरिये 31,500 से ज्यादा अफगान पंजीकरण प्रमाण पत्र (पीओआर) धारकों को

सेना की फायरिंग रेंज में ब्लास्ट में चार जवान घायल, दो की हालत गंभीर

सहारनपुर (एजेंसी)। मिर्जापुर क्षेत्र स्थित सेना की फायरिंग रेंज में नियमित अभ्यास के दौरान अचानक हुए ब्लास्ट में चार जवान घायल हो गए। धमाके की आवाज सुनते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और अभ्यास रोक दिया गया। घटना के तुरंत बाद घायल जवानों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। बेहतर सीटसी के चिकित्सकों के मुताबिक चारों जवानों को चोटें आई हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल जवानों को जिला अस्पताल रेफर किया है, जबकि अन्य जवानों का इलाज यहीं किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस भी फायरिंग रेंज पर पहुंची और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया, ताकि किसी और अनहोनी से बचा जा सके। सुरक्षा कारणों से पूरे क्षेत्र को अस्थायी रूप से सील कर दिया। जिला अस्पताल प्रशासन ने भी इमरजेंसी वार्ड को अलर्ट मोड पर रखा। अतिरिक्त डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ तैनात किए गए ताकि घायल जवानों को तुरंत और बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। गंभीर जवानों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसा तब हुआ जब फायरिंग रेंज में नियमित ट्रेनिंग चल रही थी। अचानक हुए ब्लास्ट से चार जवान घायल हो गए। हालांकि, ब्लास्ट के कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायल जवानों का इलाज किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मानवीय चूक या किसी अन्य कारण से हुआ।

नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली तैयार... 20,000 जवान पर रहेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है, लेकिन इस दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली पुलिस ने विशेष तैयारी की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर इस बार कड़ी नजर रहेगी। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली की सड़कों, बाजारों और मॉल के आसपास दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,000 जवान तैनात रहने वाले हैं। हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने वाली भीड़ को देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रवेश द्वारों पर हर वाहन की जांच होगी। कनॉट प्लेस, हौज खास और प्रमुख शॉपिंग मॉल्स के आसपास विशेष नाकेबंदी की गई है। रणनीतिक स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया टीमें (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। ट्रैफिक पुलिस ने खतरनाक ड्राइविंग और स्टंटबाजी रोकने के लिए सख्त योजना तैयार की है। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की पहचान के लिए पुलिस बड़े पैमाने पर ब्रेथ एनालाइजर का उपयोग करेगी। पुलिस अधिकारियों ने साफ किया है कि शराब पीकर वाहन चलाने या खतरनाक स्टंट करने पर वाहन को तुरंत जब्त किया जाएगा। कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में केवल वैध स्टिकर वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस होटल, गेस्ट हाउस और रैन बसेरों की लगातार चेकिंग कर रही है। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की पहचान की जा सके। सभी थाना प्रभारियों को पूरी रात सड़कों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

स्टॉक और आईपीओ से पैसा होगा डबल........कहकर लगा दिया 16 लाख रुपये का चूना

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक शख्स ने फेक स्टॉक और आईपीओ में निवेश कर अपनी पूरी कमाई, करीब 16 लाख रुपये, गंवा दी। यह धोखाधड़ी व्हाट्सऐप के जरिए हुई, जहां पीड़ित को एक प्रोफेशनल निवेश ग्रुप में शामिल किया गया। शामिल करने के बाद ग्रुप में उन्हें कई फेक दावे दिखाए गए और बताया गया कि स्टॉक मार्केट और आईपीओ में निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। जुलाई में पीड़ित को एक लिंक भेजा गया, जिसमें ऑनलाइन फॉर्म भरने और एक ऐप इंस्टॉल करने को कहा गया। शुरुआत में विक्टिम ने 5,000 रुपये निवेश किए और 5,245 रुपये का रिटर्न देखा, जिससे उनका विश्वास बढ़ गया और उन्होंने और पैसे निवेश करना शुरू किया। साइबर ठगों ने अलग-अलग बैंक खातों में रुपये जमा कराए और कुल 16 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में, पीड़ित के वॉलेट में 18 लाख रुपये का लेन दिखाई दिया, जिससे वह हैरान रह गए। जब उन्होंने पैसे निकालने की कोशिश की, तब उन्हें प्रोसेसिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त 9 लाख रुपये की डिमांड की गई। इस घटना के बाद पीड़ित को धोखाधड़ी का शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद गुजरात पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसतरह के निवेश ग्रुप्स में शामिल होने और जल्दी अमीर बनने के लालच में आने से बचना चाहिए। यह साइबर ठगों की पुरानी और आम चाल है, जिसमें बहुत से लोग फंस चुके हैं। इसतरह के मामले चेतावनी है कि ऑनलाइन निवेश और कमाई के झांसे में सावधानी बरतनी बेहद जरूरी है।

छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने वाले नेता नजरबंद... महबूबा, इल्तिजा और रुहुल्लाह मेहदी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद किया गया। जिला प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट करने के बाद उठाया, जिन्होंने गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित करने के एक साल पूरे होने के बावजूद कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की बात कही थी।

विवाद बढ़ने पर दिग्विजय सिंह की सफाई... गोडसे की विचारधारा से कुछ सीखने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की प्रशंसा कर राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी थी। लेकिन अब उन्होंने अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विचारधारा के स्तर पर वे अब भी संघ के धुर विरोधी हैं और गांधी के हत्यारे गोडसे की विचारधारा से कांग्रेस को कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।

दरअसल विवाद की शुरुआत तब हुई जब दिग्विजय ने आरएसएस के अनुशासन और जमीनी कार्यकर्ताओं को शीर्ष पदों तक पहुंचाने की क्षमता की सराहना की थी। अपनी सफाई में उन्होंने कहा, मैंने जो कहना था, कह दिया। मैं पिछले 50 सालों से कांग्रेस में हूं और मैंने विधानसभा से लेकर संसद तक इन सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं भाजपा-आरएसएस की विचारधारा का हमेशा विरोधी रहा हूं और आगे भी इस विचारधारा का विरोधी रहूंगा। जब सिंह से संघ के अनुशासन के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने तीखा हमला कर कहा कि कांग्रेस को गोडसे जैसे हत्यारों के समर्थकों से कुछ भी सीखने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह जरूर दोहराया कि किसी भी संगठन को समय-समय पर खुद को मजबूत करने की जरूरत होती है।

बता दें कि दिग्विजय के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर भी एक नई बहस छेड़ दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर अलग-अलग राय रखते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी का 140 साल का लंबा इतिहास है और हम अपने अतीत से बहुत कुछ सीख सकते हैं। मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन मजबूत और अनुशासित बने।

वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कड़ा रुख दिखाकर कहा कि आरएसएस से सीखने जैसा कुछ नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि गोडसे के लिए जाने जाने वाला संगठन भला गांधी द्वारा स्थापित संगठन को क्या सिखा सकता है?

यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिग्विजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 1995 की पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे दिख रहे थे और उनके पास तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष एल.के. आडवाणी मौजूद थे। इस फोटो के जरिए दिग्विजय ने संकेत दिया था कि कांग्रेस को यह सीखना चाहिए कि कैसे आरएसएस और भाजपा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका देती है।

कोहरे का कहर : वंदे भारत-दरभंगा हमसफर सहित 60 से ज्यादा ट्रेनों के पहिए थमे

नई दिल्ली। सर्दी और कोहरे से लगभग पूरा उत्तर भारत परेशान है। खासकर कोहरे के कहर ने जहां जनजीवन प्रभावित किया है वहीं ट्रेनों पर भी इसका असर दिखाई दे रहा है। कोहरे के कारण रविवार को भी रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही। दिल्ली आने वाली वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, हमसफर सहित लंबी दूरी की 60 से अधिक ट्रेनें दो से 13 घंटे के विलंब से चल रही हैं। वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस 13.15 घंटे की देरी से चल रही है। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में जाने वाली कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे की देरी से चल रही हैं।

देरी से चल रही प्रमुख ट्रेनें - नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष, नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस, नई दिल्ली-गया महाबोधि एक्सप्रेस, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-जबलपुर महाकौशल एक्सप्रेस, हजरत निजामुद्दीन-हुबली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-पुरी नीलांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस, आनंद विहार टर्मिनल-कामाख्या नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस।

दिल्ली में सक्रिय 35 हजार नकली डॉक्टर... कार्रवाई के नाम पर एक पर ही एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में बिना डिग्री और मेडिकल पढ़ाई के लोगों का इलाज कर रहे नकली डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) के उदासीन रवैये का खुलासा हुआ है। बीते दो सालों में दिल्ली में केवल एक नकली डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि राजधानी में हजारों की संख्या में इसतरह के लोग गलत इलाज कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2024 में 9 मामलों की जांच की गई, लेकिन एक भी मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

इसकी वजह यह रही कि डीएमसी की ओर से एक भी केस पुलिस को एफआईआर दर्ज कराने के लिए नहीं भेजा गया। वहीं, 2025 में अब तक 22 मामलों की जांच हुई, लेकिन केवल एक केस पुलिस को भेजा गया, जिस पर एफआईआर दर्ज की गई। पिछले पांच सालों में दिल्ली में नकली डॉक्टरों के खिलाफ कुल 22 एफआईआर दर्ज हो सकी हैं। इस बारे में दिल्ली मेडिकल काउंसिल के एंटी क्वैकरी सेल के अधिकारी ने कहा कि साल 2015 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश जारी कर एक कमिटी बनाई थी, जिसे हर महीने दिल्ली में छापेमारी करनी थी। हालांकि, यह रिपोर्ट साफ दिखा रही है कि आदेशों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। अनुमान के मुताबिक, दिल्ली में 35 से 40 हजार नकली डॉक्टर सक्रिय हैं, जो इलाज के नाम पर आम जनता को ठग रहे हैं। कई बार गरीब मरीजों को इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है।

सीएम सरमा ने किया आगाह कहा- असम को बांग्लादेश में मिलाने की हो सकती है कोशिश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बांग्लादेश के लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां इनकी आबादी करीब 40 प्रतिशत हो चुकी है। जिस दिन ये आबादी 50 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर लेगी उसी दिन से बांग्लादेश का हिस्सा बनाने के प्रयास शुरू हो जाएंगे। यह आशंका असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी की है। भाजपा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थिति को असम की अस्मिता और संस्कृति के लिए एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

मुख्यमंत्री सरमा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वर्तमान में बांग्लादेशी मूल के लोगों की आबादी 40 प्रतिशत को पार कर चुकी है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा, आज हम अपनी आंखों से इस वास्तविकता को देख रहे हैं। यदि यह आबादी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई, तो असम के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगेगा। बांग्लादेश में हाल ही में हुई दीपू दास की मॉब लिंचिंग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने असम के लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि अगर आज वहां ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो असम के लोग कल्पना कर सकते हैं कि अगले 20 वर्षों में यहां की स्थिति क्या होगी। उन्होंने घुसपैठियों की वफादारी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि यदि भारत और बांग्लादेश के बीच युद्ध होता है तो ये लोग किसका साथ देंगे? मुख्यमंत्री ने जनगणना के पुराने आंकड़ों और भविष्य के अनुमानों को साझा करते हुए बताया कि 2011 में मुस्लिम आबादी 34 प्रतिशत थी, जिसमें बांग्लादेशी मूल के मुस्लिम 31 प्रतिशत और स्थानीय मुस्लिम मात्र 3 प्रतिशत थे। 2027 तक यह संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत होने का अनुमान है। स्वदेशी आबादी गिरकर 60 प्रतिशत पर आ गई है और इसमें और गिरावट की आशंका है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि उनके जीवनकाल में घुसपैठियों की आबादी 21 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है और उनके बच्चों के समय तक असमिया समुदाय की आबादी सिमटकर मात्र 30 प्रतिशत रह सकती है। आगामी विधानसभा चुनावों को मुख्यमंत्री ने महज एक राजनीतिक मुकाबला न मानकर सभ्यता की लड़ाई करार दिया। उन्होंने कांग्रेस पर दशकों तक तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया, जिसके कारण राज्य में एक नई सभ्यता विकसित हो गई है। इनकी संख्या अब लगभग 1.5 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सरमा ने कहा कि यह लड़ाई अपनी भूमि (माटी), पहचान (जाति) और आधार (भेटी) को बचाने की है। उन्होंने भाजपा को असम के लिए उम्मीद की आखिरी किरण बताते हुए कहा कि पार्टी राज्य को घुसपैठियों के कारण पैदा होने वाले अंधेरे के गर्त में गिरने से बचाएगी।

मुख्यमंत्री ने असम को शंकर-अजान (वैष्णव संत शंकरदेव और सूफी संत अजान फकीर) की धरती बताने वाली धारणा को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि असम केवल शंकर-माधव (शंकरदेव और उनके शिष्य माधवदेव) की भूमि है। उन्होंने कहा कि अजान फकीर के साथ महापुरुषों की तुलना करके हमारी सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने अहोम सेनापति लाचित बोरफुकन का स्मरण किया, जिन्होंने बीमार होने के बावजूद मुगलों को हराया था।

कोगिलू गांव में तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस के अंदर मचा दी खलबली

-आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में चलाए गए डिमोलिशन ड्राइव ने कांग्रेस के अंदर मतभेद उजागर कर दिए हैं। विरोध प्रदर्शन, विपक्षी दलों की आलोचना और पार्टी के अंदरखाने में उठ रही आवाजों के बीच कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक सरकार को संयम और संवेदनशीलता बरतने की नसीहत दी है। यह पूरा मामला बेंगलुरु के बाहरी इलाके में येलहंका के पास कोगिलू गांव का है। यहां तोड़फोड़ की कार्रवाई ने कांग्रेस पार्टी के अंदर खलबली मचा दी है। इस कार्रवाई के बाद विरोध प्रदर्शन तेज हो गए और विपक्ष के हमलों के साथ-साथ कांग्रेस के अंदर से भी असहज सवाल उठने लगे हैं, जिससे कर्नाटक सरकार बचाव के मोड में आ गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार से इस मुद्दे पर बात की। वेणुगोपाल ने कोगिलू गांव से लोगों को हटाने की कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता जताई और कहा कि इस तरह के कदमों में कहीं ज्यादा सावधानी, संवेदनशीलता की जरूरत होती है। उन्होंने साफ कहा कि फैसलों में मानवीय कीमत को सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए। वेणुगोपाल के मुताबिक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी इस पूरी कार्रवाई के तरीके को लेकर सहज नहीं है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों ने भरोसा दिलाया है कि वे खुद प्रभावित परिवारों से संवाद करेंगे, शिकायत निवारण तंत्र बनाएंगे और पुनर्वास व राहत सुनिश्चित करेंगे।

इस बीच सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने कमजोर और गरीब परिवारों को बिना पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था के बेघर कर दिया है। उन्होंने तुरंत पुनर्वास, अस्थायी आश्रय और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। एसडीपीआई के कर्नाटक महासचिव मुजाहिद पाशा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस वही बेदखली की राजनीति अपना रही है, जिसकी वह पहले आलोचना करती रही है। मंत्रियों के इस दावे को भी उन्होंने खारिज कर दिया कि यहां रहने वाले लोग अवैध प्रवासी थे या यह जमीन केवल ठोस कचरा प्रबंधन के लिए आरक्षित थी। पाशा ने केरल के सीएम पिनाराई विजयन की आलोचना का हवाला दिया और कहा कि यह मामला अब सिर्फ कर्नाटक तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन चुका है।

सीएम सिद्धारमैया ने कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि येलहंका के पास कोगिलू खदवाले क्षेत्र की जमीन कचरा डंपिंग साइट है, जो लोगों के रहने के लिए उपयुक्त नहीं है और उस पर अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने कहा कि परिवारों को पहले ही कई बार नोटिस जारी कर वहां से हटने को कहा था, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद बेदखली की कार्रवाई जरूरी हो गई। उन्होंने बेंगलुरु महानगर पालिका के आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों के लिए अस्थायी आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यहां रहने वाले अधिकतर लोग स्थानीय नहीं बल्कि प्रवासी मजदूर हैं, फिर भी मानवीय दृष्टिकोण से उनके लिए उचित आवास की व्यवस्था की जाएगी।

एसआईआर पर बंगाल के प्रशासनिक अधिकारियों को आपत्ति, चुनाव आयोग को लिखे पत्र से मचा हंगामा

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर आशंका जताई है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया में केंद्रीय चुनाव आयोग, निर्धारित वैधानिक व्यवस्था को दरकिनार कर रहा है।

एसोसिएशन ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है। एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने या नोटिस जारी करने का अधिकार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है। मौजूदा प्रक्रिया में ईआरओ की भूमिका सीमित कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है, चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के जरिए सीधे नोटिस जनरेट हो रहे हैं। जिससे स्थानीय स्तर पर जांच और सुनवाई की गुंजाइश समाप्त हो गई है।

पत्र में उल्लेख किया गया है। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं। इससे ईआरओ को यह तय करने का अवसर नहीं मिल रहा। वह किन मामलों में नोटिस जारी करें या किन मामलों में सुनवाई आवश्यक है। इससे बड़े पैमाने पर केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से बड़ी संख्या में वोटर डिलीशन हो सकता है। जिसमें स्थानीय अधिकारियों की भूमिका औपचारिक रह जाएगी। इससे बीएलओ और ईआरओ को मतदाताओं के कोपभाजन का शिकार होना पड़ सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों ने चेतावनी दी है, यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है। तो आम जनता इसका दोष स्थानीय ईआरओ पर डालेगी, जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया से ईआरओ को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है। इससे अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे। चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

एसोसिएशन का कहना है, एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय की स्थान पर स्थानीय स्तर पर दस्तावेजों की जांच, सुनवाई और मानवीय हस्तक्षेप जरूरी है। चुनाव आयोग से मांग की है, ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां पूरी तरह सौंपी जाएं। किसी भी प्रकार की डिलीशन प्रक्रिया से पहले पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित की जाए।

इस पत्र के सामने आने के बाद एसआईआर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में बवंडर मच गया है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से अब तक इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रशासनिक अधिकारियों की इस आपत्ति ने एसआईआर की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर देश भर में एक नई बहस छिड़ गई है।

आंतकी संगठनों के टारगेट पर 'वाइट कॉलर मॉड्यूल'...संदेह कम और समाज में घुले-मिले रहते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आतंकवाद के बदलते स्वरूप ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ाई है। हालिया इनपुट्स मिले हैं कि अल-कायदा जैसे आतंकी संगठन अब पारंपरिक हिंसक हमलों के बजाय एक नए, डिजिटल और वैचारिक मॉडल पर काम कर रहे हैं। इस रणनीति का उद्देश्य तात्कालिक दहशत फैलाने से अधिक लंबे समय में विचारधारा के द्वारा प्रभाव बनाना है।

दरअसल दिल्ली में हुए आतंकी हमले के बाद -वाइट कॉलर मॉड्यूल- पर फोकस बढ़ा है। इसी कड़ी में पुणे एंटी-टेररिज्म स्क्वाड द्वारा अक्टूबर 2025 में सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल जुबैर इलियास हंगरगेकर की

भारतीय खुफिया एजेंसियों के लिए बढ़ी चिंता

गिरफ्तारी को एक अहम केस माना जा रहा है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, जुबैर अल-कायदा और उसके दक्षिण एशियाई संगठन से वैचारिक रूप से जुड़ा हुआ था। उसके डिजिटल फुटप्रिंट-जैसे एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन, संग्रहित प्रोपेगेंडा सामग्री और क्लोज्ड ऑनलाइन ग्रुप्स में सक्रियता ने साफ कर दिया है कि कट्टरपंथ अब ज्यादा -ऑनलाइन और छिपा हुआ- हो चुका है।

इस मामले में सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। वह पढ़ा-लिखा, पेशेवर और सामाजिक रूप से स्थापित व्यक्ति था। यही पैटर्न हाल के अन्य मामलों में भी दिखा है, जिसमें डॉक्टर और दूसरे सम्मानित पेशों से जुड़े लोग शामिल हैं। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि अल-कायदा जानबूझकर इसतरह लोगों को टारगेट कर रहा है जिन पर संदेह कम होता है, जो समाज में आसानी से घुले-मिले रहते हैं और जिनकी बातों को विश्वसनीयता के साथ सुना जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस नए मॉडल की रीढ़ है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच का फायदा उठाकर आतंकी संगठन अपनी विचारधारा फैलाते हैं। इस प्रक्रिया में खुली हिंसा नहीं होती, बल्कि धीरे-धीरे नैरेटिव गढ़ा जाता है, शिकायतें उभारी जाती हैं।

खुफिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अल-कायदा भारत को फिलहाल तात्कालिक ऑपरेशनल थिएटर की बजाय एक लॉन्ग-टर्म वैचारिक मंच के रूप में देख रहा है। यहां उद्देश्य हमदर्द तैयार करना, सहानुभूति पैदा करना और इसतरह के लोग विकसित करना है जो बाहरी तौर पर -नॉर्मल- दिखें, लेकिन अंदरूनी तौर पर कट्टर विचारधारा से जुड़े हों। यह रणनीति संगठन को जल्दी पकड़ में आने से बचाती है और समय के साथ गहरी पैठ बनाने में मदद करती है।